नई दिल्ली
रविवार 5 अक्टूबर 2025
अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 29, अंक : 172
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 23

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मीराबाई चानू ने विश्व चैंपियनशिप में जीता सिल्वर पदक

फोर्डे (नॉर्वे)। भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं। चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था। उत्तर कोरिया की री सोंग गम ने 213 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक और थाईलैंड की थान्याथॉन सुकचारोन ने 198 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता है।

खबर संक्षेप

भारत की वेस्टइंडीज पर पारी व 140 रन से जीत

नई दिल्ली। भारत ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से शिकस्त दे दी। कप्तान के रूप में शुभमन गिल की पहली घरेलू टेस्ट जीत है। स्पिनर्स ने कुल 7 विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 146 रन पर सिमट गई। उप-कप्तान रवींद्र जडेजा ने 4 विकेट चटकाए। 3 विकेट सिराज ने, कुलदीप को 2 तो सुंदर को 1 विकेट मिला। पहले दिन मेहमान टीम को 162 रनों पर ढेर करने के बाद भारत ने दूसरे दिन 5 विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले भारत ने अपनी पहली पारी घोषित कर दी थी।

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने दी यह जानकारी, बंधकों की रिहाई के संकेत को बताया एक महत्वपूर्ण कदम

गाजा में शांति बहाली के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों की पीएम मोदी ने की सराहना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में जारी संघर्ष को पूरी तरह से खत्म कर शांति बहाली के प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की है।

इस संबंध में उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की। जिसमें कहा कि 'गाजा में शांति स्थापना से जुड़े हुए प्रयासों में निर्णायक प्रगति के लिए हम राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करते हैं। बंधकों की रिहाई (हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली लोग शामिल) के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत स्थायी और न्यायपूर्ण शांति की दिशा में जारी सभी प्रयासों का दृढ़तापूर्वक समर्थन करता रहेगा'।

> भारत स्थायी और न्यायपूर्ण शांति की दिशा में जारी सभी प्रयासों का दृढ़तापूर्वक समर्थन करता रहेगा

ट्रंप ने बनाई शांति की 20 सूत्रीय योजना

गौरतलब है कि पीएम की यह टिप्पणी हमास द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा क्षेत्र में शांति स्थापना के लिए रखी गई 20 सूत्रीय योजना को स्वीकारने के शुरुआती ऐलान के बाद आई है। पिछले महीने के अंत में 29 सितंबर को ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक के बाद गाजा क्षेत्र में शांति स्थापना को लेकर इसका ऐलान किया गया था। जिसका भारत सहित दुनियाभर के देशों के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा स्वागत करते हुए सराहना की गई। योजना को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक अविश्वसनीय क्षण बताते हुए कहा था कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रस्ताव के पक्ष में खड़ा भारत

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के 29 सितंबर के शांति प्रस्ताव की घोषणा का भी स्वागत किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर दिए अपने एक बयान में कहा था कि हम गाजा में दोनों पक्षों के मध्य व्यापक रूप से शांति स्थापित करने की अमेरिका के राष्ट्रपति की योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह योजना फिलिस्तीन और इजरायल के लोगों के साथ-साथ विस्तृत पश्चिम-एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक स्थायी शांति और सुरक्षा-विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। इसके अलावा पीएम ने यह आशा भी व्यक्त की थी कि सभी संबंधित पक्ष ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने, शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

शांति प्रस्ताव से पीछे हटा हमास?

वहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बीच पहले संघर्षविराम को लेकर तैयार की गई अमेरिकी राष्ट्रपति की शांति योजना से सहमति जताने वाले हमास के रुख में अचानक परिवर्तन आने की भी चर्चा जोरों पर है। जिसमें विदेशी मीडिया के हवाले से ये जानकारी मिल रही है कि हमास के सैन्य प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद ने ट्रंप की शांति योजना को खारिज करते हुए कहा है कि जब तक फिलिस्तीन की गारंटी नहीं मिलती। तब तक हमास युद्ध को नहीं रोकेगा। अमेरिका की तरफ से हालांकि शुरुआत में ही हमास को ये चेतावनी दे दी गई थी कि अगर वो इस शांति योजना को स्वीकार नहीं करेगा। तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

पीएम मोदी ने राहुल और राजद पर साधा निशाना

'जननायक पद' की चोरी हो रही, बिहार वाले सावधान!

पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा के समय कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को जननायक बताया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम सेतु योजना की लांचिंग और आईटीआई दीक्षांत समारोह के मौके पर आयोजित युवा संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन से राहुल गांधी और बिहार की लालू-राबड़ी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के जननायक पद की चोरी की कवायद की जा रही है। बिहार के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

राजद ने बिहार नाम के पेड़ की जड़ों में कीड़ा लगा दिया था: पीएम ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा और शिक्षा विस्तार के लिए लगा दिया। उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि समाज का सबसे ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर विवि

पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा से समय कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को जननायक बताया था। कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर राहुल गांधी को जननायक बताकर पोस्ट किया गया था। युवा संवाद को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को नई स्किल यूनिवर्सिटी मिली है। नीतीश सरकार ने इस यूनिवर्सिटी का नाम भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है। मैं बिहार के लोगों को कहूंगा चौकन्ने रहिए। यह जननायक पद कर्पूरी ठाकुर से ही शोभाएमान है। बिहार की जनता ने उनकी कृति को देखते हुए यह सम्मान दिया। आजकल कुछ लोग जननायक की भी चोरी करने में लग गए हैं। इसलिए बिहार के लोगों से जागृत रहने का आग्रह करता हूं। हमारे कर्पूरी ठाकुर साहब को जनता के द्वारा दिया गया सम्मान कोई चोरी न कर ले।

अगले सप्ताह 8 से 9 अक्टूबर तक होगा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का भारत दौरा

- **इसी साल जुलाई महीने में ब्रिटेन के पीएम के रूप में कार्यभार संभालने के बाद होगी कीर स्टार्मर की पहली भारत यात्रा**

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी टैरिफ संकट और दुनिया के कई क्षेत्रों में जारी संघर्ष के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अगले सप्ताह से भारत के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। जिसके लिए तारीख होगी 8 से 9 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए उन्हें आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री स्टार्मर के बीच 9 अक्टूबर को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिसमें भारत-ब्रिटेन व्यापक सामरिक भागीदारी से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी बातचीत की जाएगी। बताते चलें कि 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस यानी महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर ब्रिटेन में तोड़ी गई उनकी प्रतिमा के मामले के सामने आने के तुरंत बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की यह भारत यात्रा हो रही है। इसके अलावा ब्रिटेन में भारत के खिलाफ उठने ▶▶ शेष पेज 5 पर

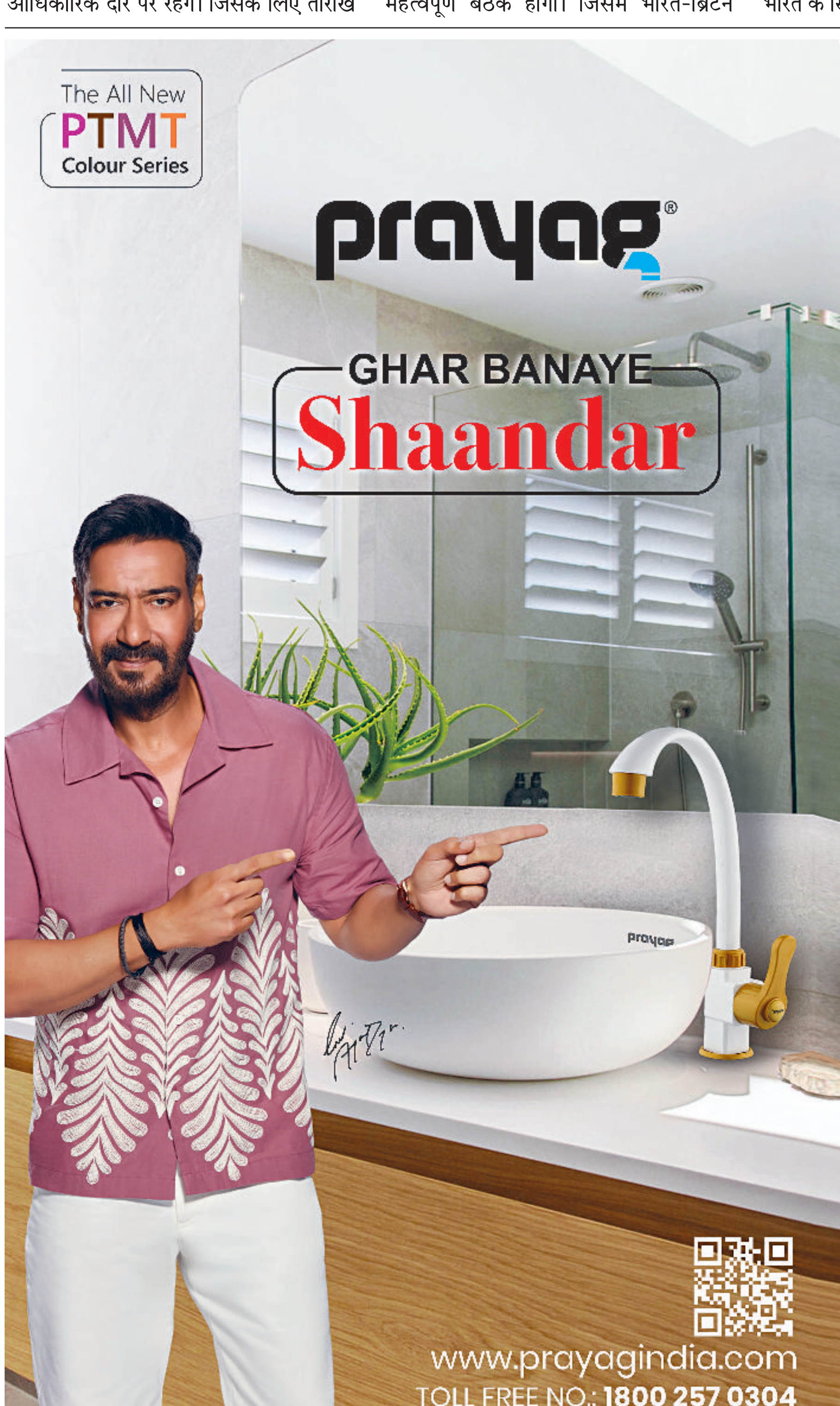

87 साल का जीवन, सिनेमा को समर्पित एक आत्मा संध्या शांताराम का गमन

'अरे जा हट नटखट' से दिलों में बसने वाली संध्या अब यादों में रहेंगी

मुंबई। बॉलीवुड और मराठी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री संध्या शांताराम का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शनिवार को अंतिम सांस ली, और मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित बैकुंठ धाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। संध्या अपने शानदार अभिनय और नृत्य कौशल के लिए जानी जाती थीं।

'अरे जा हट नटखट, 'झनक झनक पायल बाजे', 'दो आंखें बारह हाथ', 'नवरंग' और 'पिंजरा' जैसी क्लासिक फिल्मों में उनके अभिनय को सिनेप्रेमी आज भी याद करते हैं। वी. शांताराम के निर्देशन में बनी इन फिल्मों ने उन्हें हिंदी और मराठी सिनेमा की अमर अदाकाराओं में शामिल कर दिया। संध्या, प्रसिद्ध फिल्मकार वी. शांताराम की तीसरी पत्नी थीं। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म अमर भूपाली (1951) के दौरान हुई थी, जब शांताराम नई प्रतिभाओं की तलाश में थे। उनकी मधुर आवाज़ और सहज अभिनय से प्रभावित होकर शांताराम ने उन्हें फिल्म में मौका दिया, और वहीं से उनकी फिल्मी यात्रा की शुरुआत हुई। संध्या शांताराम भले ही ज्यादा फिल्मों में नजर न आईं हों, लेकिन अपने अभिनय, नृत्य और सौम्य व्यक्तित्व से उन्होंने भारतीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत के पुराने आईपीसी, सीआरपीसी और आईईए कानून अब नए **भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** और **भारतीय साक्ष्य अधिनियम** के रूप में लागू किए गए हैं। नए कानूनों को जानें और अपने अधिकारों की रक्षा करें।

अपराधों के लिए दंड

पुराने कानून		अपराध		नये कानून
पुराने आईपीसी कानून	323	जानबूझकर चोट पहुँचाना	115(2)	भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत लागू नये कानून
	307	हत्या का प्रयास	109	
	302	हत्या	103	
	379	चोरी	303(2)	
	356	छीना-झपटी	304	
	420	धोखाधड़ी	318(4)	
	376	बलात्कार	64	
	354	महिला की मर्यादा भंग करने के लिए आपराधिक बल	74	
	498A	पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिलाओं पर क्रूरता	85	
पुराने सीआरपीसी कानून	144	सार्वजनिक उपद्रव की रोकथाम	163	भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत लागू नये कानून
	107	शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा	126	
	150	संज्ञेय अपराध की रोकथाम	169	
	151	संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी	170	
	154	संज्ञेय मामलों में जानकारी	173	
	156(3)	मजिस्ट्रेट द्वारा जांच का आदेश	175(3)	
	41(A)	उपस्थित होने की सूचना	35(3)	
	91	दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए सम्मन	94	
	160	गवाहों को नोटिस	179	

आप हमसे जुड़ें:- @DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceOfficial delhipolice.gov.in
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें पुलिस आयुक्त, दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर
तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें - 112
पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें - 14547
DP/9805/2025

हिंदू देवताओं के लिये अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वाला पकड़ा

नई दिल्ली। वसंत कुंज साउथ पुलिस ने हिंदू देवताओं के लिये अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में यह कार्रवाई तब की गई जब हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी शख्स का नाम मोहम्मद शमशाद आलम (26) निवासी रूबी नर्सरी 26 वर्ष बताया गया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार को वसंत कुंज साउथ थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें एक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा हिंदू देवताओं के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने की बात कही गई थी। आईओ अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ घटनास्थल यानी छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास रूबी नर्सरी पहुंचे जहां रविकांत और विश्व हिंदू परिषद के कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो दिखाया, जिसमें एक व्यक्ति हिंदू देवताओं और पुलिस अधिकारियों के लिए बेहद अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देखा जा सकता था। कथित वीडियो में दिख रहे व्यक्ति का नाम मोहम्मद शमशाद आलम निवासी रूबी नर्सरी बताया गया। परिणामस्वरूप एफआईआर दर्ज कर कथित मोहम्मद शमशाद आलम को गिरफ्तार कर लिया गया।

डेढ़ किलो हेरोइन बरामद

उत्तर पश्चिम दिल्ली का ड्रग सप्लायर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने उत्तर पश्चिम दिल्ली के ड्रग सप्लायर समेत दो लोगों को डेढ़ किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत करोड़ों में आंकी गई है। पकड़े गये सप्लायरों के नाम इंजमामुल और साहिदुल उर्फ बाबू खान बताये गये हैं।

डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एएनटीएफ टीम ने पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1.5 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये मूल्य की यह बरामदगी राजधानी में नशीले पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे संगठित ड्रग नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई है। यादव ने बताया कि इंजमाम-उल-हक निवासी जहांगीरपुरी को उस समय पकड़ा गया जब वह दिल्ली में बेचने के लिए प्रतिबंधित पदार्थ की डिलीवरी करने जा रहा था। उसे 1259 ग्राम प्रतिबंधित पदार्थ के साथ पकड़ा गया। इसे स्वरूप नगर एक्सटेंशन, भलस्वा डेयरी एरिया से पकड़ा गया। इंजमामुल पहले जहांगीरपुरी और महिंद्रा पार्क क्षेत्रों में हत्या के प्रयास और अवैध शराब तस्करी के मामलों में शामिल रहा है। पूछताछ के दौरान इसने खुलासा किया कि वह बाबू खान नामक एक आपूर्तिकर्ता के साथ मिलकर काम कर रहा है। बाबू खान जहांगीरपुरी इलाके का एक कुख्यात अपराधी रहा है। वह हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, डकैती, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, सरकारी कर्मचारियों को धमकाने आदि के आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। बाबू खान हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में जमानत पर बाहर आया था और फिर से ड्रग्स की सप्लाई करने लगा था। इंजमामुल की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर खान अंडरग्राउंड हो गया था। लेकिन बाद में उसे दबोच लिया गया।

एनजीओ के ऑफिस से 25 लाख की चोरी में दो अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम जिले की सरोजिनी नगर पुलिस ने आराधना एन्क्लेव, आर.के. पुरम स्थित ओड़िया समाज ट्रस्ट नामक एनजीओ के कार्यालय से 25 लाख की चोरी का मामला सुलझा लिया है। टीवी धारावाहिक क्राइम पेट्रोल से प्रेरित होकर दो आरोपियों ने इस सेंधमारी को अंजाम दिया था। दोनों को गिरफ्तार कर 23.50 लाख रुपये बरामद हो गये हैं।

डीसीपी अमित गोयल के अनुसार पकड़े गये दो चोरों के नाम राजेंद्र कुमार निवासी सेक्टर-7, आर.के. पुरम और राजेश कुमार निवासी बुराड़ी हैं। पुलिस को इस संबंध में 23 सितंबर को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। कॉल प्राप्त होने पर एएसआई नरेंद्र अपने साथी कर्मचारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। सुश्री जेआर दास, कार्यकारी निदेशक ओडिया समाज ट्रस्ट का बयान दर्ज किया गया। इसके बाद सरोजिनी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। 11 दिनों की जांच में 40 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई। कई संदिग्ध मोबाइल नंबरों की तकनीकी निगरानी का विश्लेषण करने के साथ ही कई सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गये। सीसीटीवी विश्लेषण के दौरान टीम ने एनजीओ कार्यालय में प्रवेश करते और बाद में ऑटो-रिक्शा में निकलते समय बार-बार भेष बदलते संदिग्धों की पहचान की। ऑटो चालक का पता लगाया गया और उससे पूछताछ की गई। उसने खुलासा किया कि अज्ञात संदिग्ध को नेताजी नगर में छोड़ा था। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आगे के मार्ग विश्लेषण से नेताजी नगर के गोल चंबारी के पास राजेंद्र कुमार की संदिग्ध उपस्थिति का पता चला। कड़ी पूछताछ में राजेंद्र ने जुर्म कबूल लिया। इसकी निशानदेही पर राजेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। राजेंद्र के ससुराल वालों के घर मानसरोवर पार्क, शाहदरा से 14.50 लाख और राजेश के बुराड़ी स्थित आवास से 9 लाख बरामद किए गए।

यमुना खादर में हुआ दंगा-रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क क्षेत्र के यमुना खादर बेला फार्म में दिल्ली पुलिस ने शनिवार को दंगा रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। ड्रिल का उद्देश्य कर्मचारियों की हथियार परिचालन दक्षता और तैयारियों का आकलन करना था। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने भी अभ्यास किया।

उत्तर पूर्वी जिले के एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारी अच्छी तरह प्रशिक्षित रहें और आपातकालीन स्थितियों के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हो सकें। मॉक ड्रिल के दौरान वाटर कैनन, वज्र, विक्रांत और एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली का गहन मूल्यांकन किया गया। गैस गन और ए.आर.ई. जैसे उपकरणों को संभालने में कर्मचारियों की सतर्कता और दक्षता का भी परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल सुबह आठ बजे शुरू हुई। एक एसीपी और सात इंस्पेक्टरों के नेतृत्व में आयोजित ड्रिल में कुल 170 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया।

150 किलोग्राम अवैध पटाखे जब्त, एक महिला पकड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में दीपावली से पहले 150 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए गए और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला की पहचान शकूरपुर निवासी विनी चोपड़ा के रूप में हुई है। पुलिस को अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी जिसके बाद महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''चोपड़ा ग्राहकों को चोरी-छिपे पटाखे बेच रही थीं और उसने अपने घर पर बड़ी मात्रा में पटाखे जमा कर रखे थे। घनी आबादी वाले इलाके में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण निवासियों और उनकी संपत्ति के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा था।'' आरोपी महिला के घर पर छापेमारी के दौरान 150 किलो पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत सुभाष प्लेस थाने में मामला दर्ज कर लिया है। सभी पटाखे जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

खड़े डंपर में पीछे से घुसा दूसरा डंपर, चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के सरिता विहार थानाक्षेत्र में शनिवार सुबह खड़े डंपर में पीछे से दूसरा डंपर ट्रक घुस गया। इस हादसे में टकराने वाले डंपर चालक की मौत हो गई। सड़क पर बिना किसी चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग या ब्लिंकर के खड़े डंपर का चालक अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह लगभग छह बजे सरिता विहार थाना क्षेत्र में घातक दुर्घटना की पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। कॉल प्राप्त होने पर आईओ अन्य कर्मचारियों के साथ सरिता विहार से कालिंदी कुंज मुख्य मार्ग पर फुट ओवर ब्रिज के पास लिविंग स्टाइल मॉल के सामने दुर्घटना स्थल पर पहुंचा। घटनास्थल पर एक डंपर ट्रक खड़े डंपर ट्रक से पीछे से टकराया हुआ था। दो डंपर हरियाणा रजिस्ट्रेशन के थे। डंपर का चालक अपने वाहन के अंदर फंसा हुआ पाया गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे बचाया गया और एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। मृतक का नाम हनीफ अली (40) पुत्र अंसार अली निवासी ग्राम रतुआ, पीपरपुर, जिला औरैया (उत्तर प्रदेश) पता चला। उसे सुबह 7:55 बजे एम्स ट्रॉमा सेंटर में मृत घोषित कर दिया गया। पूछताछ करने पर पता चला कि खड़ा डम्पर ट्रक बिना किसी चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग या ब्लिंकर के खड़ा था, जिसके कारण चलते हुए डम्पर ने पीछे से टक्कर मार दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स ट्रॉमा मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। आरोपी ड्राइवर को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

डीडीए की पीएम उदय योजना के तहत आयोजित शिविरों में लोगों ने कराई दस्तावेजों की जांच

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने पीएम उदय योजना के तहत दो दिवसीय कैंप के पहले दिन शनिवार को कई क्षेत्रों में शिविर लगाए। अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले सैंकड़ों लोगों ने इन शिविरों में पहुंचकर अपने आवास से जुड़े दस्तावेजों की जांच कराई और जो कमियां थी उनके बारे जानकारी प्राप्त की। यह शिविर मालिकाना हक देने की प्रक्रिया के तहत लगाए जा रहे है। इस बारे में डीडीए के संबंधित विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम-उदय सिंगल विंडो शिविर (फेज-2) के तहत 4-5 अक्टूबर 2025 को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आयोजित हो रहे है। पहले दिन शनिवार को इन कैंपों में लोगों ने अपने घर से जुड़े दस्तावेज दिखाए। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने संबंधित लोगों को उनके घर से जुड़े दस्तावेजों में जो कमी थी उसके बारे में बताया, जिनमें कुछ मौके पर ही पूरी कर दी गई। जबकि कइयों को बताया गया कि कौन से कौन से दस्तावेज इनमें जोड़ने है। अधिकारी ने बताया कि सरकार राजधानी की अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने के लिए लंबे समय से ऐसे शिविरों का आयोजन करता आ रहा है। जिसका लाभ जनता को मिल रहा है, इसलिए डीडीए लगातार ऐसे शिविर लगा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को बुराड़ी के अमृत विहार स्थित जयंत वाटिका, सेक्टर 23बी द्वारका से सटे पोचनपुर, कबीर भवन महरौली, सादतपुर पश्चिमी करावल नगर, बुद्ध विहार फेज 2, ककरोला, भलस्वा गुरुद्वारा भलस्वा डेयरी, मयूर विहार , मेन खेड़ा रोड नजफगढ़ और मोलड़ बंद एक्सटेंशन बदरपुर में शिविर आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि रविवार को भी ऐसे शिविर आयोजित होंगे।

रोहिणी में दिनदहाड़े आठ लाख रुपये की लूट के आरोप में चार गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में दिनदहाड़े आठ लाख रुपये की लूट के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की पहचान अश्विनी उर्फ आशु (22), गौतम उर्फ भूरा (22), भरत किराड (22) और हितेश पवार उर्फ हितू (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार लूट की यह घटना 28 सितंबर को जयपुर गोल्डन अस्पताल के पास हुई थी, जब आदर्श श्रीवास्तव नामक एक व्यक्ति एक ग्राहक से नकदी लेकर अपने नियोक्ता के पास आठ लाख रुपये ले जा रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''आरोपियों ने चाकू का भय दिखाकर उसे रोक लिया और नकदी लेकर फरार हो गए।'' इस घटना के बाद दक्षिण रोहिणी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया और बाद में जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीम ने दो संदिग्धों की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने से पहले 100 से अधिक सीसीटीवी की जांच की और स्थानीय नेटवर्क का विश्लेषण किया। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और 30 सितंबर को रोहिणी के जापानी पार्क के पास भरत किराड और हितेश पवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि उनके खुलासे के आधार पर दो अन्य आरोपियों अश्विनी और गौतम को तीन अक्टूबर को मुकरबा चौक के पास से गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से चोरी की गई राशि में से 6.22 लाख रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि अश्विनी लूट की इस घटना का मास्टरमाइंड था और अस्पताल के पास दो कर्मचारियों के बीच नकदी हस्तांतरण की जानकारी मिलने के बाद उसने इस योजना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

बुराड़ी परिवहन प्राधिकरण में अफसरशाही को लेकर ऑटो चालको में रोष

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग का बुराड़ी परिवहन प्राधिकरण में भ्रष्टाचार को लेकर अकसर आरोप लगाए जाते रहे है। इसी कड़ी में एक बार फिर ऑटो टैक्सी यूनिट में अफसरशाही को लेकर आरोप लगाए है। ऑटो टैक्सी चालकों का आरोप है कि अधिकारी जान बुझकर कमियां निकालकर भ्रष्टाचार का रास्ता अपना रहे है। ऑटो टैक्सी संगठन के अध्यक्ष राजवीर सिंह ने आरोप लगाए कि ऑटो टैक्सी यूनिट में एक एमएलओ स्तर का अधिकारी गत लंबे समय से चालकों को विभिन्न कारणों से परेशान करता है और फिर उनके द्वारा छोड़े गए दलाल मामले को निपटाने के लिए वाहन मालिक या संबंधित चालक से संपर्क साधकर मोल भाव करता है। उन्होंने आरोप लगाए कि गाड़ी ट्रांसफर व फिटनेस प्रमाणपत्र मामले में सबसे ज्यादा परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारियों से पुलिस व आला अधिकारियों से मिलीभगत के चलते शिकायतों के बाद भी कुछ नहीं बिगड़ता। संगठन ने सीएम रेखा गुप्ता व परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह से गुहार लगाई है कि सरकार बदलने के बाद भी बुराड़ी प्राधिकरण भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं हो रहा है, इस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। बता दें कि समय समय पर बुराड़ी प्राधिकरण में ऑटो टैक्सी यूनिट में भ्रष्टाचार को लेकर आरोप लगते रहे है। विभिन्न ऑटो टैक्सी संगठन जोर शोर से आवाज उठाते रहे है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई-टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 42/2025 दिनांक 09-09-2025 के अंतर्गत निविदा जो दिनांक 03-10-2025 को खोली जानी थी, उत्तर प्रदेश सरकार के जिला प्रशासन बरेली द्वारा बरेली परिक्षेत्र में दो दिनों के लिये नेट सेवा बन्द करने के कारण उक्त निविदा अब दिनांक 07-10-2025 को खोली जायेगी।

ई-निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट पर www.ireps.gov.in पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि / डब्लू-279 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं. : एचडब्ल्यूएच-IV-02-25-26 (खुली), दिनांक: 03.10.2025. उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-IV, पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकलघाट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई/निविदा हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नामः पूर्व रेलवे में नई लाइन, बाईपास लाइन, मल्टी ट्रैकिंग, फ्लाईओवर इत्यादि के अपेक्षित सर्वेक्षण कार्य के संबंध में सभी परियोजनाओं के लिए अंतिम स्थल के सर्वेक्षण के संचालन के लिए दर अनुबंध जिसमें रेलवे की लाइनियर परियोजनाओं के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक यानी एयरबोर्न अथवा टेरेस्ट्रियल एलआईडीएआर तथा ड्रोन फोटोग्रामेट्री इत्यादि शामिल है। जियोटेकनिकल निरीक्षण इत्यादि का संचालन। रेलवे बोर्ड की नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार डीपीआर, ईपीसी निविदा दस्तावेज तैयार करना। निविदा मूल्यः रु. 6,28,89,500.84; बयाना राशिः रु. 4,64,500। निविदा दस्तावेज की कीमतः एनए। समापन अवधिः 24 (चौबीस) महीने। निविदा बंद होने की तारीखः 27.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा कोई भी मैनुअल प्रस्ताव अगर प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा। (CON-43/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in /www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

दमकल वाहन की चपेट में आकर दुपहिया सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यमुना नदी में डूबे भाजपा नेता को बचाने के लिए जा रहे दमकल वाहन की चपेट में आ जाने से शनिवार को एक मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। यह हादसा उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुआ। मृतक बाइक सवार युवक का नाम रोहित पाल (18) बताया गया है। वह सोनिया विहार पांचवां पुश्ता इलाके का रहने वाला था। उधर भाजपा नेता की भी यमुना में डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार मोटर साइकिल सवार रोहित पाल को दुर्घटना के बाद जगप्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरअसल पुलिस को सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली थी कि भाजपा के करावल नगर के पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलदीप नैनवाल नदी में डूब गए हैं। इसके बाद घटनास्थल के लिए एक दमकल वाहन रवाना हुआ था। घटनास्थल की ओर जाते समय दमकल विभाग की वैन ने पुश्ता रोड पर मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मारी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चौहान पट्टी के निकट दमकल वाहन के चालक ने विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे मोटरसाइकिल सवार को देखा। उसे बचने के प्रयास में चालक ने वाहन को बाई ओर मोड़ा जिससे दमकल वैन सड़क किनारे की दीवार से जा टकराई और क्षतिग्रस्त हो गई। लेकिन इसके बाद भी दुर्घटना को टाला नहीं जा सका। मोटरसाइकिल सवार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मोटर साइकिल सवार की गलती बताया है।

■ दमकल गाड़ी यमुना में डूबे भाजपा नेता को बचाने जा रही थी

कुलदीप नैनवाल का शव यमुना से बरामद

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह भाजपा के करावल नगर के पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलदीप नैनवाल मछलियों को दाना डालने यमुना किनारे गए थे। वहां पर उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में डूब गए। गोताखारों की टीम ने उन्हें पानी से निकालकर बुराड़ी के अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नैनवाल के पानी में डूबने संबंधी केस की जांच बुराड़ी पुलिस कर रही है।

आईपी यूनिवर्सिटी के पांच वर्षीय लॉ प्रोग्राम में दाखिले का अवसर

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी अपने पांच- वर्षीय लॉ प्रोग्राम (कोड 121) में दाखिले के लिए आवेदन का एक और अवसर दे रही है। आवेदन का यह अवसर सिर्फ सीयूईटी स्कोर के आधार पर उन उम्मीदवारों को दिया जाएगा जिन्होंने अभी तक इस प्रोग्राम में कहीं दाखिला नहीं लिया है। आईपीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक आवेदक को यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम से निर्गत 2,500 रुपये का बैंक ड्राफ्ट एवं अन्य दस्तावेज 9 अक्टूबर को द्वारका कैंपस में साथ लेकर आयें। उसी दिन दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मेरिट के अनुरूप इस प्रोग्राम में उपलब्ध खाली सीटों का आवंटन कर दिया जाएगा। सीट आवंटन के समय यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम निर्गत 96 हज़ार रुपये का बैंक ड्राफ्ट भी जमा करना है। इसलिए वह बैंक ड्राफ्ट भी साथ लाना है। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा एक दर्जन से ज़्यादा एफिलिएटेड इंस्टीट्यूट्स में उपलब्ध है।

संजय गांधी अस्पताल में शव बदलने का मामला सरकार की घोर लापरवाही का दुखद नमूनाः यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एक सरकारी अस्पताल में शव बदले जाने के मामले पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दुख प्रकट करते हुए सरकार की घोर लापरवाही बताया है। यादव ने कहा कि बड़े शर्म की बात है कि मंगोलपुरी में दिल्ली सरकार के संजय गांधी अस्पताल में प्रेम नगर के पंकज का शव बदलने का मामला दिल्ली सरकार के अस्पताल प्रबंधन की पोल खोलता दुखद नमूना है। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी शर्म की बात क्या होगी कि संजय गांधी अस्पताल प्रबंधन ने प्रेम नगर निवासी पंकज का शव नांगलोई के दूसरे मृतक भारत भूषण के परिवार वालों को दे दिया। यह कोई मामूली घटना नहीं है, इसके दोषियों पर तुरंत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शासन में सरकारी अस्पतालों में बदहाली, अव्यवस्था, मरीजों का इलाज न होना और दवाईयों की कमी से जहां दिल्ली वाले जूझ रहे हैं, वहीं संजय गांधी अस्पताल में मृतक पंकज का शव ही बदलकर दे दिया गया। इतने बड़े कांड के बाद भी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ने चुप्पी साध रखी है। पुलिस और अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के कारण एक परिवार ने किसी दूसरे व्यक्ति का अंतिम संस्कार कर दिया और पंकज के परिवार को सिर्फ उसकी अस्थियां ही मिली है। पुलिस और अस्पताल के कुप्रबंधन के कारण भारत भूषण के परिवारजनों पर सामाजिक और धार्मिक नीतियों को निभाने के लिए दो लोगों का अंतिम संस्कार करना पड़ेगा। यादव ने कहा कि बेशक मामले की डीसीपी रोहिणी इस मामले की जांच कर रही है, क्या इतने बड़े लापरवाही के मामले में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की कोई जिम्मेदारी नही। अस्पताल प्रशासन और पुलिस अधिकारियों जिनके अंतर्गत यह मामले थे उन पर तुरंत कार्यवाही की जाए क्योंकि यह लापरवाही के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने वाला मामला भी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साहरुख पुत्र रियाजुद्दीन निवासी जे–3 / 100, कृष्ण कुन्ज, लक्ष्मी नगर, ईस्ट दिल्ली, इंडिया** ने केस **एफआईआर नं. 180 / 2020 अन्तर्गत धारा 356 / 379 / 34 आईपीसी थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहरुख** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहरुख** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 180 / 2020 अन्तर्गत धारा 356 / 379 / 34 आईपीसी थाना मधु विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **साहरुख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
उदभव कुमार जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 13, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/13352/ED/2025
(Court Matter)

आभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शिवम कुमार पुत्र रंजीत सिंह निवासी टी-हट्स, 95, बी-ब्लॉक, जे.जे. कॉलोनी, मंगोलपुरी, एस-ब्लॉक, दिल्ली** ने एफआईआर सं. **667/19, दिनांक 31.08.2019 अन्तर्गत धारा 323/325/34 आईपीसी, थाना राज पार्क, बाहरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शिवम कुमार** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शिवम कुमार** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. **667/19, दिनांक 31.08.2019 अन्तर्गत धारा 323/325/34 आईपीसी, थाना राज पार्क, बाहरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शिवम कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.12.2025** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री ईब्बानी अग्रवाल
एलडी न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम श्रेणी-03
(उ.-प.) कमरा नं. 107, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/13051/OD/2025
(Court Matter)

सांसद बिधूड़ी ने पीएम मोदी और केंद्रीय परिवहन मंत्री का किया आभार व्यक्त

दो महत्वकांक्षी योजनाओं का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को बताया कि दक्षिण दिल्ली की दो महत्वकांक्षी योजनाएं जमीन पर उतर आई हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को जहां बदरपुर में मथुरा रोड पर बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया, वहीं उन्होंने दिल्ली से हरियाणा को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज का उद्घाटन भी किया। सांसद बिधूड़ी ने दोनों योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। बिधूड़ी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली में बदरपुर में मथुरा रोड पर 27 करोड़ रुपये की लागत से नाले का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस सड़क के किनारे नाला न होने के कारण बारिश में अक्सर जलभराव की समस्या पैदा हो जाती थी। अब जनता को जबरदस्त राहत मिलेगी। इसी तरह मोलडबंद विस्तार और सेक्टर-37 फरीदाबाद के बीच बाईपास पर 4 करोड़ रुपए की लागत से बने फुटओवर ब्रिज की शुरुआत हो गई है। हर्ष मल्होत्रा ने इसका भी उद्घाटन किया।

6 लेन का निमार्णाधीन कार्य मार्च 2026 से पहले पूरा हो जाएगा

बिधूड़ी ने कहा कि केंद्र तथा दिल्ली की भाजपा सरकारें राजधानी में भीड़भाड़ और प्रदूषण कम करने के लिए हर स्तर पर जुटी हुई हैं। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा करते हुए कहा कि डीएनडी और सराय काले खां तक 6 लेन के हाईवे के निर्माण का जो काम अभी तक अधूरा है, वह मार्च 2026 से पहले पूरा हो जाएगा। इससे दक्षिण दिल्ली के रास्ते मुंबई तक के हाईवे का काम दिल्ली में पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इस हाईवे का उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने विभागों को सुरक्षा, स्वच्छता, लाइट व पेयजल की व्यवस्था के दिए निर्देश

छठ को लेकर सरकार की तैयारियां शुरू रेखा गुप्ता ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आस्था के महापर्व छठ पूजा के लिए दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारियां अभी से ही शुरू कर दी हैं। इसी के तहत शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज यमुना तट पर बने घाटों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने नौका द्वारा यमुना के प्रवेश द्वार पल्ला से लेकर आईटीओ तक छठ पूजा की व्यवस्था से जुड़े घाटों की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, कपिल मिश्रा, विधायक अभय वर्मा सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से इस बार छठ पर्व पहले से अधिक भव्य और सुविधाजनक तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शहर के भीतर भी बनने वाले सैकड़ों छठ घाटों पर सभी तरह की तैयारी सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने पल्ला के पास बने घाट से निरीक्षण की शुरुआत की और श्याम घाट, गीता कॉलोनी, सोनिया विहार, बोट क्लब, हाथी घाट पर छठ पूजा की तैयारियों की समीक्षा की। आईटीओ के पास हाथी घाट पर मुख्यमंत्री के आगमन पर यमुना घाट पर मौजूद महिलाओं ने पारंपरिक छठ पूजा के गीतों और पूजा की विधियों के साथ उनका स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य इस वर्ष राजधानीवासियों को एक भव्य, स्वच्छ और ऐतिहासिक छठ पर्व मनाने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि पल्ला से लेकर ओखला तक यमुना के किनारे जहां-जहां आबादी है, वहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छठ घाटों का निर्माण करेंगे, ताकि लोग अपने नजदीकी स्थान पर ही पूजा-अर्चना कर सकें। इसके अतिरिक्त, दिल्ली सरकार शहर के भीतर सैकड़ों छठ घाटों पर सभी तरह की तैयारी सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने छठ पर्व को प्रकृति, पवित्रता और स्वच्छता से जुड़ा एक विशिष्ट पर्व बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का उत्सव है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह जल स्रोतों को स्वच्छ और जीवंत बनाए रखने का भी संदेश देता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि छठ के आयोजन से जुड़ी हर व्यवस्था चाहे वह सुरक्षा हो, स्वच्छता, लाइट व्यवस्था या यातायात प्रबंधन, सभी दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी है और उसे बेहतर तरीके से पूरा किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार केवल घाट निर्माण तक ही सीमित न रहकर, सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी इस आयोजन का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे यह पर्व श्रद्धा, संस्कृति और सामूहिक उत्साह के साथ मनाया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को अपने नजदीकी घाट पर सुरक्षित, स्वच्छ और भक्तिमय वातावरण में छठ पूजा करने की सुविधा प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से दिल्ली के पूर्वांचलवासी छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्व के लिए यमुना किनारे उचित व्यवस्था की प्रतीक्षा कर रहे थे। न तो पिछली सरकारों ने इस ओर ध्यान दिया और न ही प्रशासन ने कभी कोई ठोस प्रयास किया। इस बार दिल्ली सरकार ने पूर्वांचल के भाई-बहनों को यह विश्वास दिलाया है कि उन्हें छठ पर्व मनाने के लिए भव्य और सुसज्जित घाटों की सौगात दी जाएगी।

इस बार दिल्ली में एक यादगार छठ पूजा का होगा आयोजन : प्रवेश

इस अवसर पर दिल्ली सरकार के जल तथा सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस बार दिल्ली में एक यादगार और सुव्यवस्थित छठ पूजा का आयोजन होगा। यमुना नदी के किनारों को अत्यंत सावधानी से विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित घाट उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि छठ पूजा सूर्य देव को समर्पित त्योहार है, जिसका मूल तत्व शारीरिक और पर्यावरणीय शुद्धता है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक भक्त पूरी श्रद्धा और गरिमा के साथ इस महापर्व में सम्मिलित हो सके, साथ ही यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त रखा जाए।

हमारा उद्देश्य, श्रद्धा और स्वच्छता दोनों का संगम छठ पर्व में दिखे : कपिल

कला व संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार इस बार छठ पर्व को श्रद्धा और भव्य व्यवस्था के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यमुना तटों पर बिजली, लाइट, जल एवं स्वच्छता की व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है ताकि श्रद्धालु निर्बाध रूप से पूजा कर सकें। उन्होंने कहा कि छठ पर्व दिल्ली की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि श्रद्धा और स्वच्छता दोनों का संगम इस पर्व में दिखे और दिल्लीवासियों को ऐसा अनुभव मिले जो आने वाले वर्षों के लिए मिसाल बने।

हरिश्चंद्र अस्पताल में रेबीज टीका उपलब्ध न होने से मरीज परेशान

दया राम ⏭ नई दिल्ली

■ बाहर से महंगी दवा खरीदने को मजबूर हैं मरीज

राजधानी दिल्ली में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि सड़क पर चलते आम लोगों को कुत्ते काट रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में रेबीज का टीका (वैक्सीन) तक उपलब्ध नहीं है। शनिवार को नरेला क्षेत्र स्थित कुत्ता काटने के उपचार के लिए मरीज हरिश्चंद्र अस्पताल पहुंचे तो वहां रेबीज का टीका ही उपलब्ध नहीं मिला। परिजनों का कहना है कि सुई कक्ष में मरीज के लिए बाहर से टीका खरीदकर लाने की सलाह दी गई।

बताया गया कि करीब दो सप्ताह से अस्पताल में रेबिज का टीका ही उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और बजट पूरा होने का दावा करती हैं, तो फिर आम जनता को इस तरह की परेशानियों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। अस्पताल आने वाले मरीजों का कहना है कि कुत्ता काटने जैसी आपात स्थिति में इलाज की तत्काल व्यवस्था न होना, सीधे-सीधे जनता के जीवन से खिलवाड़ है।

जब चार मरीज हो इकट्ठा तभी लगता है टीका

यहां आए मरीज और उनके परिजनों ने बताया कि रेबीज के टीके की कीमत 300 रुपए से अधिक हैं और एक टीके में दवा की मात्रा चार मरीजों के लिए होती है। यहां आए परिजनों ने बताया कि जब चार मरीज इकट्ठा होते हैं और आपसी सलाह से दवा खरीदकर लाते हैं और फिर यह टीका लगाया जाता है, क्योंकि टीका खुलने के बाद खराब हो जाता है।

यहां अस्पताल में हर दिन आते हैं करीब 200 मरीज

स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां दिल्ली सरकार का हरिश्चंद्र अस्पताल ही सबसे बड़ा अस्पताल है और नरेला और आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर दिन करीब 200 मरीज कुत्ता, बिल्ली आदि के काटने, हमले का शिकार होकर यहां अस्पताल में आ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि सरकार तुरंत कदम उठाकर हरिश्चंद्र अस्पताल में रेबीज के टीके की उपलब्धता सुनिश्चित करे और आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए ठोस योजना लागू करे।

मंडावली की मुख्य सड़क पर हुए बड़े-बड़े गड्ढे, सीवर जाम से भरा रहता है पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लक्ष्मी नगर विधानसभा के मंडावली क्षेत्र की गलियों और सड़कों की बहुत खराब हालत है। यहां की मुख्य सड़क रेलवे फाटक से नालंदा चौक को जाने वाली सड़क पर बड़े- बड़े गड्ढे हो गए है और इन गड्ढों में सीवर का पानी हमेशा भरा रहता है। इस सड़क पर दोनों ओर दुकानें हैं।

जिनमें सबसे अधिक कपड़ों की दुकानें हैं। इन दुकानों के आगे पानी भरा रहता है। हालत यह है कि यहां दुकानदार सुबह अपनी दुकान खोलने से पहले अपनी दुकान के आगे नाली और सीवर के पानी को वाइपर से पहले साफ करते हैं फिर दुकान खोलते हैं। वहीं इस सड़क पर राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां से निकलने वाले वाहनों से उनके कपड़े खराब हो जाते हैं। दरअसल इस सड़क पर कई स्कूल स्थित हैं। जिनमें छोटे छोटे बच्चे भी पढ़ते हैं। उन्हें निकलने के पर बहुत परेशानी होती है। इस सड़क का 500 मीटर का एरिया पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। इस क्षेत्र में पूरी सीवर लाइन ध्वस्त है। लोगों का कहना है कि यहां सीवर और पानी की लाइन काफी पुरानी है। जिससे आए दिन सीवर जाम की समस्या रहती है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने से लगातार सड़क पर सीवर जाम होने के कारण सड़क पर गंदा पानी भरा रहता है। उन्होंने मांग की है कि इस समस्या का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाना चाहिए। उधर मंडावली की गलियों की बात करें तो यहां की कई गलियों में सड़कें जर्जर हो गई हैं। नालियां जाम है जिससे नालियों का पानी सड़क पर आ जाता है। शिव मंदिर रोड पर नालियां जाम होने से गंदा पानी सड़क पर आ जाता है। जिससे लोगों को निकलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जापानी मंत्री ने किया दिल्ली मेट्रो रेल का दौरा

नई दिल्ली। जापान सरकार के भूमि, अवसंरचना, परिवहन एवं पर्यटन मंत्री नाकानो हिरोमासा ने शनिवार

को दिल्ली मेट्रो रेल में यात्रा की और कई जगहों का दौरा किया। इस अवसर पर जापानी मंत्री हिरोमासा के साथ डीएमआरसी के निदेशक संचालन एंव सेवाएं डॉ. अमित कुमार जैन सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद थे। जानकारी अनुसार जापानी मंत्री हिरोमासा ने दिल्ली मेट्रो की यात्रा केंद्रीय सचिवालय से चावड़ी बाजार तक की। इसके बाद उन्होंने पटेल चौक मेट्रो स्टेशन स्थित दिल्ली के मेट्रो संग्रहालय का अवलोकन किया। इस मौके पर डीएमआरसी के डॉ. अमित कुमार जैन जापानी मंत्री को दिल्ली मेट्रो रेल के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मेट्रो परिचालन की शुरुआत से लेकर वर्तमान तक कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। इनमें तकनीकी व विधियों के बारे में बताया, टोकन से लेकर कैश लैस व ड्राइवर लैस परिचालन यात्रा के बारे में भी जानकारी दी।

ब्रिटिश लाइब्रेरी में 1911 का दिल्ली दरबार गवर्नमेंट हाउस की दुर्लभ तस्वीरें मौजूद: गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लंदन की ब्रिटिश लाइब्रेरी के फोटोग्राफ संग्रह में 1911 का दिल्ली दरबार शामिल है, जिसमें किंग जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी का आगमन, राजसी जुलूस और कलर्स की प्रस्तुति दिखाई गई है। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने दी है। बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता इन दिनों लंदन दौरे पर है। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को लंदन में ब्रिटिश लाइब्रेरी का दौरा किया, जहां उन्होंने विशेष रूप से तैयार किए गए संग्रह में अभिलेख, दुर्लभ फ़ोटोग्राफ़्स और लिखित अभिलेख का अध्ययन किया, जो इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल और सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली से लेकर वर्तमान दिल्ली विधानसभा तक के इतिहास को दर्शाती हैं। यहां के फोटो संग्रह में नई दिल्ली और गवर्नमेंट हाउस के प्रारंभिक दृश्य, जिसमें सचिवालय भवन, दरबार हॉल और औपचारिक उद्यान शामिल हैं। वहीं सर ह्यू ट्रोब्रिज कीलिंग कलेक्शन में शहर के प्रारंभिक निर्माण, गवर्नमेंट हाउस की नींव, वाइसरॉय कोर्ट और सहायक अवसंरचना के दुर्लभ दृश्य भी शामिल है। ये फोटोग्राफ़्स दिल्ली के विकास और भारत की विधायी एवं लोकतांत्रिक परंपराओं की जड़ों का अद्वितीय दृश्य रिकॉर्ड प्रस्तुत करते हैं। यह दौरा ब्रिटिश हाई कमीशन द्वारा दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के लिए आयोजित किया गया था। इस अवसर पर गुप्ता ने 'Modi@20' पुस्तक ब्रिटिश लाइब्रेरी की इंटरनेशनल ऑफिस मैनेजर सेसिल कम्यूनल, को भेंट की और लाइब्रेरी द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। लाइब्रेरी अधिकारियों ने दिल्ली विधानसभा के साथ निरंतर सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित सरकारी बंगले को राजकीय अतिथि गृह में बदला जायेगा

नई दिल्ली। सिविल लाइंस में फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित बंगला नंबर छह जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहते थे इस बंगले को दिल्ली सरकार कैंटीन युक्त राज्य अतिथिगृह के रूप में बदलने की योजना बना रही है। इस बात की जानकारी शनिवार को अधिकारियों ने दी है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा आम लोगों के लिए खुली रहेगी।एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार प्रस्ताव में इस बंगला परिसर में एक पार्किंग स्थल, प्रतीक्षागृह और अन्य सुविधाएं तैयार किया जाना शामिल है। अधिकारी ने बताया कि सरकार इस बंगला नंबर छह में एक राजकीय अतिथि गृह बनाने के काम को अंतिम रूप देने के करीब है, जो पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के रूप में खाली पड़ा है। इसमें एक भोजनालय, पार्किंग और अन्य सुविधाएं होंगी। अधिकारी ने कहा कि जिस तरह अन्य राजकीय अतिथिगृहों में बैठकों और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के लिए अधिकारी एवं मंत्री पहुंचते हैं और ठहरते हैं तथा कमरों का किराया देते हैं, उसी तरह यहां भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है।

एनडीएमसी ने किया सुविधा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए जयसिंह मार्ग स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 78 शिकायतें प्राप्त की। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित रहीं। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया।

विदेश में भी बदनामी का कारण बन रहे हैं आवारा कुत्ते : गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आवारा कुत्तों से एक तरफ देश वैसे ही परेशान है, वहीं अब भारत के लिए ये कुत्ते विदेश में भी बदनामी का कारण बन रहे हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने दिल्ली में आवारा कुत्तों द्वारा विदेशी कोचों पर हमले की हालिया घटना पर शनिवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान आवारा कुत्तों ने दो विदेशी कोचों को काट लिया। एक घटना जापान से संबंधित थी और दूसरी केन्या से। गोयल ने कहा कि इन घटनाओं से भारत की साख को गहरा आघात पहुंचा है। गोयल ने कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि दिल्ली सहित पूरे देश में आवारा कुत्तों की समस्या अब गंभीर और भयावह रूप ले चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि वे बीते कई वर्षों से इस मुद्दे के खिलाफ आंदोलनरत हैं और इसे नागरिक सुरक्षा का अहम विषय मानते हैं। गोयल ने कहा कि अधिकांश विकसित देशों में आवारा कुत्तों को लेकर 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई जाती है, लेकिन भारत के कुत्ता-प्रेमी आवारा कुत्तों की समस्या से निपटारे में लगातार अड़ंगा लगा रहे हैं।

'कहां गए अब कुत्ता प्रेमी'

गोयल ने सवाल उठाया, अब वे कुत्ता प्रेमी कहां हैं जो पशु प्रेम के नाम पर शहरों को असुरक्षित बना रहे हैं? क्या वे भारत की इस अंतरराष्ट्रीय बदनामी की जम्मेदारी लेंगे? गोयल ने यह भी याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को आदेश दिया था कि दिल्ली नगर निगम और अन्य अधिकारी 8 हफ्तों के अंदर सभी आवारा कुत्तों को इकट्ठा करें और उन्हें आश्रय स्थलों में रखा जाए। परन्तु कुत्ता-प्रेमियों के दबाव में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश संशोधित करते हुए 22 अगस्त को फैसला में बदलाव कर दिया।

दिल्ली सरकार के आबकारी राजस्व में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में आबकारी राजस्व संग्रह में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान मूल्य वर्धित कर (वैट) सहित आबकारी राजस्व 3 हजार 731 करोड़ 79 लाख रुपये था, जो चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बढ़कर 4 हजार 192 करोड़ 86 लाख रुपये हो गया। आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के आबकारी राजस्व में और वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि वैट के आंकड़े केवल 16 सितंबर तक के ही उपलब्ध हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि बिक्री में बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2025-26 में 6 हजार करोड़ रुपये के आबकारी राजस्व लक्ष्य का आधा आंकड़ा पार हो गया है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है और दिवाली तथा नए साल के आसपास बिक्री में बढ़ोतरी से वार्षिक लक्ष्य को पार करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली सरकार ने आर्थिक सहायता लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन को दी मंजूरी

पारदर्शिता से ही असली लाभार्थियों को मिलेगा उनका हक : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अब वास्तविक जरूरतमंदों को ही आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके लिए दिल्ली सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता पाने वाले लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन को मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग छह लाख लाभार्थियों को दी जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं की आर्थिक सहायता में पारदर्शिता और दक्षता को और मजबूत करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी सहायता वास्तविक और पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि समाज कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। सरकार इन योजनाओं में प्रभावी पारदर्शिता चाहती है, इसके लिए लाभार्थियों का वार्षिक सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है। इस प्रक्रिया को संचालित करने के लिए विभाग ने सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। यह संस्था भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रोत्साहित एक विशेष प्रयोजन वाहन है।

लाभार्थी का किया जाएगा बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस सत्यापन अभियान के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया जाएगा तथा उनका जीवन प्रमाणपत्र तैयार किया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों के जीवंत फोटोग्राफ, आधार विवरण, मोबाइल नंबर और पता भी इकट्ठा किया जाएगा। इन सभी दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा और विभाग के डेटाबेस को नवीनतम जानकारी के साथ अपडेट किया जाएगा। जिन लाभार्थियों के लिए सीएससी केंद्रों तक पहुंचना संभव नहीं होगा, उनके लिए घर-घर सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, लाभार्थियों की शिकायतों के जल्द निवारण के लिए एक कॉल सेंटर और हेल्पलाइन स्थापित की जाएगी। सत्यापन पूरा होने के बाद प्रत्येक लाभार्थी को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान पत्र (सॉफ्ट कॉपी) जारी किया जाएगा।

सत्यापन का सारा खर्च सरकार करेगी वहन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत वित्तीय प्रावधान भी सुनिश्चित किए गए हैं। सीएससी केंद्रों पर सत्यापन का शुल्क 70 रुपये प्रति लाभार्थी निर्धारित किया गया है, जबकि घर-घर सत्यापन के लिए 100 रुपये प्रति लाभार्थी खर्च किया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रति वर्ष लगभग 6 लाख लाभार्थियों का सत्यापन किया जाएगा, जिसके लिए करीब 5.57 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय प्रस्तावित है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट आवंटन से वहन की जाएगी। यानी सारा खर्च सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक और पात्र लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो तथा वे व्यक्ति जो अब इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं हैं या जिनका निधन हो चुका है, उन्हें स्वचालित रूप से इस सूची से बाहर कर दिया जाए। इस प्रक्रिया से फर्जी दावों, अयोग्य लाभार्थियों और मृत व्यक्तियों के नाम पर जारी भुगतानों को समाप्त करने में मदद मिलेगी। इससे न केवल सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक न्याय और पारदर्शिता की दिशा में भी एक सशक्त कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन अभियान शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

प्रदेश भाजपा ने श्रमिकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय भवन के निर्माण में अपनी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण से योगदान देने वाले सभी श्रमिकों के सम्मान में प्रदेश कार्यालय ने 'श्रमिक सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया।

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा अध्यक्षता में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष ने सभी श्रमिक साथियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका अभिवादन किया। यहां बी.एल. संतोष एवं वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा परिवार के इस नए भवन में हमारे श्रमिक साथियों का श्रम ही वास्तविक आधारशिला है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भी समयबद्ध, मजबूत एवं सुन्दर निर्माण के लिए श्रमिकों का अभिनंदन किया। दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा, सांसद कमलजीत सहरावत, भवन निर्माण समिति के सदस्य योगेंद्र चांदोलिया, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग एवं सुमन कुमार गुप्ता के साथ कार्यालय मंत्री ब्रजेश राय एवं अमित गुप्ता भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पॉलिसी करने के नाम पर 4 लाख रुपए की ठगी

फरीदाबाद। लाईफ इंश्योरेंस पॉलिसी करने के नाम पर 4 लाख रुपये की ठगी के मामले में साईबर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि राम फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसने एक्सा लाईफ इन्सोरेन्स से एक पॉलिसी ली थी। 2 साल तक किस्त जमा करने के बाद वह किस्त जमा करने में असमर्थ था।

चोरी के मामले में तीन वाहन चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा एवीटीएस सिकरोना, अपराध शाखा डीएलएफ व ऊंचा गांव की टीम ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की 2 मोटरसाईकिल व एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि एवीटीएस सिकरोना की टीम ने रोहन विश्वास फरीदाबाद को चोरी की मोटरसाईकिल सहित सिकरोना नाका, टीम ने जतिन निवासी गांव जलालपुर गिरफ्तार कर जेल भेजा।

टीचर से गैंगरेप करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम के एक नामी स्कूल की टीचर से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर चार जिम ट्रेनर्स को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता टीचर इस स्कूल में विदेशी भाषा पढ़ाती है और सभी आरोपी जिम में बतौर ट्रेनर और जूंबा डांस की कोचिंग देते हैं। गुरुग्राम पुलिस के ईस्ट महिला थाना में दी शिकायत में महिला टीचर ने बताया कि सितंबर में एक पार्टी में उसकी जिम ट्रेनर गौरव से दोस्ती हुई । दोनों ने एक-दूसरे की फोन पर बातचीत होने लगी। एक की रात को करीब 1 बजे गौरव ने महिला टीचर को फोन किया।

दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन के पहले दिन लगभग 35 जोड़ों ने विवाह के लिए जताई सहमति

- 25वां दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन में एनसीआर से लगभग 1500 युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

महाराजा अग्रसेन विवाह समिति फरीदाबाद का 25वां दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन का पहले दिन बड़ी धूमधाम मनाया गया। प्रधान ब्रह्म प्रकाश गोयल ने बताया कि एनसीआर से लगभग 1500 युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर, व्यापारी व नौकरी करने वाले युवक-युवतियों का परिचय कराया गया। परिचय सम्मेलन के पहले दिन लगभग 35 जोड़ों ने आपस में विवाह करने की सहमति जताई। वहीं सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर, अन्य कई प्रकार की प्रोफेशनल डिग्री वाले युवक एवं युवतियां, टीचर, व्यापारी, अपाहिज, विधवा, तलाकशुदा, पढ़ेलिखे, विकलांग व अनपढ़, नौकरी करने वाले युवक-युवतियों ने अपना परिचय देकर अपने जीवनसाथी को चुनने की गुजारिश की। प्रधान ब्रह्मप्रकाश गोयल ने आए हुए सभी अतिथियों परम सानिध्य डॉ. कौशल बाटला (राजनैतिक सचिव केन्द्रीय राज्यमंत्री), वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति राजीव गोयल, मुख्य अतिथि विकास बंसल, समारोह अध्यक्ष अनिल गुप्ता, स्वागत अध्यक्ष युगल मित्तल, अशोक शर्मा, विशिष्ठ अतिथि मुकेश गर्ग, महेश चन्द मित्तल, वेद प्रकाश बंसल, जेपी अग्रवाल, आर के गोयल, बिट्टू कंसल, अनिल सिंघल, महेश चन्द मित्तल, राजपाल गर्ग, पंकज सिंगला, विष्णु गोयल, डीके बंसल, मनोज अग्रवाल, सतीश गर्ग, सतबीर डागर, सुरेन्द्र चन्द गुप्ता, मनोज अग्रवाल, बिट्टू मंगला, दीपक शर्मा, राकेश गर्ग, डॉ. अजय तिवारी, गिर्राज गोयल, योगेन्द्र गर्ग, योगेश मित्तल, राकेश सिंगला, अतुल गोयल, पल्लव सिंगला, अमित अग्रवाल, अर्जुन अग्रवाल, हरीश गुप्ता, सचिन बंसल, मनोज सिंगला, लाखन सिंह लोधी आदि का फूल-मालाओं व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए एक सराहनीय कदम

अन्य राज्यों से आए हुए युवक-युवती व उनके परिवार वालों को धर्मशाला में रुकने व उनके भोजन की संपूर्ण व्यवस्था समिति द्वारा करवाई गई। ये सर्वजातीय परिचय सम्मेलन दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए एक सराहनीय कदम है।

टैंक से लेकर तोप भारत में ही तैयार हो रहे हैं, यह है आत्मनिर्भर भारत का सच्चा स्वरूप

मोदी जी ने वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान से स्वदेशी का नारा किया बुलंदः मंत्री गुर्जर

- हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी हमारा मंत्र है
- देश में स्वदेशी, स्वभाषा और स्वभूषा यह तीनों स्तंभ मिलकर विकसित होगा
- पीएम मोदी का आव्हान देशवासी जो भी खरीदें वो देश में ही बना होना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि स्वदेशी संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है। यह एक आह्वान है कि हम अपने देश में बने उत्पादों को अपनाए, अपनी संस्कृति को गले लगाएं और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी हमारा मंत्र है, हमारा लक्ष्य है और हमारी शक्ति है। स्वदेशी केवल आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं है, यह हमारी संस्कृति और आत्मा का हिस्सा है।

दुनिया में भारत का योग, आयुर्वेद, हस्तशिल्प, परंपरागत उद्योग, यह सब वैश्विक पहचान बना चुके हैं। स्वदेशी हमारे देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यापारियों और हमारे उद्यमियों के प्रति एक सम्मान है। जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तो हम अपने देश की मिट्टी से जुड़ते हैं, अपने लोगों की मेहनत को सम्मान देते हैं और अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हैं। देश की सभी समस्याओं की एक ही दवा है स्वदेशी का प्रयोग और आत्मनिर्भर भारत।यह कथन केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर द्वारा भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल में आयोजित प्रैस वार्ता में कहे। इस प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा, जिला मिडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, आत्मनिर्भर भारत जिला संयोजक सीमा भारद्वाज, जिला सह संयोजक नीरज मित्तल, गिर्राज त्यागी, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, जिला कार्यालय सचिव राज मदान, जिला सचिव भाजपा मनीष छोंकर व अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे। गुर्जर ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने हमें सिखाया आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सुरक्षा है, भारतीय उद्योग और श्रमिक हमारी ताकत हैं। उन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी कृषि और लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर यह दिखाया कि हमारा विकास हमारे हाथ में है।

यही प्रेरणा आगे चलकर वर्ष 1991 में आत्मनिर्भर भारत के आंदोलन का आधार बनी जिसे आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया था। आज मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल अवसंरचना और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियान इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी शक्ति, हमारी संस्कृति और हमारी उद्योग-कुशलता ही हमें आत्मनिर्भर भारत की ऊंचाइयों तक ले जाएगी। देश में स्वदेशी, स्वभाषा और स्वभूषा यह तीनों स्तंभ मिलकर विकसित भारत की ओर ले जाते हुए आत्मनिर्भर भारत की नींव तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था स्वदेशी पर आधारित होनी चाहिए। आज मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केन्द्र सरकार इसी मंत्र पर चलते हुए स्वदेशी को बढ़ावा दे रही है। मेक इन इंडिया से लेकर स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल से लेकर आत्मनिर्भर भारत तक हर पहल का लक्ष्य यही है कि हम विदेशी निर्भरता कम करें और स्वदेशी उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा स्वदेशीकरण, ओडीओपी, जीईएम, ओएनडीसी, भाषा प्रौद्योगिकियों और भारतीय विरासत पर गर्व के माध्यम से आत्मनिर्भरता के विचार को आगे बढ़ाया है। आज यह ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर सेमीकंडक्टर तक, चिप से लेकर शिप तक और विश्व स्तरीय वस्तु और शिल्प तक फैल चुका है। स्वदेशी हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाने का मंत्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई बार देश से आह्वान किया है कि देशवासी जो भी खरीदें वो देश में ही बना होना चाहिए। चाहे दीपावली की मूर्तियां हों या मोबाइल,टीवी, फ्रिज हो। उसमें हिंदुस्तान की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए। सभी व्यापारी भाई-बहन जो भी बेचें वो देश में ही बना होना चाहिए। अब हमें स्वदेशी को विकसित भारत की नींव बनाना है। गुर्जर ने कहा कि जब से मोदी ने देश की कमान संभाली है देश ने आर्थिक तरक्की की है, भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना है।

हमारी स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे

गुर्जर ने कहा कि जब हम अपने उद्योगों को मजबूत करते हैं, कौशल और तकनीक को बढ़ावा देते हैं, तो हम न सिर्फ आत्मनिर्भर बनते हैं बल्कि दुनिया को भी अपनी शक्ति का परिचय देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी मानना है कि स्वदेशी उत्पादों का मतलब कम कीमत, अधिक शक्ति है। आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्वदेशी के प्रयोग और निर्माण से होकर जाता है। स्वदेशी संकल्प से आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी होगी। हमारी स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। गुर्जर ने कहा कि आज भारत न सिर्फ अपनी सेना के लिए आधुनिक हथियार बना रहा है बल्कि कई देशों को रक्षा उपकरण निर्यात भी कर रहा है। मेक इन इंडिया और डिफेंस इंडिजिनाइजेशन के कारण आज टैंक से लेकर तोप और ड्रोन तक भारत में ही तैयार हो रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत का सच्चा स्वरूप है। आज गांव-गांव तक डिजिटल क्रांति पहुंची है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। आज पूरी दुनिया में भारत का गर्व बढ़ा रहा है। पहले हम तकनीक आयात करते थे, आज दुनिया भारत से सीख रही है, यह आत्मनिर्भर भारत का नया चेहरा है।

आत्मनिर्भर भारत को लेकर पत्रकारों से रुबरू हुई पूर्व सांसद

विश्व मंच पर नई आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा भारतः दुग्गल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेत्री श्रीमती सुनीता दुग्गल ने कहा है कि भारत आज एक नई आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व मंच पर उभर रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि देश का हर नागरिक स्वावलंबी बने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। पूर्व सांसद श्रीमती दुग्गल शनिवार को भाजपा फरीदाबाद महानगर कार्यालय सेक्टर-2 पर आत्मनिर्भर भारत विषय को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थी। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि, उद्योग, स्वरोजगार एवं स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में अनेक नीतियां लागू की हैं, जिनसे ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देकर भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी एक मजबूत पहचान स्थापित कर रहा है।

पूर्व सांसद दुग्गल ने कहा कि मोदी सरकार ने दीवाली से पहले जीएसटी रिफार्म्स कर देशवासियों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से मोदी सरकार ने कांग्रेस के शोषण स्ट्रक्चर को समाप्त किया है। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया की इकोनोमी का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के जीवन का एक-एक पल जनता के कल्याण को समर्पित है। जीएसटी ने लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। अब नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म से व्यापारी, उद्योगपति और आम आदमी आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत होगा। यह मोदी सरकार का देश के लोगों को दीवाली का बड़ा तोहफा है। सुनीता दुग्गल ने कहा कि जीएसटी रिफार्म से भारत की अर्थ व्यवस्था विश्व में तेजी से आगे बढ़ेगी। सामान्यजनों की खरीद पॉवर बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का जीएसटी का सरलीकरण करना क्रांतिकारी निर्णय है जो देश की आम जनता को बड़ी राहत प्रदान करेगा। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि वह स्वेदशी वस्तुओं को ज्यादा से ज्यादा अपनाएं ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लिया है, उसे सही मायनों में साकार किया जा सके और यह तभी संभव होगा, जब भारत के सभी लोग इसमें बढ़-चढक़र अपनी भागेदारी निभाएंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह, जिला प्रभारी कमल यादव, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कविन्द्र फागना, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती वैशाली तोमर, मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक सहित अनेकों भाजपा वक्तागण मौजूद थे।

धारा 144 लगी थी, पुलिस से हुई जमकर बहस

बरेली जा रहे सपा सांसदों को गाजियाबाद पुलिस ने रोका, वापस लौटना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

बरेली में हुए बवाल के बाद वहां का जायजा लेने जा रहे समाजवादी पार्टी के सांसदों को पुलिस ने गाजियाबाद की सीमा पर ही रोक लिया। इस दौरान सपा सांसदों व पुलिस के बीच बहस भी हुई, लेकिन पुलिस ने उन्हें बरेली में धारा 144 का हवाला देते हुए आगे नहीं जाने दिया। जिसके बाद सभी सांसद वापस लौट गए।

शनिवार सुबह समाजवादी पार्टी की कैराना सांसद इकरा हसन, मुजफ्फरनगर से सांसद हरेंद्र सिंह मलिक और रामपुर से सांसद मोहिबुल्लाह नदवी दिल्ली से बरेली जा रहे थे।

गाजियाबाद पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नौ पर ही रोक लिया। आज सुबह करीब 10:15 बजे का है। जब सांसदों का काफिला दिल्ली से बरेली की तरफ बढ़ रहा था। सूचना मिलते ही एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव कौशांबी, खोड़ा और इंदिरापुरम थाने की फोर्स के साथ एनएच नौ पर पहुंचे। बेरिकेडिंग कर रास्ता बंद किया और सांसदों के काफिले को रोक लिया। करीब एक घंटे तक तीनों सांसद बरेली जाने की जिद पर अड़े रहे। वहीं पुलिस ने बरेली में लागू धारा 144 का हवाला देते हुए जाने से रोक दिया। एक घंटे की बातचीत के बाद तीनों सांसदों को यूपी पुलिस ने दिल्ली बॉर्डर तक छोड़कर वापस भेजा। हालांकि इस दौरान एनएच नौ पर काफी देर तक ट्रैफिक बाधित रहा।

गोली मारकर हत्या करने के मामले में पूर्व पार्षद समेत दो दोषी

गाजियाबाद। थाना सिहानी गेट क्षेत्र में 21 साल पहले बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव के भाई की गोली मारकर हत्या के मामले में अदालत ने पूर्व पार्षद समेत दो आरोपियों को दोषी करार करार दिया है। अदालत ने सजा पर बहस के लिए छह अक्टूबर की तारीख निश्चित की है।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता नवीन त्यागी के मुताबिक अशोक नगर निवासी नरेश यादव और उनका भतीजा जितेंद्र यादव 14 नवंबर 2004 को रामनगर स्थित अपने ऑफिस पर बैठे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से घायल हुए नरेश यादव और जितेंद्र यादव को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने नरेश यादव को मृत घोषित कर दिया।

बेलगाम कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकली 3 महिलाओं को कुचला, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

यहां कोतवाली थाना क्षेत्र के राकेश मार्ग पर मॉर्निंग वॉक पर निकली तीन महिलाओं को तेज रफ्तार कर ने कुचल दिया। जिससे तीनों महिलाओं की मौत हो गई,जबकि एक युवक घायल हो गया।

तीनों महिलाएं न्यू कोट गांव की रहने वाली थी। शहर कोतवाल सचिन कुमार ने बताया कि

न्यू कोड गांव निवासी 55 वर्षीय कमलेश पत्नी दयानंद, 56 वर्षीय मीनू प्रजापति पत्नी भक्त सिंह तथा 60 वर्षीय सावित्री पति दरिया मॉर्निंग वॉक पर जा रही थी । जैसे ही यह महिलाएं राकेश कुमार के तट पर पहुंची तभी एक तेज रफ्तार कर में इनको टक्कर मार दी जिससे दो महिलाओं के मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरी की अस्पताल में जाने के बाद मौत हुई इस घटना में श्याम विहार निवासी विपिन शर्मा घायल हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की पुलिस ने बताया कि आरोपी कर चालक फरार हो गया है और कर को कब्जे में ले लिया गया है प्रत्येक देश के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्ती की कर के ही पर कच्चे उड़ गए और मौके पर हाहाकार मच गया ।

अमृता के शोधकर्ताओं को यह विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ

वैश्विक रैंकिंग में अमृता विश्वविद्यालय के 37 शोधकर्ताओं को शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी 2025 की सूची में अमृता विश्वविद्यालय के 37 संकाय सदस्यों को विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है। यह लगातार छठा वर्ष है जब अमृता के शोधकर्ताओं को यह विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ है। अमृता विश्व विद्यापीठम के कुलपति डॉ. पी. वेंकट रंगन ने कहा कि हर संख्या के पीछे वर्षों की मेहनत, खोज और समर्पण की कहानी है। हमारे 36 संकायों को स्टैनफोर्ड की इस वैश्विक सूची में स्थान मिलना न सिर्फ उनके व्यक्तिगत उत्कृष्टता का परिचायक है, बल्कि अमृता की उस शोध परंपरा का भी प्रतिबिंब है, जो करुणा और समाज की ज्वलंत चुनौतियों के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध है। अमृता विश्व विद्यापीठम ने एक बार फिर विज्ञान और नवाचार के वैश्विक मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि स्टैनफोर्ड–एल्सेवियर ग्लोबल डेटाबेस को वैज्ञानिक उपलब्धियों के सबसे प्रतिष्ठित मानकों में गिना जाता है। यह सूची इंडेक्स, उद्धरणों और प्रभाव के समग्र संकेतकों जैसी कठोर कसौटियों पर आधारित होती है। उन्होंने बताया कि करियर-लॉन्ग इम्पैक्ट जीवन भर के योगदान के लिए 13 संकाय सदस्य चुने गए। सिंगल-ईयर इम्पैक्ट (2024–25) हाल के शोध कार्यों के लिए 36 संकाय शामिल हुए। ड्यूल रिकग्निशन 12 संकाय को दोनों श्रेणियों में स्थान मिला, जो उनके सतत योगदान को दर्शाता है। इस सूची में चार विशिष्ट अमृता पूर्व छात्र डॉ. मनीषा विनोदिनी रमेश, डॉ. रघु रामन आदि।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व. मण्डल बिजली इंजीनियर / टी. आर.एस, इलेक्ट्रिक लोको शेड, खानआलमपुरा यार्ड, सहारनपुर निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर रजिस्टर्ड / पंजीकृत निविदाकर्ताओं से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

खुली निविदा संख्या	ई.एल.एस.–एस.आर.ई.–25–26–टी–09
कार्य का विवरण	इलेक्ट्रिक लोको शेड सहारनपुर में 03 वर्षों के लिए WAG-9 इंजनों की 550 सीटों की मरम्मत / पुनर्वास कार्य।
समापन / खोलने की तिथि	31.10.2025
लगभग लागत	रु. 18,08,950 / –
अर्नेस्ट मनी	रु. 36,200 / –
समापन अवधि	36 महीने
वैधता अवधि	60 दिन
निविदा फॉर्म की लागत	आई.आर.ई.पी.एस. से डाउनलोड हेतु निःशुल्क तथा रूपये 2000 / – Sr. DEE/TRS/SRE ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए।

1. वर्क्स निविदाएं की ई–टेंडरिंग में भाग लेने के निविदाकारों के पास क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना चाहिए। 2. निविदाकर्ता को सभी पात्रता संबंधित दस्तावेजों की स्कैन प्रतियां को अपलोड करना आवश्यक है। 3. सभी कर वर्तमान नियम के अनुसार लागू होंगे। 4. विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें।

ई–निविदा सूचना ई.एल.एस.–एस.आर.ई.–25–26–टी–09, दिनांक: 04.10.2025

3074/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **तालिब उर्फ तगदा पुत्र मो. सलीम पताः बैगाबाण्ड, कबीर नगर, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 385 / 2019 धारा 380 / 411 भा.द.स. के तहत** थानाः ज्योति नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **तालिब उर्फ तगदा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **तालिब उर्फ तगदा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 385 / 2019 धारा 380 / 411 भा.द.स. के तहत थाना ज्योति नगर, दिल्ली के उक्त तालिब उर्फ तगदा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
राहुल सैनी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
कमरा नं.जी–06, न्यू कोर्ट बिल्डिंग,
शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13267/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 बीएनएसएस देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह पताः डी–775 बी, प्रताप विहार, पार्ट–2, किरारी, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 147 / 2016 धारा 454 / 380 भा.द.स. के तहत** थानाः अमन विहार, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 147 / 2016 धारा 454 / 380 भा.द.स. के तहत थाना अमन विहार, नई दिल्ली के उक्त रोहित सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
शगुन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
कमरा नं.109, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/13187/RD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अर्जुन, पुत्र रामा प्रसाद यादव निवासी मकान नं. ई–26, गली नं. 17, चंदर विहार, मंडावली, स्थाई पता गांव लोआलागांव, थाना–चोसा, मधेपुरा, बिहार ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 128/2015 भा.द.सं. की धारा 323/341/506/34 के तहत, थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 128/2015 भा.द.सं. की धारा 323/341/506/34 के तहत, थाना मधु विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.11.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उदभव कुमार जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा संख्या 13, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/13348/ED/2025

खबर संक्षेप

यूपी में बड़े पैमाने पर जजों का तबादला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर 130 न्यायिक अधिकारियों का तबादला किया गया है। नोएडा, गाजियाबाद, संभल, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी समेत कई जिलों में नए जिला जज बनाए गए हैं। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योराण ने अधिसूचना जारी कर दी है। यह तबादले इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली के आदेश पर हुए हैं।

17 अक्टूबर को रांची में आदिवासी हुंकार महारैली

रांची। झारखंड में कुरमी समुदाय को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर गहराता विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। इसके विरोध में राज्यभर के आदिवासी संगठनों ने 17 अक्टूबर को राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार महारैली आयोजित करने का एलान किया है। इस महारैली में लाखों की संख्या में आदिवासियों के जुटने की संभावना है।

नालंदा में दुर्गा पूजा के बाद बवाल-आगजनी

नालंदा। जिले में शनिवार को लोगों का गुस्सा सड़क पर देखा गया। दीपनगर थाना क्षेत्र के हथियाखाड़ नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबे तीन युवकों में से एक का शव नहीं मिलने से लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। गुस्साए ग्रामीणों ने बिहारशरीफ राजगीर मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर आगजनी की, जिससे कई घंटों तक यातायात पूरी तरह ठप रहा।

बिहार में जल्द व एक फेज में चुनाव करने की रखी मांग

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अमित कुमार पांडेय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, आप, बसपा, भाजपा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जैसे दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें सत्तापक्ष ने बिहार में जल्द और एक फेज में चुनाव करने की मांग रखी है। जदयू सांसद संजय कुमार झा कहते हैं, हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रखी। बिहार में एसआईआर हुआ है और बिहार देश को दिखाएगा कि एसआईआर कैसे होता है। हमने आग्रह किया है कि बिहार में एक चरण में चुनाव कराए जाएं। बिहार में कानून-व्यवस्था अच्छी स्थिति में है। अगर महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव हो सकते हैं, तो बिहार में क्यों नहीं।

मुख्य चुनाव आयुक्त की बैठक में सत्तापक्ष ने उठाई मांग

चुनाव छठ पर्व के तुरंत बाद निर्धारित किए जाएं

वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात के बाद, जेडी(यू) बिहार अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा, "हमारी पार्टी ने सुझाव दिया है कि चुनाव एक ही चरण में कराए जाने चाहिए। छठ पर्व के दौरान बाहर से आने वाले मतदाताओं को वोट डालने की सुविधा देने के लिए, चुनाव छठ पर्व के तुरंत बाद निर्धारित किए जाने चाहिए।

मतदान समाप्त होने पर पोलिंग एजेंट फॉर्म 17सी जरूर जमा कर लें

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे सुनिश्चित करें कि शाम को मतदान समाप्त होने पर उनके पोलिंग एजेंट फॉर्म 17सी जरूर जमा कर लें। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के पोलिंग एजेंट जल्दी चले जाते हैं, और फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है।. हमसे यह भी पूछा गया कि चुनाव कब कराए जाने चाहिए। हमने कहा कि 28 दिन की घोषणा की अवधि समाप्त होते ही चुनाव बिना किसी देरी के तुरंत कराए जाने चाहिए। चुनाव आयोग ने शनिवार को एक संदेश में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में, बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी, बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद गुंज्याल और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा शुरू हुई।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा-

जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाई जाए चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप निर्माण पर जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि जल संकट सामूहिक चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप को वर्षा जल रोककर भूमि में समाहित करने का कारगर तरीका बताया

- जलाशयों से गाद निकालने के दिए निर्देश
- शहरी इलाकों में पानी की समस्याओं का समाधान होगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नलकूपों से पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के साथ ही जल संरक्षण (वाटर कंजर्वेशन) की समुचित व्यवस्था की जाए। वर्षा का मौसम इसके लिए सबसे उपयुक्त होता है।

इससे भूगर्भीय जल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी और डार्क जोन वाले क्षेत्रों में सुधार होगा। राजकीय नलकूपों के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण पर शनिवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना, बाण सागर, मध्य गंगा जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा की। निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं में जो कमियां हैं उन्हें दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के सशक्त क्रियान्वयन से ग्रामीण और शहरी इलाकों में पानी की समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने तराई क्षेत्र के किसानों की समस्याओं पर कहा कि जलाशयों का गाद निकालकर उसे पुनर्जीवित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल सके। कटान रोकने के लिए सिल्ट का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नलकूपों का प्राथमिकता के आधार पर जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण किया जाए। इससे सिंचाई क्षमता बढ़ेगी और किसानों की लागत घटेगी। नलकूपों के आधुनिकीकरण व जीर्णोद्धार के कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। नलकूपों के आधुनिकीकरण और जल संरक्षण की इन पहलों से आने वाले समय में राज्य का कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिलेगी।

2 छात्रों की मौत, 8 की हालत गंभीर

फर्रुखाबाद के कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट, 1 किमी दूर तक हिले मकान

एजेंसी ▶▶ फर्रुखाबाद

यूपी के फर्रुखाबाद जिले में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर में स्थित एक कोचिंग सेंटर में अज्ञात कारणों से भीषण विस्फोट हुआ, जिससे दो छात्रों की मौके पर मौत हो गई। वहीं, छह गंभीर रूप से घायल हैं। धमाका इतना तेज था कि आसपास का इलाका दहल गया। फिलहाल पुलिस धमाके की जांच-पड़ताल में जुटी है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही डीएम और एसपी मौके पर पहुंच गए और मौके पर मौजूद पुलिस टीम से घटना की जानकारी ली। बता दें, कादरीगेट थाना क्षेत्र में सातनपुर मंडी रोड पर एक कोचिंग सेंटर है। शनिवार को शाम के समय अचानक से कोचिंग सेंटर में तेज धमाका हुआ और धुआं भर गया। वहीं धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए। आनन-फानन में लोग कोचिंग सेंटर में पहुंचे। लोगों ने देखा तो कोचिंग सेंटर में आए कुछ छात्र घायल अवस्था में पड़े थे। लोगों ने घटना की सूचना कादरीगेट थाना पुलिस को दी।

घटना के कारणों की जांच की जा रही

वहीं छात्रों की खड़ी मोटरसाइकिल, स्कूटी और साइकिल जैसे अन्य वाहन भी 50 मीटर दूर तक जा गिरे। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां, फतेहगढ़ और कादरी गेट थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने कोचिंग सेंटर में मौजूद एक शिक्षक को हिरासत में लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल भी मौके पर पहुंच गए हैं और उच्चाधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है।

सीएम योगी का निर्देश, बिना मानक वाली कॉलोनियों पर लगाएं रोक

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना मानक और नगर निकायों की अनुमति के बिना विकसित होने वाली कॉलोनियों और बस्तियों पर सख्ती करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा ऐसी कॉलोनियों पर शुरूआत पर ही रोक लगाया जाए। उन्होंने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों को रोकने को लेकर प्रभावी कदम न उठाने वाले जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने शहरी विकास की परियोजनाओं में लेटलतीफी पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अनधिकृत कॉलोनियां बढ़ने पर जताई नाराजगी

सीएम शनिवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा करते हुए अनधिकृत कॉलोनियों की संख्या बढ़ने पर कड़ी नाराजगी जताई और अफसरों को फटकार भी लगाई। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शहरों में अनियोजित विकास के बजाए सुनियोजित विकास पर फोकस करें। अन्यथा कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी विभागों को मिलकर विकास का साझा कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। ताकि परियोजनाओं को पूरा करने में देरी न हो। मलिन बस्तियों के विकास पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सड़क कनेक्टिविटी और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाए। जल निकासी व्यवस्था को और मजबूत करने को भी कहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी के सुधार और नई व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि मलिन बस्तियों के विकास की जिम्मेदारी ठेकेदारों को न दी जाए, बल्कि नगर निकाय स्वयं इसकी जिम्मेदारी उठाएं और समय-समय पर उसकी मॉनिटरिंग करें। सीएम ने कहा कि नगर निकायों से जुड़े नए गांवों में भी मूलभूत सुविधाएं जल्द सुनिश्चित की जाए।

पत्नी की बेवफाई ने ली पति व 4 बच्चों की जान

शामली। जनपद के कैराना का 38 वर्षीय मजदूर सलमान अपने चार छोटे बच्चों के साथ यमुना किनारे पहुंचा। किसी को अंदाजा नहीं था कि वह जिंदगी से इतनी गहराई तक टूट चुका है कि अब वापसी नहीं होगी। पास बैठे बच्चे रो रहे थे, और पिता की आंखों में आखिरी फैसला तैर रहा था। वह वीडियो में रो रोकर अपनी पत्नी की बेवफाई को बयां करता है।

इस दौरान चार बच्चे भी उसके साथ थे। पिता के साथ एक बेटी की आंखों से भी आंसू गिरते रहे। लेकिन शायद ही उसे इस बात का अंदाजा हो कि उसका पिता कितना खौफनाक कदम उठाने जा रहा है। यमुना में कूदने से पहले सलमान में बच्चों के साथ तीन दर्दभरे वीडियो रिकॉर्ड किए, इन वीडियोज को अपनी बहन को शेयर किया और फिर उठा लिया वो कदम जिसने एक हंसते खेलते परिवार में छोड़ा दर्द, मातम और चीख-पुकार।

सीओ श्याम सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि सलमान खेतों में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

हजारीबाग में बड़ी चोरी, चोरों ने घर से साफ कर दिए 1 करोड़ 30 लाख के गहने

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के हजारीबाग में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। यहां के केरेडारी थाना क्षेत्र के चट्टीबरियातू गांव निवासी कुलदीप सोनी के घर से एक लाख 70 हजार नकद समेत करीब एक करोड़ 30 लाख रुपए मूल्य के जेवरात की चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात चोरों ने कुलदीप के घर के दरवाजे का ताला तोड़कर प्रवेश किया। उन्होंने अलमारी का लॉक तोड़कर नगद और जेवरात चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित कुलदीप सोनी ने केरेडारी थाना में आवेदन देकर घटना की शिकायत की है। उनकी एक जेवर की दुकान भी है। कुलदीप ने बताया कि घटना गुरुवार को विजयदशमी के दिन शाम करीब 4:30 बजे की है। वे अपने परिवार के साथ मेला देखने गए थे। चोरों ने अलमारी में रखे एक लाख 70 हजार रुपए नगद भी चुरा लिए। साथ ही उनके जेवरात चोरी हो गए। इनमें झुमका, चेन, टॉप्स, मंगलसूत्र, मांग टीका, लॉकेट, अंगूठी, हार, पायल आदि शामिल हैं। इनमें कुलदीप, उनकी पत्नी और बच्चों के जेवर भी शामिल हैं। कुलदीप ने बताया कि चोरी के दौरान अलमारी और टीवी पर चोरों के अंगुली के निशान भी मिले हैं। पीड़ित ने पुलिस को शक जताया कि पड़ोसी मुन्ना वर्मा इस चोरी में शामिल हो सकता है। केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एक और आरजेडी विधायक का विरोध पटना में लालू-राबड़ी आवास में हंगामा

पटना। बिहार चुनाव से पहले आरजेडी के सीटिंग विधायकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पहले मधेपुरा सदर विधायक प्रो. चंद्रशेखर को लोगों की नाराजगी झेलनी पड़ी। अब राजद के मखदुमपुर विधानसभा से विधायक सतीश कुमार के विरोध में तो लोग पटना स्थित लालू-राबड़ी आवास पहुंच गए, और प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता विधायक को दोबारा टिकट नहीं देने की मांग कर रहे थे। इस बीच विधायक के खिलाफ नारेबाजी भी हुई।

सैकड़ों की तादात में पहुंचे आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पहले राबड़ी आवास के बाहर प्रदर्शन किया। और फिर अचानक घर के अंदर घुस गए। कार्यकर्ताओं की मांग है कि मखदुमपुर विधायक सतीश कुमार ने क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है। जनता की समस्याओं की अनदेखी की है, ऐसे में दोबारा उन्हें टिकट न दिया जाए।

पेज एक का शेष

ट्रंप ने बनाई शांति...

जो चीजें सैकड़ों, हजारों सालों से चल आ रही हैं। उन्हें आखिरकार अब हमारे द्वारा बदला जा रहा है। मुझे लगता है हम बहुत करीब हैं और मैं इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को इसमें शामिल होने और काम करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने ये भी कहा कि मैं, शांति के लिए अपने सिद्धांतों को जारी कर रहा हूं। योजना को तैयार करने में सभी पक्षों ही अहम भूमिका है और इसके लिए मैं कई अरब देशों, मुस्लिम नेताओं और अपने कई यूरोपीय सहयोगियों के प्रति धन्यवाद देना चाहता हूं।

'जननायक पद' की...

कमजोर व्यक्ति भी आगे बढ़े। उनके नाम पर बनने वाले इसके लिए यूनिवर्सिटी इस सपने को आगे बढ़ने का माध्यम है। बिहार के हजारों युवा हमारे साथ जुड़े हैं। दो-ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कैसी थी, इसका अंदाजा उन्हें नहीं होगा। एक भी ढंग के संस्थान नहीं थे। ईमानदारी से स्कूल नहीं खुलते थे। कोई भर्ती नहीं होती थी। मजबूरी में लाखों बच्चों को बिहार छोड़कर दूसरे राज्यों में पढ़ने जाना पड़ता था। असली पलायन यहीं से शुरू होता था। पीएम ने कहा कि जिस पेड़ की जड़ों में कीड़ा लग जाता है उसे फिर से जीवित करना बहुत बड़ा पराक्रम होता है। राजद के कुशासन में बिहार की हालत उसी पेड़ की तरह हो गई थी। सौभाग्य से बिहार के लोगों ने नीतीश कुमार को मौका दिया और एनडीए की पूरी टीम मिलकर बेपटरी बिहार को फिर पटरी पर ले आया। आज यहां इस कार्यक्रम में भी इसकी झलक दिख रही है।

अगले सप्ताह 8 से...

वाला एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा खालिस्तानियों की आक्रामकता और उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों से जुड़ा हुआ है। दोनों नेताओं की वार्ता में इसे भी शामिल किया जा सकता है।

बतौर पीएम कीर स्टार्मर की पहली यात्रा: मंत्रालय के मुताबिक, मौजूदा वर्ष 2025 में आम चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद की जाने वाली कीर स्टार्मर की यह पहली भारत यात्रा होगी। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच मुंबई में होने वाली बैठक में आगामी दस वर्षों यानी 2035 तक के विजन को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के बीच स्थापित की गई व्यापक सामरिक भागीदारी से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं में हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। 10 वर्षीय रोडमैप इसी विजन का हिस्सा है और इसमें व्यापार, निवेश, तकनीक और नवाचार, रक्षा-सुरक्षा, जलवायु-ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच परस्पर संबंधों जैसे भागीदारी से जुड़े हुए प्रमुख आधार स्तंभ वाले मुद्दे भी शामिल हैं।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में होगा संबोधन: मंत्रालय ने बताया कि भारत और ब्रिटेन के दोनों शीर्ष नेता मुंबई में ही वाणिज्य और उद्योग जगत के दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे। जिसके केंद्र में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और ट्रेड समझौता (सीईटीए) से जुड़ी हुई संभावनाओं का प्रस्तुतीकरण होगा। क्योंकि यही विषय दोनों देशों की भावी आर्थिक भागीदारी का मुख्य आधार स्तंभ भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कीर स्टार्मर छठे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में भी भाग लेंगे और दोनों मुख्य वक्ता के रूप में इसे संबोधित भी करेंगे। उद्योग जगत के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और नवाचार प्रवर्तकों से भी पीएम मोदी और पीएम स्टार्मर मुखातिब होंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की यह भारत यात्रा पीएम मोदी द्वारा इसी साल 23 से 24 जुलाई में की गई ब्रिटेन की यात्रा के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई गति को और अधिक बढ़ावा देगी। साथ ही इसकी मदद से भारत-ब्रिटेन के साझा विजन को लेकर प्रतिबद्धता जताने का मूल्यवान अवसर मिलेगा। जिससे अंत में भागीदारी को मजबूती के साथ आगे ले जाने में मदद मिलेगी।

'अरे जा हट नटखट'...

सिनेमा के इतिहास में एक अमर स्थान बना लिया है। संध्या शांताराम का अभिनेत्री बनने का सफर बिल्कुल फिल्मी था, बिना किसी फिल्मी पृष्ठभूमि के, संयोग से उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा और फिर अपने अभिनय और नृत्य से इतिहास बना दिया। फिल्म 'झनक झनक पायल बाजे' में वह गोपी कृष्ण के साथ दिखाई दी थीं। इस फिल्म के लिए गोपी ने ही उन्हें डांस सिखाया। फिल्म ने बाद में चार फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे।

और विजया का नाम संध्या हो गया: उनका असली नाम था विजया देशमुख। वे महाराष्ट्र के एक साधारण परिवार से थीं। उनकी आवाज़ बहुत मधुर थी और उन्हें गायन में खास रुचि थी। साल 1951 में मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम अपनी फिल्म 'अमर भूपाली' के लिए नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात विजया (बाद में संध्या) से हुई। शांताराम उनकी आवाज़ और नैसर्गिक अभिनय से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने विजया को फिल्म में एक गायिका के किरदार में कास्ट किया और यहीं से उनका नाम संध्या रखा गया। यही नाम बाद में उनकी पहचान बन गया।

अभिनयसे नृत्य तक...संध्या की पहचान : संध्या ने फिल्मों में भरतनाट्यम और कथक जैसे शास्त्रीय नृत्यों को लोकप्रिय बनाया। उनके भावों की अभिव्यक्ति और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने उन्हें 50-60 के दशक की सबसे गरिमामयी अभिनेत्रियों में शामिल किया। वी. शांताराम ने अपनी दूसरी पत्नी जयश्री से अलग होने के बाद संध्या से विवाह किया। दोनों ने साथ में कई यादगार फिल्में बनाईं, जिनमें कला, संगीत और नृत्य का अनोखा संगम देखने को मिला।

बरेली में सपा की नो एंट्री!

माता प्रसाद हाउस अरेस्ट, संभल में सांसद बर्क के घर पुलिस

एजेंसी ▶▶ लखनऊ/बरेली

बरेली में 26 सितंबर को हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद हालात संवेदनशील बने हुए हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित कई सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल 4 अक्टूबर को बरेली जाने वाला था।

लेकिन जिला मजिस्ट्रेट बरेली ने पुलिस आयुक्त लखनऊ और अन्य जिलों के पुलिस कप्तानों को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि बिना अनुमति कोई भी राजनीतिक प्रतिनिधि बरेली की सीमा में प्रवेश न करे। आदेश में साफ कहा गया कि हालात को देखते हुए जनपद की सुरक्षा बनाए रखने के लिए बाहर से आने वाले नेताओं को रोका जाए।

माता प्रसाद पांडेय को नोटिस दिया

इसी आदेश के बाद लखनऊ पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को नोटिस दिया और उनके लखनऊ स्थित आवास पर रोकते हुए बरेली न जाने की हिदायत दी। पुलिस ने साफ कहा कि अनुमति के बिना बरेली जाने की इजाजत नहीं है। प्रदेश महासचिव सहित कई अन्य नेता माता प्रसाद पांडेय के आवास पर पहुंचे, लेकिन पुलिस की सख्ती के चलते डेलिगेशन को आगे बढ़ने नहीं दिया गया।

अराजकता फैलाने नहीं जा रहे

समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने कहा कि नेताओं-कार्यकर्ताओं को निर्देश है कि बरेली पहुंचें। हम कोई अराजकता फैलाने नहीं जा रहे हैं। हमको क्यों रोका गया है? हम सभी अधिकारियों से बात करेंगे।

बरेली में सांसद-विधायक समेत कई सपा नेता नजरबंद

बर्क के घर भी पुलिस तैनात बरेली जाने वाले समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर भी पुलिस तैनात है। सम्भल में दो अलग-अलग स्थानों की पुलिस को सांसद बर्क के घर के बाहर तैनात किया गया है। सांसद जियाउर्रहमान बर्क को पुलिस बरेली जाने से रोकेगी. सीओ कुलदीप सिंह भी इसी इलाके में तैनात नजर रख रहे हैं।

बरेली में भी सपा नेता नजरबंद

सपा प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले बरेली शहर के स्थानीय नेताओं को नजरबंद कर लिया गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद वीरपाल सिंह यादव और सपा जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप के घर के बाहर पुलिस का पहरा लगाया गया है।

कवर स्टोरी

डॉ. गरिमा संजय दुबे

किस बात की है इतनी जल्दबाजी!

आज के दौर की जीवनशैली इतनी तेज हो चुकी है कि हर कोई, सब कुछ तुरंत पा लेना चाहता है। तुरंत सफल न होने पर हम तनाव और अवसाद से घिर जाते हैं। जल्दबाजी की इस प्रवृत्ति के कारण हम जीवन का आनंद लेना ही भूलते जा रहे हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम जरा ठहरें और जीवन को संतुलन के साथ जीने का प्रयास करें।

महान संत कवि कबीर दास का प्रसिद्ध दोहा है-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आवे फल होय।।

इसमें कबीर दास जी कहते हैं कि मन में धीरज रखने से ही सब होता है। यानी किसी कार्य को पूरा होने में निर्धारित समय लगता है। इसलिए अनावश्यक जल्दबाजी या अधीर होना सही नहीं है।

अकसर लोग यह भी कहते सुने जाते हैं कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता। यदि यहां भाग्य को नकार भी दिया जाए तो समय को तो नकारा नहीं जा सकता। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और उस पर दिखावे के साथ भौतिकतावादी तत्वों के आकर्षण ने केवल युवा ही नहीं प्रौढ़ और अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से लोगों में धीरज कम होता जा रहा है। हर कोई सब कुछ जल्द से जल्द पा लेना चाहता है। क्यों बढ़ रही है यह मनोवृत्ति, इसके क्या हैं परिणाम और इससे बचने के उपायों के बारे में हम सभी को विचार करना जरूरी है।

पहचान पाने की होड़

यह सही है कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है, करना भी चाहिए। लेकिन आज यह प्रवृत्ति बड़ी तेजी से असंतुलन का कारण बनती जा रही है। एक-दूसरे से अंतहीन होड़, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे की तर्ज पर, अब यह अहंकार पुष्टि का पर्याय भी बनती जा रही है। अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा बुरी नहीं है, लेकिन उसकी हड़बड़ी जरूर व्यक्तित्व में असंतुलन पैदा कर सकती है। सब कुछ एक साथ, अभी के अभी मुझे मिल जाए। मैं हर जगह मौजूद रहूं, हर कहीं, पुरस्कार केवल मेरे हिस्से में आएं, केवल मेरी ही चर्चा हो, सब मुझे चाहें, सब मुझे सराहें, केवल मेरे पास ही सब हो, सब मेरी सुनें, सब मेरे ज्ञान से लाभान्वित हो (गोया कि ज्ञान पर केवल आपका कॉपीराइट है) और मैं इस वाह-वाह के बादलों पर सवार हो उड़ान भरूं। ऐसी सोच ना तो पूरी तरह व्यावहारिक है और ना ही सही कही जा सकती है।

सोशल मीडिया की भूमिका

वास्तव में देखा जाए तो पहले की तुलना में पहचान का संकट अब उतना रहा नहीं है कि आपमें कोई विशिष्ट गुण हो और आप अनदेखे रह जाएं। सोशल मीडिया ने प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि सोशल मीडिया के कई लाभ हैं तो कई नुकसान भी हैं। इसके जरिए पॉपुलर होने की धुन में इन दिनों रील बनाने की लत युवाओं को लग गई है। इस लत के चलते कई बार सफलता मिलने के बाद फिर फॉलोअर्स में कमी आने पर युवा अवसाद में भी चले जाते हैं। इससे आत्महत्याओं की खबरें भी आती रहती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। सोशल मीडिया के जरिए रातों-रात सफलता मिलने पर उसे सही तरीके से संतुलित करने का प्रयास होना चाहिए और उसकी लत से जीवन समाप्त कर देने की अति से भी बचा जाना चाहिए। यही नहीं इंस्टेंट सक्सेस की चाह आज के दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। जीवनशैली में इस भाग-दौड़ की प्रवृत्ति का यह असर है कि लोग कामयाबी भी जल्दी हासिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही आजकल कुछ लोग, दूसरे सफल लोगों की उपलब्धियों को देख-देखकर हीनभावना से ग्रसित होने लगते हैं। सफलता पाने की आस कतई गलत नहीं है। सबके अपने-अपने लक्ष्य होते हैं, जिन्हें पाने का वे प्रयास करते हैं। लेकिन जीवन में कोई भी बड़ी सफलता इंस्टेंटली नहीं मिलती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बड़ी सफलता पाने के लिए सधी हुई निरंतर गति, प्रयास और स्तरीय रचनाधर्मिता जरूरी होती है। लक्ष्य की प्राप्ति, धैर्य के साथ सही प्रयास की मांग करती है। स्थायी सफलता, छोटे-छोटे लेकिन सार्थक कदमों का परिणाम होती है।

सबकी क्षमताएं होती हैं भिन्न

किसी को सफल देखकर हम यह नहीं सोचते कि उस व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, समय की उपलब्धि, जिम्मेदारियों का प्रकार अलग हो सकता है। आमतौर पर किसी को सफल देखकर हम दो तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। एक, जब वो कर सकता या सकती है तो मैं क्यों नहीं? दूसरी, अरे उनके पास कोई काम-काज है नहीं, फुर्सत रहती है, इसलिए बस लगे रहते हैं। भई हमें तो और भी बहुत काम हैं। इसलिए उनके जैसी सफलता नहीं पा सके। दोनों ही प्रतिक्रियाएं अतिवादी हैं और गलत भी। न तो हर कोई हर कार्य कर सकता है और न ही वो इसलिए अच्छा काम कर पा रहा है, है क्योंकि उसके पास फालतू का टाइम रहता है। आपको समझना चाहिए कि उस व्यक्ति की लगन, प्रयास और समय प्रबंधन आपसे बेहतर है। जिस तरह यह कहा जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, सबकी अपनी-अपनी क्षमता होती है, ठीक यही बात बड़ों को भी समझनी होगी कि हम सब भिन्न-भिन्न प्रकृति के, भिन्न-भिन्न योग्यता वाले इंसान हैं। कोई कवि है, कोई खिलाड़ी, कोई अच्छा खाना बनाता है तो कोई अच्छा गाता है, कोई सामाजिक स्तर पर सक्रिय है तो कोई घरेलू मोर्चे पर सफल है, किसी ने जॉब को प्राथमिकता माना है तो किसी ने घर को, हममें से कोई भी असफल नहीं है। हमें अपने क्षेत्र में प्रवीणता हासिल कर सफल होने का प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरों की नकल करके या उससे ईर्ष्या करके उस क्षेत्र में प्रयास करना चाहिए, जिसकी प्रतिभा हम में है ही नहीं।

खुद को ना मानें असफल

ऐसा सोचना सही नहीं है कि जिसकी चर्चा अधिक होती है, तो वह सफल है। यदि किसी व्यक्ति में दुनिया को बताने या चर्चित होने के लिए कोई विशेष गुण न भी हो, तो भी वह एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में तो सफल है ही। आखिर हम पर सफलता का इतना दबाव क्यों होना चाहिए? हमें सोचना चाहिए कि इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि मुझे कुछ कम लोग जानते हैं? किसी को 2000 लोग जानते हैं और किसी को 500 तो क्या फर्क पड़ जाएगा? आपकी सफलता का मानक सिर्फ आपकी सोशल पॉपुलैरिटी पर निर्भर नहीं करता है। इसका एक मानक यह भी है कि आपकी अपने परिवार, अपने सोशल और फ्रेंड सर्कल में कैसी इमेज है? आप अपने दायित्वों का कितनी अच्छी तरह से निर्वहन करते हैं?

सही नहीं जल्दबाजी का तनाव

यह कहना गलत नहीं होगा कि आधुनिक जीवनशैली ने स्लो एंड स्टेडी की जगह हमें फास्ट एंड फ्यूरियस बना दिया है। धैर्यवान की जगह हम में से अधिकतर अधीर होते जा रहे हैं। शांति के बजाय मन में बेचैनी सी छाई रहती है। अपने साथ दूसरों की उन्नति देख प्रसन्न होने की जगह ईर्ष्या का भाव जन्म लेने लगता है। सफलता की चाह में सक्रिय होने के बजाय हाइपर एक्टिव होते जा रहे हैं हम। इससे हम अनचाहे तनाव से घिरकर अपने जीवन को अशांत और अव्यवस्थित बना लेते हैं। ऐसे में ठहरकर विचार करने की जरूरत है। कहते हैं, 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' जरूरत से अधिक सक्रियता, तेजी और जल्दबाजी, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता को नष्ट कर देती है। थोड़ा धैर्य और थोड़ी स्थिरता से हम बेहतर परिणाम पा सकते हैं। *

न्यू लाइफस्टाइल / अंशु सिंह

जेन जी यानी बिल्कुल नई पीढ़ी के बच्चे और युवा, हाथ से लिखने के बजाय कीपैड पर कंपोज करना आसान मानते हैं। लेकिन हैंड राइटिंग से बढ़ती यह दूरी, इस पीढ़ी के लिए किस तरह नुकसानदेह है, इस बारे में ध्यान देने की जरूरत है।

हैंड राइटिंग से बच रही जेन जी

आज की डिजिटल तकनीक के विस्फोट ने जहां हमारे संवाद और सीखने के तरीके को बदल दिया है। दूसरी ओर बच्चों की मोबाइल फोन और वीडियो गेम्स की लत से पहले से परेशान पैरेंट्स, अब उनकी लिखावट को लेकर भी चिंतित रहने लगे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी (पीयू रिसर्च के मुताबिक, जेन जी यानी जेनरेशन जेड, वह पीढ़ी है, जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है। इन्हें

जूमर्स या पोस्ट मिलेनियल्स भी कहते हैं।) पेन और पेंसिल से बचने लगी है। इसलिए वे हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार, हाथ से लिखना साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

नहीं लिखना चाहती नई पीढ़ी: कोविड के दौरान जब ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, तो बच्चों का डिजिटल समय पहले से कई गुणा बढ़ गया। उस दौर में शिक्षा जारी रखने का दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन एक समय के बाद शिक्षकों और पैरेंट्स दोनों को आभास हुआ कि बच्चे लिखना नहीं चाह रहे। वे हाथ से लिखने से बच रहे हैं। अब स्टेवांगर यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि करीब 40 फीसदी जेन जी पीढ़ी हस्तलिखित संवाद पर अपनी पकड़ खोती जा रही है। उनकी लेखनी में न सफाई दिखाई दे रही है और न ही स्पष्टता।

डिजिटल मीडिया ने बदला संवाद का तरीका: दरअसल, डिजिटल टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया ने आपस में संवाद के पूरे तरीके को ही बदल दिया है। बच्चे हों या नौजवान, सभी वाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट पर संक्षिप्त संदेशों या इमोजी के जरिए अपनी बात रखना पसंद करते हैं। कम से कम शब्दों में सूचनाएं देने की कोशिश करते हैं। कई बार सिर्फ 10 शब्दों में पूरी बात खत्म हो जाती है। ये स्लैंग के माध्यम से साझा किए गए छोटे विचार होते हैं। इससे लिखने की आदत छूटती जा रही है। स्टेवांगर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेदरेट किलिसेरी ने जब इस प्रवृत्ति पर शोध किया तो पाया कि इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट्स के पास बुनियादी लेखन कौशल की कमी होती जा रही है। वे लंबे वाक्य संरचनाओं के बजाय छोटे वाक्य लिख रहे हैं। कलम की जगह की-बोर्ड का प्रयोग करने के कारण कई स्टूडेंट्स के लिए कागज पर खुद को ठीक से अभिव्यक्त करना मुश्किल हो रहा है। वे न पत्र लिख पाते हैं और न ही औपचारिक ई-मेल। यही पीढ़ी जब वर्कफोर्स का हिस्सा बनती है तो उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी प्रेजेंटेशन स्किल से लेकर अन्य कौशल प्रभावित होते हैं।

हस्तलिपि से बढ़ती है याद्दाश्त: शिक्षा में हस्तलेखन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता को बनाए रखने और शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देता है। जब बच्चे हाथ से लिखना सीखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई क्षेत्र सक्रिय होते हैं, जो गतिशील कौशल, स्मृति और भाषा अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह प्रक्रिया तंत्रिका संबंधों को बढ़ाती है, जो पढ़ने और लिखने में सहायक होते हैं। साक्षरता और समग्र संज्ञानात्मक विकास की नींव रखते हैं। हस्तलेखन केवल संज्ञानात्मक लाभ ही नहीं प्रदान करता, यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक छात्र की अनूठी लेखन शैली उनके आत्मविश्वास और संलग्नता को बढ़ा सकती है, जिससे सीखने का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और सार्थक बन जाता है। इसके अतिरिक्त, हस्तलेखन अनुशासन और

एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इससे याद्दाश्त तेज होती है। तभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नोट्स बनाने पर ध्यान देते हैं। लिखने का अभ्यास करते हैं।

मानसिक रोगों से निपटने में मददगार: नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर ऑड्रे वैन डेर मीर के अनुसार, हाथ से कुछ लिखना, टाइप करने की तुलना में मस्तिष्क पर अलग तरह से प्रभाव डालता है। इससे छात्र लिखी गई जानकारी को बेहतर ढंग से याद रख पाते हैं। कोई भी पीढ़ी हस्तलिपि के फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि हाथ से लिखने के अनेक लाभ हैं। इससे अलग हटकर सोचने में मदद मिलती है। यह दिमाग को दैनिक दिनचर्या से हटकर खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी देता है। अकसर जब हमारा मन किसी खास चिंता में घिरा रहता है, तो हाथ से लिखने पर विचारों की गति धीमी होती जाती है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि हस्तलेखन से अवसाद और चिंता दूर होती है। *

दोहे

प्रो. शरद नारायण खरे

शरद पूर्णिमा

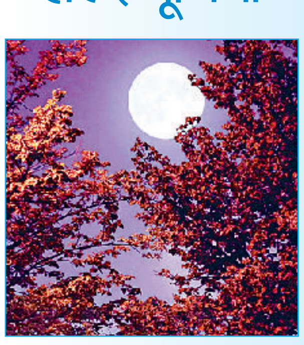

अमिय बरसता चांद से, मंगलमय है नेह।
हृदय नवल आवेग में, हुई तरंगित देह।।
शशि की किरणें शुभ्र हैं, अंतर में आनंद।
पूर्णमासी आ गई, सबको आज पसंद।।
प्रीति चढ़ी परवान है, मादक हुए विचार।
तम ने खाई मात है, निखर रहा उजियार।।
प्रेमातुर संसार है, वादों का विस्तार।
सबको आकर्षित करे, देखो अब अभिसार।।
छत पर बैठा है युगल, ले हाथों में हाथ।
चंदा भी देने लगा, प्रेमपगों का साथ।।
खिलती ज्योत्स्ना भली, बांट रही जो प्यार।
खीर खा रहा है जगत, बढ़ने लगा दुलार।।
शरद निशा चोखी हुई, बनी एक सौगात।
कोमल है अब चेतना, दिव्य हुए जज्बात।।
शरद चांद में है दमक, नया हुआ संसार।
प्रकृति पा गई प्रेम का, अनुपम नव उपहार।।

व्यंग्य / अशोक गौतम

मंत्री जी का जंगलारोपण इवेंट

मंत्री जी ने चमचों के साथ दो घंटे से चल रही गप्पों की गंभीर बैठक अचानक रोकी और पीए को बुलाया, 'पीए साहब! इस महीने के सारे जनहित काम हो गए न? देखो, हमें पेंडेंसी कतई पसंद नहीं।'

'जी जनाब! आपके चुनाव क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त एरिया का भाभी जी ने पूरा दौरा कर लिया। वह भी एक बार नहीं, चार-चार बार ताकि चुनाव क्षेत्र का कोई भी बाढ़ग्रस्त कोना उनकी आंखों से ओझल न रहे। आपके बाढ़ प्रभावितों के प्रति संवेदनाओं को लेकर जितने प्रेस नोट और फोटो अखबारों में छपे, वे दूसरे मंत्रियों से दुगने ही छपे। बधाई हो सर!'

'गुड! वैरी गुड! और अब इस माह का बचा क्या है जनता को करने को?'

'सर! सॉरी! एक बात तो बताना भूल ही गया था।' कहते हुए पीए ने अपना सिर झुका लिया तो मंत्री जी ने पूछा, 'क्या?'

'सर! बरसात गुजर गई। पर सर, इस बार आपके कर कमलों द्वारा अब तक सद्भावना का पौधा नहीं लगा।'

'क्यों?'

'सर आप जनहित के दूसरे कामों में व्यस्त ही इतने थे कि मुझे लगा आप ओवर लोडेड हो जाएंगे। लेकिन सर! हर साल आपका पर्यावरण बचाने के लिए पौधा लगाना बहुत जरूरी है। आपका लगाया एक पौधा लाखों पौधों में जान फूंकता है सर! जब तक आप पौधा नहीं लगाते, जनता भले ही कितने ही पौधे क्यों न लगा ले, उनका कोई महत्व नहीं होता। वे पर्यावरण की रक्षा नहीं कर पाते। वे जंगल नहीं बन पाते।'

'पर, ये इतना जरूरी है क्या?' मंत्री जी ने पूछा।

'सर! आपको पर्यावरण हित में पौधा हर हाल में लगाना होगा। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ जाएगी। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो अगले साल बसंत में ही लू चलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए जनहित में आपको पौधा लगाना ही होगा सर!'

'अच्छा! पर यार लगाएंगे कहां?'

'इसका भी इंतजाम मैंने कर लिया है सर! आप अपने ऑफिस में ही जंगलारोपण करेंगे।' 'ऑफिस में! यहां मेरे कठोर अनुशासन के डर से पौधा सूख गया तो?'

'ऐसा नहीं होगा! सर! आपके लगाए पौधे आज तक सूखे कहां जो यह पौधा सूख जाएगा? आपके हाथों में वह जादुई शक्ति है, जो आप सूखे बांस की टहनी भी लगाएं तो वह भी दूसरे ही दिन बिन खाद पानी के हरी हो जाए। आप जैसे जनसेवक लोकतंत्र में युगों बाद जनता की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं सर।' पीए ने चमचों के सामने उनमें हवा भरी तो जनाब आसमान में पहुंच गए।

'तो इसके लिए करना क्या होगा? इतनी जल्दी इवेंट मैनेज हो जाएगा क्या?' मंत्री जी आर्टिफिशियली गंभीर हुए, 'क्यों नहीं जनाब! बंदा है किसलिए? अभी प्रेस नोट बनाकर भेज देता हूं कि कल मंत्रीजी अपने ऑफिस में जंगलमहोत्सव मनाते प्रेम भाईचारे, तप, त्याग का अजर अमर कल्पवृक्ष लगा रहे हैं। इस अवसर पर वे एक और वृक्ष पर्यावरण को समर्पित करेंगे।'

'और भीड़ का क्या होगा?'

'आप चिंता न करे जनाब! आपके विभाग के सारे अफसर बुला लिए जाएंगे। वे और करते भी क्या हैं सर? और आपके जंगल-महोत्सव में जो सबसे हटकर होगा वह ये कि सब हरे कपड़े, हरे जूते, हरे मौजे, मुंह पर हरा रंग पोते आएंगे ताकि पौधा लगने से पहले ही वातावरण हरा-भरा हो जाए।' 'पर पौधा किस चीज का लगाएंगे? तुम्हें तो पता है कि हम सेकुलर कम नॉन सेकुलर हैं। सब में पौधे को लेकर भी मेरी तरह भ्रम की स्थिति बनी रहनी चाहिए।'

'सब समझ गया जनाब! आप चिंता न करें। ऐसा ही होगा। सर! अब बजट की बात भी हो जाए तो?'

'बजट कितना?'

'सर! मोटा-मोटा एक लाख रख लीजिए। आपके जंगलारोपण के बाद सबको लंच, गमले में लगा नॉन सेकुलर कम सेकुलर पौधा देंगे।'

'डोंट वरी, बस! इवेंट चकाचक हो जाए हर बार की तरह! और हां! मीडिया को बता देना कि पौधे से अधिक फोकस मुझ पर हो।'

'मेरे होते हुए चिंता की कोई बात नहीं जनाब!' पीए साहब ने उन्हें हद से अधिक आश्वस्त किया और कल के मंत्री जी के जंगल-महोत्सव हेतु उनके विभाग के मुखियाओं को अपने कमरे में आ मंत्री जी से भी अधिक गंभीर हो आवश्यक दिशा निर्देश देने में जुट गए। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्चा आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

मंथन : मुख्यमंत्री ने की ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करें

अधिकारी हर 15 दिन में कार्यों की समीक्षा करना सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ धरातल पर हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए अधिकारी हर 15 दिन में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना भी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत लाभार्थियों की रजिस्ट्री का कार्य करें पूर्ण

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यो को योजनाबद्ध तरीके से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही, जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ धरातल पर हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए अधिकारी हर 15 दिन में विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा करना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां विकास एवं पंचायत विभाग और ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर एडीसी, जिला परिषद के सीईओ, डीडीपीओ और पंचायती राज के कार्यकारी अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि 500 वर्ग गज तक की शामलात भूमि पर अनाधिकृत रूप से निर्मित मकानों का नियमितीकरण करने के कार्यों मे तेजी लाने के लिए ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन किया जाए। इसके अतिरिक्त, जिन जिलों के केस अप्रूव हो चुके है उनकी रजिस्ट्रीयां जल्द करवाई जाए।

चंडीगढ़। अतिरिक्त उपायुक्तों और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी साथ में है विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार। फोटो : हरिभूमि

ड्रोन दीदी के लिए एसओपी की जाए तैयार

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में महिला चौपाल और एससी/बीसी चौपाल की मरम्मत व जीर्णोद्धार के कार्यों को 2 महीने में पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि ड्रोन दीदी के लिए एसओपी तैयार की जाए। साथ ही लखपति दीदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समयबद्ध तरीके से योजना बनाई जाए। सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरे करे। साथ ही सड़क पर सफेद पट्टियां समय पर लगे।

स्वामित्व योजना की त्रुटियों को कैंप लगाकर ठीक करें

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत जिन लाभार्थियों को अधिकार पत्र दिए गए है लेकिन जिनकी रजिस्ट्री किसी कारणवश नहीं हुई उनकी रजिस्ट्री अगले एक महीने में करवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना को लेकर अलग से कैम्प लगाकर त्रुटियों को ठीक किया जाए और स्वामित्व योजना के मानचित्र को ठीक कर इसकी रिपोर्ट एफसीआर को भेजना सुनिश्चित करे।

राज्य वित्त आयोग की ग्रांट का समुचित उपयोग सुनिश्चित करें

पिछले 4 वर्षों में राज्य वित्त आयोग के तहत जिला परिषद को जारी अनुदान के उपयोग की स्थिति पर निर्देश दिए कि योजना बनाकर तय समय सीमा में विकास कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और विकास कार्यो की राशि को शत प्रतिशत खर्च किया जाए। इसके अलावा, हर 2 महीने में पंचायत समितियों की बैठक आयोजित की जाए। विकास कार्यों व योजनाओं को लेकर अधिकारी एक-दूसरे विभाग के साथ करे समन्वय नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यो व योजनाओं को लेकर अधिकारी एक-दूसरे विभाग के साथ समन्वय कर कार्य करें।

साझा बाजार खोलने के लिए जमीन को किया चिन्हित

सांझा बाजार योजना के तहत अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में सांझा बाजार नहीं खुले है वहां पर बाजार खोलने को लेकर जमीन को चिन्हित किया जाए। सरकार का सांझा बाजार खोलने को लेकर हित 'लोकल फॉर वोकल' है ताकि स्थानीय कारीगरों को एक नई पहचान मिल सके। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह कैंटीनों को खोलने को लेकर समय सीमा तय की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना से जुड़ी परियोजनाओं के प्लान बनाकर दिये जाए और इसके तहत चल रहे विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए।

श्रीराम पथ गमन, परिक्रमा पथ और श्रीराम राजा लोक का निर्माण भव्यता के साथ करें पूर्णः सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं का सारा फोकस चित्रकूट पर है। श्रीराम पथ गमन और श्रीराम राजा लोक के निर्माण कार्य भव्यता के साथ किए जाएं। साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता में रखें। सभी विभाग आपसी समन्वय और तालमेल के साथ प्रभावी कार्रवाई करें। समयबद्ध योजना के अनुसार आवंटित राशि का समुचित उपयोग करें और प्रबंधन कर सभी निर्माणाधीन कार्य समय-सीमा में पूरे करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में श्रीराम पथ गमन कार्य योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में धार्मिक के साथ मेडिकल पर्यटन की भी सभी संभावनाएं विकसित करने के लिए ठोस कार्यवाही की जाए। चित्रकूट में उच्च कोटि का हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाया जाए। इससे चित्रकूट आने वाले पर्यटकों को सामान्य सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने निवाड़ी जिले के ओरछा में भगवान श्री रामराजा लोक निर्माण की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क दीपक सक्सेना, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 7 और 8 को, प्रत्येक क्षेत्र में बताई जाएंगी सरकार की प्राथमिकताएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 7 एवं 8 अक्टूबर 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होने वाली कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विषय संयोजक को प्रस्तुति के लिए अधिकतम 20 मिनट मिलेंगे। प्रत्येक क्षेत्र में राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बताई जाएंगी। राज्य सरकार के विजन के अनुरूप केन्द्र और राज्य सरकार की क्षेत्रीय प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ 5 और कमजोर 5 जिलों की समीक्षा की जाएगी।

कांन्फ्रेंस में कलेक्टरों के सुझावों पर ध्यान केंद्रित कर आने वाली विशिष्ट समस्याएं और मुद्दे तथा जिला स्तर पर उस क्षेत्र के साथ अन्य किसी क्षेत्र में उनके किए गए नवाचार पर चर्चा की जाएगी। मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय और योजना विभाग चुनिंदा कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और नवाचार तथा जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद (जन संवाद) वीसी के माध्यम से इच्छित परिणाम प्राप्ति पर चर्चा होगी। जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, लोगों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और पहलों के बारे में जागरूकता पर चर्चा होगी।

सभी 8 सेक्टरों के लिए 75 मिनट का सत्र समय रखा

कांफ्रेंस का उद्घाटन सत्र 7 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक होगा। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से परिचय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के संबोधन से होगा। सत्र में संयोजक कृषि उत्पादन आयुक्त, सदस्य कृषि, बागवानी, पशु चिकित्सा, सहकारी की ओर से कलेक्टर्स के बीच कृषि एवं संबद्ध विषयों पर चर्चा की जाएगी। दूसरे सत्र में प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य सदस्य सचिव डब्ल्यूपीसी, निदेशक एनएचएम कलेक्टर्स के बीच स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा केन्द्रित होगी। तीसरे सत्र में प्रमुख सचिव उद्योग, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, वित्त विभाग की ओर से कलेक्टर्स के बीच रोजगार, उद्योग और निवेश चर्चा पर रहेगा। चौथे सत्र में संयोजक अपर मुख्य सचिव-शहरी की ओर से शहरी विषयों पर चर्चा होगी और पांचवे सत्र के दौरान संयोजक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन, अपर मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव राजस्व, विधि की ओर से सुशासन पर चर्चा होगी।

8 अक्टूबर को यह होगी गतिविधियां

कॉन्फ्रेंस में 8 अक्टूबर की गतिविधियों के अंतर्गत सुबह 9.30 से 10.15 बजे तक मुख्य सचिव अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, आयुक्त जनसंपर्क की ओर से अपेक्षाओं के साथ विविध चर्चाएं की जाएंगी। कॉन्फ्रेंस के छठवें सत्र में संयोजक प्रमुख सचिव-स्कूल शिक्षा, प्रमुख सचिव जनजाति कार्य चर्चा करेंगे। सातवें सत्र में प्रमुख सचिव पीएचई, प्रमुख सचिव जनजाति कलेक्टर्स के बीच रिसर्च और विकास एवं जनजातीय गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। आठवें सत्र में नियम और कानून पर चर्चा होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं वास्तव में व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी :श्रीकांत बुधोलिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में हुई थी, वह बीज आज शताब्दी पूर्ण होने पर एक विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हो चुका है। जिसकी यात्रा उपहास, उपेक्षा, विरोध, सहयोग और सहभागिता से होकर गुजरी है। डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार और गुरुजी की तपस्या तथा लाखों-करोड़ों स्वयंसेवकों के त्याग, समर्पण और सत्यनिष्ठा ने इस साधना को सिद्धि तक पहुंचाया। साधना से सिद्धि, सिद्धि से शक्ति और शक्ति से समाज निर्माण का यह पथ बना। आज संघ का कार्य हिन्दू समाज को संगठित, चरित्रवान, चिंतनशील, स्वदेशी एवं स्वाभिमानी बनाने की ओर प्रवृत्त है। संघ की शाखा न केवल स्वयंसेवकों के संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने का स्थान है, बल्कि अहम से वयमं की यात्रा भी यहीं से प्रारंभ होती है। संघ की शाखाएं वास्तव में व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं। आज संघ चारों दिशाओं में एक साथ बढ़ रहा है। इसका अर्थ चारों दिशाओं में समाज का संगठित होना है। संघ अपने सौ वर्ष पूरे कर रहा है। संघ से प्रेरित अनेक संगठन विद्यार्थी परिषद, सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, विश्व हिन्दू परिषद, मजदूर संघ आदि आज समाज के विविध वर्गों में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपने लिए कुछ भी नहीं चाहिए। भारत माता की जय हो, इसी संकल्प के साथ वह आगे बढ़ रहा है और समाज से आग्रह कर रहा है कि आईए, एक साथ मिलकर हम अपनी सभी चुनौतियों का समाधान करें। भारत को भारत बनाए, विश्व गुरु भारत बनाए, क्योंकि भारत को ही विश्व का दिशा दर्शन करना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने जताया शोक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने खंडवा के ग्राम जामली और उज्जैन के समीप इंगोरिया थाना क्षेत्र में दुर्गा विसर्जन के दौरान हुए हादसे में कई लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बिजली के नियमित, संविदा और पेंशनरों को मिलेगा स्वास्थ्य योजना का लाभ

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी (एमपीपीजीसीएल) ने प्रदेश की समस्त विद्युत कंपनियों में कार्यरत अभियंता व कार्मिकों के लिए बहुप्रतीक्षित पावर कंपनी अंशदाई कैशलेस स्वास्थ्य योजना (एमपीपीसीएचएस) के क्रियान्वयन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। इसके पश्चात देश भर के सभी अस्पतालों से योजना के नियम, शर्तो व दरों पर बातचीत की जाएगी। जो अस्पताल योजना की शर्तों व दरों पर सहमत होंगे उन्हें अनुबंधित किया जाएगा। इस प्रक्रिया में लगभग एक माह का समय लग सकता है। जैसे ही ये प्रक्रिया पूर्ण होगी कंपनी की कैशलेस योजना की सेवाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी।

सीएम, डिप्टी सीएम, सहित सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

दो दिवसीय दौरे पर जगदलपुर पहुंचे गृह मंत्री शाह

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में अमित शाह बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए जगदलपुर पहुंचे। जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों ने गृह मंत्री का स्वागत किया।

गृह मंत्री के साथ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर वन मंत्री केदार कश्यप, जनजाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ,बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, विधायक कांकेर आशाराम नेताम जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय, ब्रेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और डीजीपी अरुण देव गौतम, प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदर राज पी., कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने स्वागत किया।

गृहमंत्री ने दंतेश्वरी मंदिर में किया पूजन

केंद्रीय गृह मंत्री मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे, जहां पूजा अर्चना करने के साथ ही बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने व मिशन 2026 की सफलता की कामना की। बता दें कि जगदलपुर का दंतेश्वरी मंदिर देवी दंतेश्वरी को समर्पित है, जो बस्तर की कुलदेवी हैं और शक्ति का अवतार मानी जाती हैं, यह 14वीं शताब्दी में बना एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है, जो दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली में बना है, मंदिर का महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक है, जो बस्तर के लोक जीवन का अभिन्न अंग है और बस्तर दशहरा व मड़ई जैसे त्योहारों का केंद्र है।

मेला देखकर लौटे दो युवकों की मौत, खड़े ट्रक से टकराई थी बाइक

एम्बुलेंस के अटेंडर की संदिग्ध मौत, ग्रामीण आक्रोशित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायगढ़

जिले में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो जाने के बाद अटेंडर बनकर संजीवनी 108 में अस्पताल जा रहा युवक अचानक एंबुलेंस से गायब हो गया और फिर कुछ देर बाद घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी भी मौत हो गई। इस घटना के बाद सुबह मृतक के परिजन एवं गांव के ग्रामीण शव को थाने के सामने सड़क में रखकर जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दशहरा देखकर घर लौट रहे बाईक सवार दो युवक आशीष राठिया और सरोज भोय, निवासी खम्हार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गए जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई।

एम्बुलेंस तो पहुंची अटेंडर गायब था

इस घटना के बाद मौके पर पहुंचे संजीवनी 108 में खम्हार गांव का ही रहने वाला युवक नरेश कुमार राठिया अटेंडर बनकर धर्मजयगढ़ सिविल अस्पताल जा रहा था। लेकिन आश्चर्य की बात यह थी कि जब एंबुलेंस अस्पताल पहुंची तो वाहन में दो शव थे अटेंडर नरेश कुमार राठिया एंबुलेंस से गायब मिला। बताया जा रहा है कि इस घटना के तकरीबन 20 से 25 मिनट बाद ही डायल 112 की टीम नरेश कुमार राठिया को लेकर अस्पताल पहुंची जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। डायल 112 के एएसआई ने बताया कि नरेश कुमार राठिया भंवरखोल गांव के पास मुख्यमार्ग में घायल अवस्था में मिला था जिसे अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। नरेश कुमार राठिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद आज खम्हार गांव के सभी ग्रामीण अपना काम काज छोड़कर भारी संख्या की तादाद में ट्रैक्टर में मृतक नरेश राठिया का शव लेकर थाने के सामने पहुंचे।

निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन

शव को सड़क में रखकर मृतक के मौत के कारणों का निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। गांव के ग्रामीणों का कहना है कि संजीवन 108 और डायल 112 की टीम को उनके सामने बुलाकर दोनों का बयान दर्ज करके मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाये। मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने के पश्चात गांव के ग्रामीणों ने दोपहर डेढ़ बजे के आसपास अपना आंदोलन समाप्त किया। धरमजयगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक नरेश कुमार राठिया अटेंडर बनकर एंबुलेंस में बैठा था और एंबुलेंस का दरवाजा अंदर- बाहर से खुलता है। ऐसे में वह गिर गया या और कोई कारण है। कैसे वह घायल मिला इसे लेकर गांव के ग्रामीण मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे थे। गांव के ग्रामीणों को जांच का आश्वासन दिया गया है।

'राम मंदिर से परम वैभव की यात्रा' विषय पर आज सेमिनार

नई दिल्ली। सामाजिक सरोकारों को समर्पित संस्था चेतना की ओर से रविवार, 5 अक्टूबर को 'राम मंदिर से परम वैभव की यात्रा' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक आस्था, दायित्व, जवाबदेही, कर्तव्यपरायणता, राष्ट्र उत्थान एवं सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक विकास के क्रम में यह 'चेतना' का 74 वां आयोजन होगा जो वरिष्ठ समाजसेवी लाला राधेश्याम गुप्ता की स्मृति में आयोजित किया जाएगा। सेमिनार दिल्ली के रोहिणी स्थित होटल क्राउन प्लाजा में सुबह 9.30 पर शुरू होकर बाद दोपहर तक चलेगा। इसमें उत्तर पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चांदोलिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा गौतम खट्टर (संस्थापक, सनातन महासंघ) मुख्य वक्ता होंगे। चेतना के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने बताया कि सेमिनार की अध्यक्षता डॉ कौशल कांत मिश्रा (मीडिया पैनलिस्ट, भाजपा) करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के विख्यात अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगे। टीआरवी के चेयरमैन त्रिलोकी नाथ गोयल एवं महेंद्र बंसल (बंसल भवन, रोहिणी) सेमिनार के विशिष्ट अतिथि होंगे। लाला राधेश्याम गुप्ता की धर्मपत्नी मीना गुप्ता की भी विशेष उपस्थिति रहेगी।

सास-दामाद की हत्या मामले में बेटा निकला हत्यारा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायगढ़

जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में सास और दामाद की गला घोंटकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के पीछे एनटीपीसी मुआवजा राशि का पुराना विवाद कारण बताया जा रहा है। मामला ग्राम रायकेरा का है, जहां 3 अक्टूबर को कोटवार सकिर्तन राठिया ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के

घुराउ राम सिदार (55) और उनकी सास सुखमेत सिदार (70) का शव उनके घर की आंगन में पड़ा है। जांच के दौरान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाने और मारपीट से मौत की पुष्टि हुई। शक के आधार पर पुलिस ने मृतक के बेटे रविशंकर सिदार (26) और गांव के रामप्रसाद सिदार उर्फ गरिहा (83) से पूछताछ की। दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि एनटीपीसी मुआवजा राशि के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में 2 अक्टूबर की शाम रविशंकर ने अपने पिता घुराउ राम की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी।

साथी नक्सली महिला को छोड़ कर भागे, घायल का इलाज जारी

आईईडी बिछाने के दौरान महिला नक्सली गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बीजापुर

जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र के बंदेपारा के जंगल में शनिवार को हुए एक आइईडी विस्फोट में एक नक्सली महिला सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के मुताबिक नक्सलियों द्वारा जंगल में आईईडी बिछाया जा रहा था, तभी अचानक विस्फोट हो गया।

विस्फोट में घायल हुई महिला नक्सली को उसके साथी जंगल में ही छोड़कर हथियार लेकर भाग गए। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा घटना की

सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस दल मौके पर पहुँचा और ग्रामीणों की सहायता से घायल नक्सली को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराते हुए जिला अस्पताल बीजापुर पहुँचाया गया। फिलहाल घायल महिला का उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि घायल नक्सली की पहचान गुज्जा सोढ़ी के रूप में हुई है, जो पिछले 6-7 वर्षों से मद्देड़ एरिया कमेटी में एसीएम कन्ना बुच्चना के साथ बतौर पार्टी सदस्य सक्रिय थी।

नक्सलियों की नीति है, या तो लड़ो, या मरो, जिसमें घायल साथियों को बोझ समझकर त्याग दिया जाता है वही बड़े कैडर के नक्सली आपस में लड़ रहे है और निचले स्तर के नक्सलियों में बिखराव की स्थिति हो गई है। पुलिस ने भटके युवाओं से अपील करती है कि वे हिंसा के रास्ते को त्यागकर मुख्यधारा से जुड़े।

गांधी जयंती पर ग्रामसभा, दशहरा मिलन समारोह भी आयोजित

ग्रापं सभा में सरपंच की बजाए बैठे मिले सरपंच पति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

गांधी जयंती के साथ ही भोपाल की 222 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओ का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत ग्राम सभाओं में पहली बार दशहरा मिलन समारोह भी मनाया गया। इस दौरान सरकारी योजना के बारे में आम लोगों को जानकारी अफसरों द्वारा दी गई।

शहर से नजदीक आदमपुर छावनी ग्राम पंचायत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह पहुंचे। यहां पर उन्होंने सरकारी योजनाओं के बारे में अफसरों के जरिए आम लोगों का जानकारी दी। हालांकि इस दौरान यहां महिला सरपंच मौजूद रहीं। वहीं भोपाल से विदिशा रोड स्थित

चौपड़ाकला ग्राम पंचायत की सभा में महिला सरपंच मोनिका शेरु मीना के स्थान पर उनके पति शेरु मीना बैठे दिखाई दिए। उन्होंने सभा में भावांतर समेत कई योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

कलेक्टर भी शामिल हुए

कलेक्टर भी दो ग्राम सभाओं में शामिल हुए। कलेक्टर ने आदमपुर छावनी में खाद्यान्न की पात्रता पर्ची का सोशल ऑडिट कराने के बारे में पूछा तो पता चला कि खाद्य अधिकारी मयंक द्विवेदी गायब थे। इस पर कलेक्टर नाराज हुए। उन्होंने अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात अफसरों से कही है।

एमएएम हुरुन इंडिया ने भारत के सबसे अधिक धनी व्यक्तियों 2025 की सूची जारी की है। सूची में क्रमांकित अरबपतियों के पास जो चल-अचल संपत्तियां व परिसंपत्तियां हैं, इनका कुल मूल्य भारतीय जीडीपी के लगभग आधे हिस्से के बराबर है। भारत में अरबपतियों की बढ़ती संख्या का समाचार एक साधारण दृष्टिकोण के साथ तो देशवासियों को गर्वबोध से संचित कर सकता है, किंतु अरबपतियों की तुलना में जब जीविकाहीन व जीविकायुक्त दोनों प्रकार के करोड़ों निर्धनों की वास्तविकता सम्मुख प्रकट होती है, तो अर्थभेद का दुर्बोध भी होता है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि विश्व बैंक और आईएमएफ तक मान चुके हैं कि असमानता आर्थिक विकास की गति को धीमा कर देती है। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी असमानता का विश्लेषण करता *आजकल* का खास अंक...

अमीर-गरीब में बढ़ती खाई बड़ी चुनौती

विश्लेषण

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

एमएएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपये की दर से संपत्ति अर्जित की है। इन सभी की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फिसदी अधिक है। ऐसे में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हर संभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा।

यकीनन इस समय जहां एक ओर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी दुनिया में भारत के अरबपतियों की संख्या भी सबसे तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है।

हाल ही में एक अक्टूबर को प्रकाशित एमएएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 9.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं। जबकि गौतम अडानी 8.1 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची के इतिहास में पहली बार कोई महिला शीर्ष तीन में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। वह महिला हैं, रोशनी नादर मल्होत्रा। उनके और उनके परिवार की संपत्ति का आकार 2.84 लाख करोड़ रुपये है। यह महत्वपूर्ण बात है कि 2025 की सूची भारत के अरबपति समुदाय में विस्तार का प्रतीक है। देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में 6 गुना अधिक हैं।

देश में 1687 लोग अरबपति

इस सूची के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। इस सूची में शामिल सभी लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फिसदी अधिक है। यह भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। यह बात महत्वपूर्ण है कि पिछले दो वर्षों में भारत में औसतन हर सप्ताह एक नया अरबपति बना है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपये की दर से संपत्ति अर्जित की है। ऐसे में भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हर संभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा। पूरी दुनिया ने हाल ही में यह भी देखा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमेरिका की व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दिए हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों गरीब किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े रहा। यह भारत सरकार का गरीबों के रोजगार हित में बड़ा कदम हैं।

गरीबी संख्या में गिरावट दर्ज

निसंदेह भारत में गरीबी में कमी लाने के लिए बहु आयामी प्रयास किए जाने से गरीबी में बहुत तेजी से कमी आ रही है। पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है।

योजनाओं की सार्थकता

साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रस्तुत करता है। खासतौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए), तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम), की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढाँचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। गरीबों के सशक्तिकरणसे संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है। इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब आर्थिक विकास और नई तकनीकों का उपयोग गरीबों के हित में किया जाना जरूरी है। अब कर सुधारों का लाभ गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार हैं। इन दिनों नए सुधारों और नई कर व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी। ऐसे में कई परिवारों को अपनी आजीविका कमाने और युवाओं के लिए नौकरी के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इससे देश के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी। अभी हमें देश में गाँवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊँचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे।

आत्मनिर्भरता की डगर

निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ना होगा। हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा। इसी वर्ष भारत, 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि देश में अमीर और गरीब वर्ग के बीच खाई में कमी आएगी। आम आदमी की खुशहाली बढ़ेगी। इन सब प्रयासों के आधार पर साथ ही देश वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

देश में लगातार गहरी हो रही असमानता

संघर्ष

राजेश जैन

स्वतंत्र पत्रकार

भारत की असली ताक़त उसके 140 करोड़ आम लोग हैं। किसान, मज़दूर, छोटे दुकानदार और युवा, जिनके सपनों पर आज धूल जमी है। अगर यही लोग सशक्त होंगे, तभी भारत सचमुच शक्तिशाली बनेगा। असमानता केवल आर्थिक समस्या नहीं है, यह लोकतंत्र, समाज और देश की स्थिरता के लिए खतरा है। भविष्य का भारत केवल 1,687 अरबपतियों का नहीं, बल्कि करोड़ों मेहनतकश लोगों की उम्मीदों और संघर्षों से बना भारत होना चाहिए। विकास तभी सच्चा होगा जब उसका लाभ सब तक पहुंचे। भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। स्टॉक मार्केट रिकॉर्ड बना रहा है, कॉरपोरेट कंपनियां अरबों-खरबों का कारोबार कर रही हैं और भारत अरबपतियों की संख्या में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक गहरी सच्चाई छिपी है, देश में अमीर-गरीब की खाई पहले से कहीं अधिक चौड़ी हो चुकी है। 1 अक्टूबर 2025 को एम 3 एम इंडिया और हुरुन रिच लिस्ट जारी की गई, जिसमें 1,687 ऐसे भारतीय शामिल हैं जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इनकी कुल नेटवर्थ लगभग 167 लाख करोड़ रुपये है, जो भारत की जीडीपी का लगभग आधा है। यह आंकड़ा केवल अमीरों की गिनती भर नहीं है, बल्कि पूरे आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर सवाल खड़ा करता है। आज एक ही देश में दो बिल्कुल अलग दुनिया मौजूद हैं। एक ओर हैं वे उद्योगपति जिनके पास अरबों-खरबों की संपत्ति, विदेशी हवेलियां और निजी जेट हैं। दूसरी ओर करोड़ों लोग हैं जो रोज़ 200–300 रुपये की दिहाड़ी पर काम करते हैं, जिनके पास स्थायी नौकरी या पक्की छत तक नहीं है। करोड़ों किसान कर्ज़ के बोझ तले दबे हैं, मज़दूर शहरों की फैक्ट्रियों और निर्माण स्थलों पर पसीना बहाते हैं और युवा बेरोज़गारी से जूझ रहे हैं। महिलाओं को शिक्षा और रोज़गार के लिए अतिरिक्त संघर्ष करना पड़ता है। यह केवल आय का अंतर नहीं, बल्कि अवसरों और जीवन की गुणवत्ता का अंतर है। असमानता का असर पीढ़ी दर पीढ़ी चलता है। गरीब माता-पिता अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दिला पाते, नतीजा यह होता है कि अगली पीढ़ी भी गरीबी में जीती है। युवाओं में निराशा और हताशा पैदा होती है और यही माहौल अपराध, नशाखोरी और हिंसा को जन्म देता है। शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों और अपराध दर का बढ़ना इसकी सीधी झलक है। लोकतंत्र पर भी असमानता का असर गहरा है। राजनीति में पैसे की ताकत सबसे अहम बन चुकी है। चुनावी चंदा बड़े कॉरपोरेट्स से आता है और नीतियां अक्सर उनके हितों के हिसाब से बनती हैं। आम नागरिक का वोट बराबर है, लेकिन उसकी आवाज़ और असर लगातार कम होता जा रहा है। धीरे-धीरे लोकतंत्र "जनता का, जनता के लिए" से बदलकर "धनवानों का, धनवानों के लिए" होने लगता है। अगर यह असंतुलन बढ़ता गया तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर हो सकता है। कुछ लोग मानते हैं कि अमीरों की संपत्ति से निवेश बढ़ेगा और रोजगार पैदा होंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि जब आम आदमी की जेब खाली होगी तो वह बाज़ार से सामान कैसे खरीदेगा? खपत घटने पर उद्योग भी ठप पड़ते हैं। निवेश उन्हीं क्षेत्रों में होता है जहां अमीरों को मुनाफ़ा दिखता है, न कि उन क्षेत्रों में जहां गरीब और मध्यमवर्ग की ज़रूरतें पूरी हों। यही कारण है कि विश्व बैंक और आईएमएफ तक मान चुके हैं कि असमानता आर्थिक विकास की गति को धीमा कर देती है। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब की 2024 रिपोर्ट के अनुसार भारत के शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है और उनकी आय हिस्सेदारी 22.6% है। जबकि निचले 50% वर्ग के पास केवल 6.4% संपत्ति है। यानी असमानता ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। यह स्थिति केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सड़कों, गांवों और कस्बों में साफ देखी जा सकती है, जहां आलीशान मॉल और हाई-राइज़ टावरों के बगल में टूटी-फूटी झुग्गियां खड़ी हैं। दुनिया के कई देशों ने साबित किया है कि असमानता को कम करना संभव है। नॉर्डिक देश, स्वीडन, नॉर्वे और डेनमार्क ने उच्च कर व्यवस्था और कल्याणकारी नीतियों से सभी नागरिकों को समान अवसर दिए। वहां शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं लगभग मुफ्त हैं और रोजगार के मौके बराबरी से उपलब्ध हैं। चीन ने भी शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर बड़े निवेश किए और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। इसके उलट अमेरिका में असमानता लगातार बढ़ रही है और सामाजिक तनाव का कारण बन रही है। भारत में भी केरल की शिक्षा और स्वास्थ्य नीतियां पूरे देश के लिए मॉडल हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताक़त दी है।

भविष्य का भारत केवल 1,687 अरबपतियों का नहीं, बल्कि करोड़ों मेहनतकश लोगों की उम्मीदों और संघर्षों से बना होना चाहिए। विकास तभी सच्चा होगा जब उसका लाभ सब तक पहुंचे।

आर्थिक असमानता का इलाज जरूरी

मंथन

महेंद्र पंडित

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दिनों जारी की गई हुरुन इंडिया की रिपोर्ट हैरान और परेशान करने वाली है। ये रिपोर्ट बताती है कि भारत के 1687 सबसे अमीर लोगों की कुल नेटवर्थ अब 167 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है, जो देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधे के आसपास है। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि भारत में धन की एकाग्रता बेहद उच्च वर्ग के पास है और कुछ ही परिवारों के पास देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा है। हमारी समाज-व्यवस्था और कानून वगैरह इस तरह बने रहते हैं कि इस गैर-बराबरी को कोई अनैतिक या अनुचित भी नहीं मानता। रिपोर्ट में सबसे चिंता का विषय है कि देश में आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है और संपत्ति वितरण का संतुलन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। ये आंकड़े यह सवाल भी उठाते हैं कि क्या देश में आम नागरिकों तक समृद्धि का लाभ सही मायने में पहुंच पा रहा है या नहीं। रिपोर्ट ने एक बार फिर देश के आर्थिक ढांचे और अमीरी के केंद्रित होने पर ध्यान आकर्षित किया है और यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि समृद्धि का लाभ सभी तक कैसे पहुंचाया जाए। तेजी से बढ़ती अमीरी, निवेश और नए उद्योगों के बावजूद, यह स्पष्ट है कि आर्थिक समावेशन और संपत्ति का न्यायसंगत वितरण अभी भी जरूरी है। अगर हम ऐसा करने में कामयाब न हुए तो अनेक प्रकार की चुनौतियों का उत्पन्न होना तय है। वैसे तो इस रिपोर्ट में ऐसा कुछ नहीं है, जो एक या दो दशक में हुआ हो। यह सब हैरान करने वाला इसलिए भी नहीं है कि देश में अमीर और गरीबी के बीच खाई कोई नई बात नहीं है। यह व्यवस्था सदियों से चली आ रही है। जब राजतंत्र हुआ करता था तो कुछ विशेष वर्ग के लोग थे, जो धनी हुआ करते थे। जो संपूर्ण समाज का महज दस प्रतिशत थे, वही बाकि के सभी लोगों पर नियंत्रण रखते थे, लेकिन अब हम राजतंत्र नहीं लोकतंत्र में पहुंच गए हैं और अमीर-गरीब की खाई कम होने की बजाए लगातार बढ़ रही है। जो गंभीर चिंता का विषय है। धन का वितरण अत्यधिक असमान हो रहा है। इस खाई के मुख्य कारणों में नीतियों का ठीक से लागू न होना, कोरोना जैसी आपदाओं का असमान प्रभाव, तकनीकी प्रगति का लाभ उच्च वर्ग तक सीमित रहना और सामाजिक-आर्थिक संरचनाएं शामिल हैं। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा दिया जाना भी बहुत जरूरी है। वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में भी अधिकतम लाभ उसी छोटे से तबके के हिस्से में ही जा रहा है जो पहले से ही अमीर है। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर, हम लोगों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद कर सकते हैं। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा, बस जरूरत है तुरंत और बेहतर उपाए करने की। अगर हम सफल रहे तो कुछ ही समय में हालात बदल सकते हैं।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में अधिकतम लाभ उसी छोटे से तबके के हिस्से में ही जा रहा है जो पहले से ही अमीर है। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर, हम लोगों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

असमानता के दायरे को नियंत्रित करने के उपाय निकालें

आर्थिकी

सतीश सिंह

एजीएम, एसबीआई

देश में समानता और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के सबसे बड़े पैरोकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस के ठीक एक दिन पहले एमथ्रीएम इंडिया और हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त उद्यम ने 1 अक्टूबर को 2025 के लिए 1,687 धनकुबेरों की सूची जारी की, जिनकी निवल संपत्ति 1,000 करोड़ से अधिक और सभी की कुल निवल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है, जोकि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब आधा है।

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भले ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन क्या इन अमीरों के बलबूते यह 2047 में विकसित राष्ट्र बन सकता है, शायद नहीं,क्योंकि विकसित राष्ट्र बनने के लिए, किसी भी देश में उच्च प्रति व्यक्ति आय, उच्च मानव विकास सूचकांक, उच्च दर्जे की तकनीक, उन्नत व मजबूत बुनियादी ढांचा, उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं,उत्कृष्ट उद्योग, उत्कृष्ट सेवा क्षेत्र आदि होना चाहिए, लेकिन भारत मौजूदा असमानता के साथ ऐसे उत्कृष्ट मानक नहीं स्थापित कर सकता है। भारत की आबादी अभी लगभग 140 करोड़ है और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्थिर कीमतों पर यहां प्रति व्यक्ति शुद्ध आय 1,14,710 रुपये थी,जो वित्त वर्ष 2014-15 में केवल 72,805 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति व्यक्ति आय में 41,905 रुपये की वृद्धि हुई। हालांकि,वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति व्यक्ति शुद्ध आय लगभग 205,324 रुपये रही थी। यहां बताना जरूरी है कि यह आंकड़ा वास्तविक प्रति व्यक्ति आय को नहीं दर्शाता है, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में प्रति व्यक्ति आय देश की कुल संपत्ति को देश की कुल आबादी से भाग देकर निकाली जाती है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2011-12 में गरीबों की संख्या 27.1% थी, जो वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 5.3% या 5.44 करोड़ रह गई। इस तरह, वित्त वर्ष 2011-12 से 2022-23 की अवधि में 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए। विश्व बैंक का यह भी कहना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न हस्तांतरण जैसे सरकारी कार्यक्रमों की वजह से गरीब, गरीबी रेखा से बाहर निकल सके हैं, न कि उनकी आय में कोई इजाफा हुआ है। इससे इतर धनकुबेरों की संपत्ति में निरंतर और अकूत इजाफा हो रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मौजूदा अमीर ही अमीरों की इस सूची में शामिल हैं, नए नाम भी इससे जुड़ रहे हैं, लेकिन वे आमजन नहीं हैं, बल्कि अमीर ही हैं। ऐसे में सवाल का उठना लाजिमी है कि असमानता की इस पराकाष्ठा को क्या पाटा जा सकता है?

आर्थिक असमानता की खाई को कम करना संभव नहीं है, लेकिन सरकार और आमजन गांधी जी के आर्थिक व सामाजिक दर्शन को अमलीजामा पहनाएं तो इस खाई को कुछ हद तक पाटा जा सकेगा।

महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि असमानता की इस खाई में कभी भी अंशमात्र की कमी नहीं आ सकती है अर्थात अमीरों द्वारा बनाई गई अमीरी के इस चक्रव्यूह को तोड़ना नामुमकिन है, परंतु राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि के पड़ताल से ऐसा लगता है कि समय भले जो लगे, किंतु लंबी अवधि में इस खाई नुमा किले में सेंध जरूर लगाई जा सकती है। महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि मूल रूप से स्वदेशी, विकेन्द्रीकृत सूक्ष्म व लघु उद्योगों, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण-अनुकूल विकास पर केंद्रित थी। स्वदेशी अर्थात देश में सभी उत्पादों का निर्माण किया जाए इसलिए, उन्होंने हर घर में चरखा और खादी के इस्तेमाल का आह्वान किया था, जो कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने का प्रतीक है। साथ ही ग्रामीणों को हुनरमंद बनाने का भी सन्देश देता था। वे जानते थे कि सिर्फ खेती-किसानी से किसान और ग्रामीण आत्मनिर्भर नहीं बन सकते हैं. आज का "मेक इन इण्डिया"इसी स्वदेशी आन्दोलन का विस्तार है, जिसे मजबूत बनाकर देश के निर्यात में तेजी लाई जा सकती है और आयात पर से हमारी निर्भरता को कम किया जा सकता है। आर्थिक गतिविधियां ग्रामीण परिवार को आत्मनिर्भर बनायेंगी और उनका योगदान जीडीपी यानी देश के विकास में सुनिश्चित किया जा सकेगा। गांधी जी ट्रस्टीशिप सिद्धांत के पैरोकार थे, जो ऐसा सामाजिक-आर्थिक दर्शन था, जिसके अनुसार अमीर व्यक्तियों को अपनी संपत्ति पर 'ट्रस्टी' की तरह व्यवहार करना चाहिए और उन्हें केवल व्यक्तिगत लाभ के बजाय समाज के कल्याण के लिए उपयोग करना चाहिए, लेकिन एकाध अपवाद को छोड़कर आज ऐसा न तो हो रहा है और न ही होने की संभावना है। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि मौजूदा आर्थिक असमानता की खाई को कम करना संभव नहीं है, लेकिन अगर सरकार और आमजन गांधी जी के आर्थिक व सामाजिक दर्शन को अमलीजामा पहनाते हैं तो निश्चित रूप से असमानता की खाई को कुछ हद तक पाटा जा सकेगा।

बढ़ रहे अरबपति और सिमट रहा अंत्योदय संकल्प

चुनौती

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

कुछ दिन पहले एमएएम हुरुन इंडिया ने भारत के सबसे अधिक धनी व्यक्तियों की 2025 की सूची जारी की है। सूची में क्रमांकित अरबपतियों के पास जो चल-अचल संपत्तियां व परिसंपत्तियां हैं, इनका कुल मूल्य भारतीय जीडीपी के लगभग आधे हिस्से के बराबर है। विश्व में चतुर्थ सर्वाधिक धनी देश, विगत कई तिमाहियों से निरंतर 5 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के साथ पुष्ट होती भारतीय अर्थव्यवस्था, वस्तु एवं सेवा कर क्रियान्वयन की सुगमता तथा दो कम मूल्य की कर श्रेणियों की घोषणा के बाद, भारत में अरबपतियों की बढ़ती संख्या का समाचार एक साधारण दृष्टिकोण के साथ तो देशवासियों को गर्वबोध से संचित कर सकता है, किंतु अरबपतियों की तुलना में जब जीविकाहीन व जीविकायुक्त दोनों प्रकार के करोड़ों निर्धनों की वास्तविकता सम्मुख प्रकट होती है, तो अर्थभेद का दुर्बोध भी होता है। यह सत्य देश में धनिकों एवं निर्धनों के मध्य बढ़ते वास्तविक अंतराल का दोष भी परिलक्षित करता है। देश में श्रमिक वर्गीय निम्न मध्यम परिवारों से संबंध रखने वाली अधि जनसंख्या आर्थिक रूप में अभी भी स्वावलंबी नहीं बन सकी है।

कर्मियों को जीविका का संकट

इस कुल मनुष्य संख्या में जो जीविका रहित हैं, वे तो अर्थपरतंत्रता से बंधे ही हुए हैं, किंतु जो निम्न स्तरीय व कम वेतन वाली नौकरियों में लगे हुए हैं, वे भी बस जैसे-तैसे अपने व परिवार की जीविका से बंधकर निरंतर आर्थिक अवनति से ग्रस्त हैं। आज भी लघु-दीर्घ-मध्यम स्तरीय कई निजी उद्योगों, कंपनियों, संस्थानों में कर्मचारियों के सम्मुख जीविका का संकट खड़ा है। अनेक कर्मचारी कार्य करते हुये भी वेतन विलंब व विसंगतियों से त्रस्त हैं।

शासन द्वारा स्थापित श्रमिक न्यायालय व तंत्र निष्प्रभावी बने हुए हैं। देशभर में अशासकीय निजी कर्मचारियों के निर्धारित जीविका अधिकार, वेतन व पदोन्नति के अधिकार तथा अनेक अन्य सहायक प्रोत्साहन मौद्रिक अधिकार गहन संकट में हैं। निजी उद्योगों व कंपनियों के साथ लघु कार्य अनुबंधकों, एकल स्वतंत्र कर्मचारियों तथा अन्य क्रेताओं-विक्रेताओं के पदाधिकार से संबद्ध लोगों को एक निर्धारित समय पर उनका वेतन नहीं मिलता। वर्षों तक वे एक ही मूल्य पर अपनी सेवायें देते रहते हैं। इसके विपरीत ऐसे करोड़ों-करोड़ कर्मचारियों, श्रमिकों, रोजगाररत लोगों की तुलना में लाखों की संख्या में उपस्थित शासकीय कर्मचारियों का मूल वेतन तथा सहायिकियां प्रतिवर्ष बढ़ती हैं। इस परिस्थिति में शासन के सम्मुख ये प्रश्न रखना स्वाभाविक हो जाता है कि जब अर्थव्यवस्था की संपन्नता के बल पर देशभर में महंगाई नियंत्रित है तथा वस्तु व सेवा कर के अंतर्गत कम मूल्य की दो श्रेणियों के बन जाने पर अधिसंख्य वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य में कमी होने लगेगी, तो फिर शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते कम करने की क्या आवश्यकता थी। यदि शासकीय कर्मचारियों के कल्याण बोध को केंद्र में रखकर ऐसा कर भी दिया है और वह प्रतिवर्ष ऐसा करता भी आया है, किंतु शासन का ध्यान निजी क्षेत्र में कार्यरत निम्न व मध्यम वर्गीय कर्मचारियों के मूल वेतन व महंगाई भत्तों की वार्षिक नियमित वृद्धि पर क्यों नहीं ठहरता? क्या शासकीय कर्मचारियों तथा निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं तथा विलासी वस्तुओं-सेवाओं के मूल्य में अंतर होता है? अरबपतियों की बढ़ती संख्या के साथ गरीबों के मौलिक जीवकाधिकारों के हनन का सत्य देश की अर्थसंपन्नता को विरोधाभासी बना रहा है।

देश में धनिकों एवं निर्धनों के मध्य बढ़ते वास्तविक अंतराल का दोष परिलक्षित करता है। निम्न मध्यम परिवारों से संबंध रखने वाली अधि जनसंख्या आर्थिक रूप में अभी भी स्वावलंबी नहीं बन सकी है।

असंतुलन बना संघर्ष का कारण

आर्थिक विकास का यह असंतुलन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक संघर्ष का कारण बनता है। शासन को इस दिशा में गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी के आगमन के उपरांत सेवायोजक सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी लाखों लोगों की साधारण व अविशिष्ट कार्य निष्पादन से जुड़ी नौकरियां या तो समाप्त हो चुकी हैं अथवा आसन्न संकट से घिरी हुई हैं। निजी क्षेत्रों में कार्यकारी घंटों में तो निरंतर वृद्धि होती आयी है किंतु प्रतिफल में मौद्रिक एवं पदोन्नति का प्रोत्साहन पहले की तरह अत्यंत सीमित है। इन परिस्थितियों में अरबपतियों की संख्या में होने वाली वृद्धि हो अथवा अर्थव्यवस्था की निरंतर प्रगति, सार्वजनिक जीवन बोध को अंत्योदय के अनुभव से वंचित रखती है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

अब बात करने का कोई मतलब नहीं, हथियार डालने ही होंगे

एजेंसी ⏭ जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर बस्तर में मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर दशहरा लोकोत्सव' और 'स्वदेशी मेला' को संबोधित भी किया, इसके साथ ही उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है। शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे।

जगदलपुर में 'बस्तर दशहरा लोकोत्सव' और 'स्वदेशी मेला' को संबोधित भी किया

नक्सलियों को हथियार छोड़ मुख्यधारा में लौटने की चेतावनी , विकास को प्राथमिकता

केंद्र और राज्य सरकार प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है? एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास कार्यों के लिए 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक दिए हैं।

शांति भंग की तो मिलेगा करारा जवाब

शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। मैं आदिवासी भाइयों को बताने आया हूँ कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसका मूल कारण नक्सलवाद है।

जगदलपुर में स्वदेशी मेले के स्टॉल का किया अवलोकन

केंद्रीय गृह मंत्री शाह बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए जगदलपुर पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री मुरिया दरबार, लाल बाग में प्रदर्शनी का अवलोकन, बस्तर दशहरा लोकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। गृह मंत्री के साथ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे हैं।

गृहमंत्री शाह ने दंतेश्वरी मंदिर में की पूजा

शाह ने मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना करने के साथ ही बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने व मिशन 2026 की सफलता की कामना की। ये बस्तर की कुलदेवी हैं और शक्ति का अवतार मानी जाती हैं, यह 14वीं शताब्दी में बना एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है, जो दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली में बना है, मंदिर का महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक है, जो बस्तर के लोक जीवन का अभिन्न अंग है और बस्तर दशहरा व मड़ई जैसे त्योहारों का केंद्र है।

बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

लालबाग मैदान में शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना 2025 के तहत बस्तर संभाग के जिलों में संचालित होने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शाह ने लालबाग में आयोजित स्वदेशी मेला के स्टॉल का भी अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

गोवा में केजरीवाल ने भरे मंच से मांगी माफी

पणजी। आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ोवा के माएम में आम आदमी पार्टी के ऑफिस का उद्घाटन किया। उन्होंने भाजपा पर सरकार पर खूब निशाना साधा और गोवा की जनता को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने मायेम में भी एक क्लीनिक खोलने का वादा किया है। इस दौरान दांव भी चला और लोगों से माफी मांगी।

पूजा का महामंडलेश्वर पद खत्म किया

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पूरी महाराज ने कहा कि पूजा शकुन को निरंजनी अखाड़े में सदस्यता के साथ यह गरिमामयी पद दिया गया था। उनके कृत्यों से निरंजनी अखाड़ा व अखाड़ा परिषद बेहद आहत हुआ है। उन्हें अखाड़ा व महामंडलेश्वर के पद से निष्कासित करने का निर्णय लिया।

नायडू राइड बुकिंग एप लाएंगे, 15,000 रु.देंगे

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को 'ऑटो चालक सेवालो' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत राज्य के प्रत्येक ऑटो चालक को 15,000 रुपए की वित्तीय सहायता मिलेगी। नायडू ने आंध्र प्रदेश में ऑटो चालकों के लिए ओला-उबर जैसे नए सरकारी एप की भी घोषणा की।

6.5 करोड़ महिलाओं ने कराई स्वास्थ्य जांच

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू किए गए 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत देशभर में आयोजित लगभग 18 लाख स्वास्थ्य शिविरों में 6 करोड़ 50 लाख महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच कराई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इस अभियान को ऐतिहासिक बताया है।

सुनवाई में सिगरेट और शराब पीता रहा हिस्ट्रीशीटर

नई दिल्ली। दिल्ली में कोर्ट की कार्यवाही में बाधा डालने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है जो सिगरेट और शराब पीते हुए अंडरवियर पहनकर कोर्ट की सुनवाई में पेश हुआ। इस पर कोर्ट के रिकॉर्ड कीपर ने शिकायत दर्ज कराई थी। दिल्ली पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही कोर्ट की सुनवाई में बाधा डालने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया है। वह सिगरेट और शराब पीते हुए अंडरवियर में सुनवाई में पेश हुआ था। गोकुलपुरी निवासी 32 साल का मोहम्मद इमरान एक हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ लूट, झपटमारी और अन्य अपराधों के 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

पीएम ने 62,000 करोड़ की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का किया अनावरण

आज का भारत कौशल को दे रहा प्राथमिकता बिहार को नया कौशल विश्वविद्यालय मिला

केंद्र ने आईटीआई छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह की परंपरा शुरू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली पटना

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े। प्रधानमंत्री कहा कि कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। मैं भारत के कोने-कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी युवा आईटीआई छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है।

आईटीआई टॉपर्स को सम्मानित कर बोले- बिहार को यह तोहफा

पटना से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए सीएम और छात्रों से बात भी की

10 से ज्यादा छात्र शामिल रहे, 45 टॉपर्स को किया सम्मानित

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल भी 10 लाख से ज्यादा छात्र ऑल इंडिया ट्रेड में शामिल हुए। इनमें से 45 टॉपर्स साथियों को मुझे सम्मानित करते का अवसर मिला। इसमें बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इन्हें देखकर मुझे इनमें लघु भारत नजर आता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की वर्कशॉप है। साल 2014 तक हमारे देश में 10 हजार आईटीआई बने थे। देश आजाद होने के बाद 2014 तक 10 हजार और मोदी के आने के बाद नई 5,000 आईटीआई बने। आज पीएम सेतु योजना का भी शुभारंभ हुआ।

एनडीए ने बिगड़ी व्यवस्था को सुधारा

पीएम मोदी ने कहा कि इस पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी औरएनडीए टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया। कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है।

कौशल और परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में ग्रोथ कम थे। रोजगार भी बहुत कम थे। लेकिन, आज भारत दुनिया के टॉप तीन अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। बड़े उद्योग से लेकर हमारे एमएसएमई में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। मुद्रा योजना ने करोड़ों युवाओं को अपना रोजगार शुरू करने में मदद की। पीएम मोदी ने कहा कि हर चीज का विकल्प हो चुका है लेकिन कौशल और परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

पीएम ने युवाओं से किया वर्चुअल संवाद

यह युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी

पीएम मोदी नें बिहार के युवाओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार नेतृत्व में बिहार का काफी विकास हुआ है। युवा आयोग, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड समेत कई योजना बिहार के युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी है। आज बिहार के युवाओं के सशक्तिकरण का यह मेगा प्रोग्राम है। यह दिखाता है कि एनडीए सरकार बिहार के नौजवानों और महिलाओं को कितनी प्राथमिकता देती है। आज 21वीं सदी की मांग है कि हम देश की जड़ों को ध्यान में रखें।

सीएम नीतीश कुमार ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज 11 विकास योजनाओं की सौगात मिल रही है। बिहार के युवाओं को नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्रों को छात्रवृति का वितरण किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं से बिहार के युवाओं को काफी फायदा होगा। इन सबके लिए मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। स्टूडेंट क्रेडिट कार्य योजना, स्वयं सहायता भत्ता योजना समेत कई योजना चलाई। 10 लाख नौकरी 40 लाख रोजगार बिहार के युवाओं को दिया गया है।

छात्र-छात्राओं ने दिया सरकार को धन्यवाद

पीएम मोदी के संवाद कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी समेत बिहार के कई वरिष्ठ मंत्री और सांसद इस कार्यक्रम में जुड़े। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने नीतीश सरकार की उपलब्धियां गिनाई। कहा कि आने समय में एक करोड़ लोगों को बिहार सरकार सरकारी नौकरी और रोजगार देगी। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ लेने वाली कुमारी संजना ने कहा कि इस योजना के तहत हजार रुपए प्रतिमाह मिलने से काफी लाभ मिला। मैं पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को धन्यवाद देता हूं। वैशाली निवासी अतुल राज ने कहा कि मैंने पटना सायंस कॉलेज से स्नातक किया है।

हरियाणा की नायब सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे प्रधानमंत्री

17 अक्टूबर को सोनीपत पहुंचेंगे पीएम मोदी, हरियाणा को देंगे विकास परियोजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई कैबिनेट की अनौपचारिक बैठक

हरियाणा सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों और विकास कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शिरकत कर प्रदेश को देंगे बड़ी सौगात

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर को हरियाणा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर सोनीपत में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री प्रदेशवासियों को करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात प्रदान करेंगे। यह कार्यक्रम वर्तमान सरकार की उपलब्धियों और विकास पहलों सहित जनता के समर्थन को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को राज्य कैबिनेट की अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, डॉ अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण बेदी और आरती सिंह राव सहित अन्य मंत्रिगण भी उपस्थित रहे।

इस बैठक में प्रदेश सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों, विकास कार्यों, और विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक सेवा पखवाड़े के सफल समापन के उपरांत आयोजित हुई, जिसमें कैबिनेट सदस्यों ने न केवल प्रदेश की प्रगति का मूल्यांकन किया बल्कि आगामी योजनाओं और विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की। बैठक में हरियाणा सरकार के गठन के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 अक्टूबर को सोनीपत में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर विशेष चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि गत वर्ष अक्टूबर में हरियाणा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लगातार तीसरी बार मजबूत जनादेश से चुना था। अब जब सरकार का एक वर्ष पूरा हो रहा है, इस उपलब्धि को विशेष रूप से मनाने के लिए सोनीपत में 17 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश की जनता के लिए विकास की नई योजनाओं और परियोजनाओं की सौगात दी जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने पटना के गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में आयोजित मखाना महोत्सव लिया हिस्सा

बिहार आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया का मखाना उत्पादन का केंद्र : शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को पटना के गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में आयोजित मखाना महोत्सव 2025 में भाग लिया तथा 'मखाना संस्कृति से समृद्धि' रिपोर्ट का विमोचन किया। इस मौके पर अपने संबोधन में चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में युवाओं को, विशेषकर बिहार के युवाओं को, 64,000 करोड़ रुपए की ऐतिहासिक सौगात प्रदान की गई है। मंत्री ने कहा कि बिहार में बदरा बरस रहा है और विकास की बरसात हो रही है, आज विकसित भारत का सूरज बिहार के भाग्य पर चमक रहा है।

अपने एक दिवसीय बिहार प्रवास के दौरान पटना पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने किसानों के लिए केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मसूर, उड़द और अरहर सहित बिहार के किसान जितना उत्पादन करेंगे, केंद्र सरकार उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। उन्होंने मखाने को गरीबों के लिए 'अद्भुत वरदान' बताते हुए कहा कि बिहार आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए भी मखाना उत्पादन का केंद्र बन चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि पहले जहाँ मखाना केवल 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता था, वहीं अब यह बढ़कर 35,000 से 40,000 हेक्टेयर तक पहुंच चुका है।

शिवराज सिंह ने बताया कि मखाना उत्पादन और विपणन को प्रोत्साहन देने हेतु केंद्र सरकार ने मखाना बोर्ड गठित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। यह बोर्ड मखाने पर अनुसंधान, विकास, मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्रोमोशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, मखाना प्रसंस्करण और उत्पादन के लिए आधुनिक मशीनों एवं नई किस्मों के विकास हेतु लगभग 475 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बिहार के युवाओं से मखाना क्षेत्र में स्टार्टअप्स स्थापित करने की अपील की और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

सीतारमण ने लॉन्च किया 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' कैंपेन

1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां मालिकों को ही मिलेंगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कैंपेन लॉन्च किया है। 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान के जरिए बैंकों और रेगुलेटरी के पास बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके मालिकों को दिया जाएगा। यह अभियान 3 महीने तक चलेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये संपत्तियां उनके असली मालिकों तक पहुंचें।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि यह अभियान 3 महीने चलेगा

ये संपत्तियां बैंकों में बिना दावे के पड़ी

आपकी सारी राशि सुरक्षित

सीतारमण ने कहा कि दावे के बिना धनराशि बैंकों, आरबीआई या आईईपीएफ (निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष) के पास पड़ी है। हमें इन निधियों के असली मालिकों और दावेदारों का पता लगाना होगा और उन्हें धन सौंपना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अनुसार, 1,84,000 करोड़ वहां पड़े हैं। यह राशि सुरक्षित है। मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं। आपको धन दिया जाएगा। सरकार इसकी संरक्षक है। मंत्री ने कहा कि अगर किसी वजह से संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

अधिकारियों से 3 पहलुओं पर काम करने को कहा

केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि या शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ रुपएकी वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तीन महीने के अभियान के दौरान इन बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए तीन पहलुओं- जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई - पर काम करने का आग्रह किया।

पोर्टल के जरिए आसानी से मिलेगा पैसा

उन्होंने कहा कि जमा राशि के मामले में यह बैंकों से आरबीआई के पास जाता है, और शेयर या इसी तरह की संपत्तियों के मामले में यह सेबी से 'किसी अन्य केंद्र या आईईपीएफ'में जाता है। सीतारमण ने कहा कि आरबीआई ने यूडीजीएएम (अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स गेटवे टू एक्सेस इन्फॉर्मेशन) पोर्टल बनाया है। इसलिए, यह एक बिना दावे वाले क्षेत्र से दूसरे बिना दावे वाले क्षेत्र में जा रहा है। जैसे ही आप दावा करेंगे, आपको यह मिल जाएगा। इसलिए, मुझे सच में लगता है कि अब समय आ गया है कि हम सभी इस बारे में सभी को बताएं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सिकंदर** पुत्र विनोद कुमार, निवासी- झुग्गी नंबर 116/366 जेजे कैंप गाँव बादली, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 121/2008 धारा 457/380/411/34 भा.द.स, थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सिकंदर** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **सिकंदर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **सिकंदर, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 121/2008 धारा 457/380/411/34 भा.द.स, थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री भारती गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-2 (पश्चिम)
कक्ष संख्या 31
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/13342/OD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तगण **1. अल्ताफ, पुत्रः मोलमानुल, निवासीः 13/393, कल्याणपुरी, दिल्ली 2. रोहित, पुत्रः राम सिंह, निवासीः 14/124, कल्याणपुरी, दिल्ली** ने **FIR No.:132/24, U/s: 302/325/341/34 IPC, पुलिस थाना कल्याणपुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. अल्ताफ, 2. रोहित** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. अल्ताफ, 2. रोहित** फरार हो गऐं है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कल्याणपुरी, दिल्ली** के अभियुक्तगण **1. अल्ताफ, 2. रोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 20.11.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सीजेएम, पूर्व, कमरा नं. – 29,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13357/ED/2025

शेयर बाजार बन रहा सांप-सीढ़ी का खेल, संभलकर करें निवेश

बाजार के उतार-चढ़ाव में फूल रही निवेशकों की सांसे, ऐसे में क्या करें ● अपने निवेश को रोके नहीं, एसआईपी निवेश का सबसे बेहतर विकल्प ● करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में दिया 30% से ज्यादा रिटर्न ● बाजार के इस दौर में भी मुनाफा के साथ अच्छा रिटर्न दे रहे म्यूचुअल फंड

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार इन दिनों सांप-सीढ़ी का खेल दिखा रहा है। ऐसे में निवेशक हैरान और परेशान हैं कि क्या करें, कैसे करें कि मुनाफा मिलता रहे। निवेश में नुकसान नहीं झेलना पड़े। बाजार की उठा-पटक में कभी इंडेक्स खूब चढ़ जाता है तो कभी काफी लुढ़क जाता है, लेकिन इन तमाम झंझावातों के बीच भी कुछ ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं जो निवेशकों को बीते 5 साल में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर का रिटर्न दिया है। ऐसे में नए निवेशक भी इनमें निवेश कर मुनाफा कमा सकते हैं। म्यूचुअल फंड बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी निवेशकों को लुभा रहे हैं। खासकर एसआईपी में निवेश सबसे बेहतर माना जाता है। करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में 30% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में आप भी इनमें निवेश कर अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।

सबसे पुराना और सबसे बड़ा कॉन्ट्रा फंड, एसबीआई कॉन्ट्रा फंड, ने उक्त अवधि में 30.03% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड आखिरी फंड था जिसने 30% से ज़्यादा का CAGR दिया। इस फंड ने पिछले पांच सालों में 30.02% का सीएजीआर दिया। बाकी 191 फंडों ने पिछले पांच सालों में 13.98% से 29.99% के बीच का सीएजीआर दिया। मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने उक्त अवधि में 29.99% का सीएजीआर दिया।

क्या है इक्विटी म्यूचुअल फंड

इक्विटी म्यूचुअल फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी म्यूचुअल फंड के प्रकार

1. लार्ज-कैप फंड: ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
4. मल्टी-कैप फंड : ये फंड विभिन्न कैप साइज (लार्ज, मिड, स्मॉल) के शेयरों में निवेश करते हैं।
5. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं।
6. थीमैटिक फंड : ये फंड विशिष्ट थीम या ट्रेंड पर आधारित निवेश करते हैं।

झूले झूल रहा बाजार

इस समय शेयर बाजार में उठापटक का दौर चल रहा है। बीएसई सेंसेक्स कभी नीचे तो कभी ऊपर जा रहा है। ऐसे में निवेशक परेशान हैंए कि क्या करें। सेंसेक्स कभी पॉजिटिव तो कभी निगेटिव के झूले झूल रहा है। इस वजह से इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश कम होने की खबरें भी आ रही हैं। हालांकि ऐसी स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। संयम और धैर्य के साथ किया गया निवेश आपको मुना देगा। अभी भी कुछ म्यूचुअल फंड ऐसे हैं, जो मुनाफा ही नहीं, बल्कि अच्छा रिटर्न दे रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ इक्विटी म्यूचुअल फंड के बारे में जिसने पिछले 5 सालों में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर रिटर्न दिया है।

202 फंड, सभी ने दिया डबल डिजिट रिटर्न

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 5 साल की अवधि के दौरान सक्रिय सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को ट्रैक किया है। इस दौरान पाया गया कि इस दौरान इस सेक्टर में 202 म्यूचुअल फंड थे। उन सभी ने अपने निवेशकों को डबल डिजिट यानी 10 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हम यहां 11 वैसे फंड का चयन किया है, जिन्होंने इस अवधि में 30% से ज़्यादा का सीएजीआर दिया है। सीएजीआर का मतलब है कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट होता है।

कौन हैं टॉप रिटर्न देने वाले

5 साल में 30 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देने वाले 11 फंडों में से तीन निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के थे। वहीं, क्वांट म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड जैसे फंड हाउसों का एक-एक स्कीम शामिल था।

लिस्ट में सबसे ऊपर कौन

इस लिस्ट में क्वांट स्मॉल कैप फंड का नाम सबसे ऊपर रहा। इसने पिछले पांच वर्षों में 35.26% का सीएजीआर दिया है। इसके बाद मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड का स्थान है जिसने इसी अवधि में 34.11% का सीएजीआर दिया। इसके बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, जो कि एसेट मैनेजमेंट के हिसाब से सबसे बड़ा स्मॉल कैप फंड है, ने पिछले पाँच सालों में 32.89% का सीएजीआर दिया। इसके बाद बंधन स्मॉल कैप फंड और एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड रहे, जिन्होंने इसी अवधि में क्रमशः 31.38% और 31.15% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया मल्टी कैप फंड ने पिछले पांच सालों में 30.96% का सीएजीआर दिया। इस मल्टी कैप फंड के बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड और टाटा स्मॉल कैप फंड ने पिछले पांच सालों में क्रमशः 30.72%, 30.70% और 30.42% का सीएजीआर दिया।

निवेश की सही प्लानिंग बनाएं और आर्थिक चिंता को निपटाएं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

- **भारत में 10 करोड़ का पोर्टफोलियो आर्थिक आजादी का पहला लक्ष्य**
- **अगर 10 करोड़ को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश करें तो सालाना 7-9% रिटर्न**

वित्तीय आजादी का मतलब अक्सर बड़ी संपत्ति, कई प्रॉपर्टीज और बहुराष्ट्रीय निवेश समझा जाता है। लेकिन भारत में असली वित्तीय आजादी का पैमाना इससे काफी कम है। कई अमीर लोगों के लिए यह सिर्फ 10 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो है, जो जीवनभर की आरामदायक और सुरक्षित जिंदगी के लिए शुरुआती लक्ष्य माना जाता है। यह संख्या बेशक कम लगती है, लेकिन बेहद तार्किक है। दरअसल, फाइनेंशियल फ्रीडम खर्च करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन को सहज और सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए होती है। 10 करोड़ रुपये के सही तरीके से निवेश किए पोर्टफोलियो से आप अपनी लाइफस्टाइल, हेल्थ इंश्योरेंस, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं को लंबे समय तक चला सकते हैं।

वित्तीय आजादी का असली मतलब

कई बार लोग फाइनेंशियल फ्रीडम का मतलब सिर्फ बेशुमार दौलत से समझते हैं। लेकिन, असल में इसका मतलब है कि आपकी संपत्ति और निवेश से इतनी कमाई हो कि आपकी जिंदगी की जरूरतें पूरी हों, बिना किसी नौकरी या नियमित आय पर निर्भर रहे बिना। यह संख्या ज्यादा नहीं, बल्कि आपके समय और विकल्प की स्वतंत्रता को दिखाती है।

भारत में फाइनेंशियल फ्रीडम के पहलू

भारत में फैमिली स्ट्रक्चर बाकी दुनिया के मुकाबले काफी अलग है। इसके चलते फाइनेंशियल फ्रीडम में और भी जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं। बच्चों की पढ़ाई, शादी, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और प्रॉपर्टी ट्रांसफर जैसी जिम्मेदारियां यह तय करती हैं कि आजादी कितनी है।

10 करोड़ क्यों सबसे बेस्ट

1. स्थायी पैसिव इनकम : अगर 10 करोड़ रुपये को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश किया जाए तो सालाना 7-9% रिटर्न मिल सकता है। इसका मतलब 70-90 लाख रुपये सालाना या 6-7.5 लाख रुपये प्रति माह। यह आम भारतीय हाई-मिडिल क्लास फैमिली के लिए आरामदायक जीवनशैली, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और मनोरंजन के लिए पर्याप्त है।

2. महंगाई से सुरक्षा : भारत में औसत महंगाई 5-6% रहती है। 10 करोड़ का सही तरह से निवेश किया पोर्टफोलियो इतना रिटर्न देगा कि महंगाई से ऊपर रहेगा। साथ ही, आपके पास जरूरी खर्चों के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी बनी रहेगी।

3. इमरजेंसी खर्च : जीवन अनिश्चित है। मेडिकल इमरजेंसी या बच्चों की विदेश में पढ़ाई जैसी बड़ी जरूरतें कभी भी आ सकती हैं। 10 करोड़ का पोर्टफोलियो अप्रत्याशित खर्चों को पूरा करने में मदद करता है। व्यापक बीमा इस सुरक्षा को मजबूत बनाता है।

4. जीवनशैली की इच्छाएं : अधिकतर मिलियनेयर शानदार जीवनशैली की नहीं सोचते। उनका ध्यान आरामदायक घर, समय-समय पर घूमना-फिरना, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा और बच्चों के भविष्य पर होता है। ऐसे में 10 करोड़ रुपये उनके लिए अच्छी रकम बन जाते हैं।

5. मानसिक राहत : 10 करोड़ रुपये एक मानसिक सीमा भी है। यह आर्थिक अनिश्चितता से सुरक्षा की भावना देती है और लोग पैसिव आय पर निर्भर होकर अपने शौक, विरासत योजना या चैरिटी पर ध्यान दे सकते हैं।

6. लचीलापन और सुविधा
एसआईपी की सबसे खास बात यह है कि इसे कभी भी बदला या रोका जा सकता है। आप चाहें तो निवेश की रकम बढ़ा सकते हैं, घटा सकते हैं या कैंसल कर सकते हैं। इसमें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता। एसआईपी को इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड फंड- किसी में भी लगाया जा सकता है। यही लचीलापन इसे हर निवेशक की जरूरतों के अनुकूल बनाता है।

अलग-अलग पीढ़ी में वित्तीय आजादी का मतलब

युवा पेशेवर (25-35 साल) जल्दी आर्थिक आजादी पाना चाहते हैं। वे अक्सर 3–5 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो बनाने का लक्ष्य रखते हैं। उनका लक्ष्य होता है कि 40 की उम्र तक काम छोड़कर अपने मनमुताबिक जिंदगी बिता सकें। इस उम्र में उनके लिए समय और लचीलापन ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। मिडल-एज लोग (35–50 साल) घर के लोन, बच्चों की पढ़ाई और माता-पिता की देखभाल जैसी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं। उनके लिए 10-15 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो पर्याप्त हो सकता है, जिससे वे अपने खर्चों और परिवार की जरूरतों को आराम से पूरा कर सकें। वरिष्ठ मिलियनेयर (50 साल से ऊपर) रिटायरमेंट के करीब होते हैं। उनके लिए स्वास्थ्य, जीवन के आखिरी हिस्से की योजना और संपत्ति अगली पीढ़ी को देने की जिम्मेदारी सबसे बड़ी होती है। उनके लिए 20–25 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो उन्हें सुरक्षित जीवन और बच्चों को संपत्ति देने में मदद करता है।

10 करोड़ के फंड तक कैसे पहुंचे

- 25 साल का युवा अगर 50,000 रुपये प्रति माह निवेश करता है और 12% रिटर्न पाता है, तो 55 की उम्र तक 10 करोड़ आसानी से बन सकते हैं।
- इक्विटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड इनकम, रियल एस्टेट और गोल्ड का तालमेल जोखिम कम करता है। यह सुरक्षित तरीके से संपत्ति बढ़ाता है।
- जैसे-जैसे कमाई बढ़ती है, खर्च भी बढ़ते हैं। ऐसे में बोनस और अन्य आय को निवेश में लगाना जरूरी है।
- इमरजेंसी फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और रिस्क कवरेज से वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इससे मुश्किल वक्त में बचत को नहीं छेड़ना पड़ता।

सोना-चांदी ने मचाई धूम, गोल्ड 22% और सिल्वर 39% चढ़ा

दोनों धातुओं ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, आगे भी ऐसी ही उम्मीद ■ दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की ही रही ■ चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई ■ निवेशकों के सबसे प्रिय बनकर उभरी दोनों धातुएं

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अमेरिका में ऊंची मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि को लेकर पैदा अनिश्चितताओं ने सोने-चांदी में तेजी को हवा दी है। इनके साथ-साथ अमेरिका के बढ़ते कर्ज और ट्रंप प्रशासन के आयात/निर्यात शुल्कों के कारण दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कीमती धातुओं के दामों में लगातार रिकॉर्ड तेजी का केंद्र बन गई है। पिछले दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की रही है। लेकिन चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय सोने ने 22.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो कम से कम 30 वर्षों के बाद किसी पहली छमाही में दर्ज अब तक का सबसे ज्यादा रिटर्न है। इसी तरह चांदी ने 39.5 फीसदी का रिटर्न दिया है जो पिछले तीन दशकों में दूसरा सबसे अच्छा रिटर्न है। इससे पहले, कोविड महामारी के कारण ऐतिहासिक लॉकडाउन वाले वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में चांदी ने 66.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की थी। ये रिटर्न और कीमतें 30 सितंबर शाम 5.40 बजे की कीमतों पर आधारित हैं। रुपये के लिहाज से वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में सोना 29.5 फीसदी बढ़ा है जो पिछले तीन दशकों में पहली छमाही का सबसे ज्यादा रिटर्न है। चांदी ने 43.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो लॉकडाउन वर्ष (वित्त वर्ष 21) की पहली छमाही की 53 फीसदी बढ़त के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है।

विविधीकरण

लगातार बढ़ रही कीमतें

हालांकि, मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट के साथ तेजी थमी। सुबह के कारोबार में 3,871 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई और यह 3,815 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। चांदी भी 47.1 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 46.3 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है,जो अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 49 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा कम है। मुंबई के हाजिर बाजार में 995 शुद्धता वाला 24 कैरेट सोना 1,14,887 रुपये प्रति 10 ग्राम (1,16,435 रुपये की शुरुआती कीमत से कम) पर बंद हुआ। चांदी 1,42,434 रुपये प्रति किलोग्राम (सुबह के कारोबार में 1.45 लाख रुपये की कीमत से कम) पर बंद हुई जो अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है।

तेजी के ये कारण

सोने में हालिया तेजी का मुख्य कारण अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप होने की आशंका है। रिकॉर्ड 37.5 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज का वित्तपोषण मुश्किल है और अमेरिका में ट्रंप प्रशासन और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के बीच हाल में हुई बैठक में भी बंदी के मुद्दे को सुलझाने को लेकर कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। 1971 में अमेरिका में बंद की आशंकाओं के चलते निक्सन प्रशासन ने अमेरिकी डॉलर को सोने में बदलने पर रोक लगा दी थी। पिछले कुछ महीनों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, अमेरिका में मुद्रास्फीति की आशंका, अमेरिकी फेड अधिकारियों के खिलाफ सरकार की टिप्पणियों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने कीमती धातुओं में तेजी को बढ़ावा दिया है। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक भी सोने के बड़े खरीदार रहे हैं।

आगे की राह भी ऐसी ही रहेगी

पिछले कुछ महीनों से चांदी की सिफारिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा, चांदी में अब जरूरत से ज्यादा खरीद हुई दिखती है। तेजी की एक और लहर इसे नई ऊंचाई पर ले जाएगी, लेकिन उससे पहले इसमें गिरावट की संभावना है। उद्योग और निवेशकों के बीच चांदी की उच्च मांग है। इस कारण भारत में बाजार 50 सेंट के प्रीमियम पर पहुंच गया है, जबकि तत्काल डिलिवरी मिलना मुश्किल है। वैश्विक स्तर के बारे में एक प्रमुख व्यापारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता चांदी के बड़े खरीदार हैं जो बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक है और सौर पैनल निर्माताओं और निवेशकों की मांग से इसे समर्थन मिल रहा है। चांदी की भारी मांग है। लेकिन स्थानीय स्तर पर सोने की मांग फिलहाल कमजोर है। ग्राहक सिक्के खरीद रहे हैं और पुराने जेवरों को नए आभूषणों से बदल रहे हैं।

चांदी को लेकर भी काफी आशावादी

अमेरिका में सरकारी शटडाउन से बचना मुश्किल होने के कारण सोने की कीमत को 4,000 डॉलर से 4,100 डॉलर के बीच प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। वे चांदी को लेकर भी काफी आशावादी हैं, लेकिन चांदी की कीमतें और ऊपर जाने से पहले कई बार 49 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू सकती हैं। चांदी के 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी से पहले नौ महीनों का रिटर्न 45 साल में सबसे ज्यादा है। कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में सोने का रिटर्न 45 फीसदी है जबकि चांदी का रिटर्न 59 फीसदी है।

आखिर मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अब कवरेज बेहद ज़रूरी क्यों?

- आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में काम का प्रेशर तो कभी पैसों की चिंता कर रही परेशान
- समाज की उम्मीदों को भी पूरा करने का रहता है दबाव, ये सब बढ़ाते हैं तनाव
- लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं कर रही परेशान
- ऐसे में जरूरी हो जाता है कवरेज, बिना किसी चिंता के करवा सकते हैं देखभाल

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही महत्वपूर्ण है। हाल के समय में कई मशहूर हस्तियों के अपने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातों को खुलकर सामने रखने और मीडिया में हो रही चर्चा से इस समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता आई है। बहुत से लोग इस बारे में खुलकर बात नहीं करते थे, जिस वजह से इसे कभी प्राथमिकता नहीं समझा गया। आज, चीजें बदल रही हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में कभी काम का प्रेशर होता है, कभी पैसों की चिंता और ऊपर से समाज की उम्मीदों को भी पूरा करना पड़ता है और ये सब मिलकर रोज़मर्रा का तनाव बढ़ाते हैं। इस लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि टेक्नोलॉजी की मदद से हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं, लेकिन कई बार इससे हमें अकेलापन या तनाव का एहसास भी होता है, जो हमारे मन पर असर डालता है। समय रहते मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को समाधान करने से स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। ऐसे माहौल में, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 ने इलाज तक पहुंच को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस कानून के तहत, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने दिशानिर्देश जारी किए, जिनके अनुसार 31 अक्टूबर 2022 से सभी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को मानसिक बीमारी से जुड़े इलाज को शारीरिक बीमारी के बराबर मानते हुए कवर करना और उससे जुड़े क्लेम स्वीकार करना अनिवार्य कर दिया गया। इसका मतलब है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग अब बिना किसी चिंता के जरूरी देखभाल हासिल कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज के मुख्य लाभ

जल्दी मदद प्राप्त करना आसान : जब मानसिक स्वास्थ्य देखभाल आपके इंश्योरेंस का हिस्सा हो, तो ज़रूरत महसूस होते ही मदद लेना ज़्यादा आसान और संभव हो जाता है। समय रहते इलाज प्राप्त करने से समस्या ज़्यादा गंभीर नहीं होती है और रिकवरी भी जल्दी हो जाती है। हेल्थ इंश्योरेंस आपको मेडिकल बिल की लागत पर चिंता किए बिना तुरंत समस्या का समाधान करने का आत्मविश्वास देता है।

आपकी जेब पर पड़ता है कम बोझ

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल महंगी होती है। इसमें अक्सर नियमित थेरेपी सेशन, दवाएं और कभी-कभी हॉस्पिटल में भर्ती होना शामिल होता है। ये खर्च तेज़ी से बढ़ सकते हैं और एक समय पर इलाज जारी रखना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस कवर इन खर्चों का बड़ा हिस्सा चुका देता है, जिससे आप पैसे की चिंता किए बिना अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दे सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि प्लान में क्या शामिल है, यह आपके द्वारा चुने गए प्लान के प्रकार पर निर्भर करता है।

हॉस्पिटलाइज़ेशन के बिना ली गई थेरेपी के लिए कवरेज

कुछ हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में ओपीडी(आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) की सुविधा मिलती है, जिसका मतलब है कि हॉस्पिटल में भर्ती हुए बिना भी थेरेपी या काउंसलिंग की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इससे ज़रूरत पड़ने पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करना आसान हो जाता है। यह सुविधाजनक और किफायती विकल्प है, जो आपको अपनी देखभाल जारी रखने में मदद करता है।

मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में मदद

मानसिक स्वास्थ्य तुरंत ठीक नहीं होता है। कई लोगों को लंबे समय तक मदद की ज़रूरत होती है, जैसे कि लगातार थेरेपी लेना, दवाइयां लेना या नियमित रूप से मनोचिकित्सक के पास जाना जो इंश्योरेंस प्लान मानसिक स्वास्थ्य को कवर करते हैं, वे लंबे समय तक इलाज जारी रखने में मदद करते हैं, जिससे भावनात्मक रूप से स्वस्थ बने रहना आसान होता है।

विशेष मानसिक स्वास्थ्य प्लान

सामान्य हेल्थ इंश्योरेंस के अलावा, कुछ कंपनियां ऑटिज़्म, पार्किंसंस रोग और बौद्धिक अक्षमताओं जैसी खास मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के लिए विशेष प्लान भी प्रदान करते हैं। इन पॉलिसी में आयुष उपचारों के लिए भी कवरेज मिल सकती है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी शामिल हैं। कुछ बीमा कंपनियां इन विशेष प्लान के तहत पहले से मौजूद कुछ मानसिक बीमारियों को भी कवर करती हैं। एक संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना बहुत ज़रूरी है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक, हमारी मानसिक सेहत इस बात को प्रभावित करती है कि हम क्या सोचते हैं, कैसा महसूस करते हैं और दुनिया के साथ कैसे तालमेल बैठाते हैं। अगर हम मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों और समय पर देखभाल करें, तो हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहां इसे शारीरिक स्वास्थ्य के बराबर माना जाएगा। थेरेपी या मदद लेना कमज़ोरी नहीं, बल्कि ठीक होने, आगे बढ़ने और मज़बूत बनने की एक बड़ी पहल है।

- (लेखक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं)

महिला विश्व कप : भारत आजमाएगा बेंच स्ट्रेंथ का दम, पाकिस्तान से हाईवोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों के बीच पिछले तीन रविवार नाटकीयता भरे मुकाबलों के बाद अब इस रविवार को दोनों देशों की महिला टीमें वनडे विश्व कप में आमने-सामने होंगी तो क्रिकेट कौशल से ज्यादा जज्बात की जंग रहेगी और भारत का पलड़ा एक बार फिर भारी रहने वाला है।

भारत और पाकिस्तान ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तमाम प्रारुपों में 27 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से भारत ने 24 और पाकिस्तान ने तीन जीते हैं । पाकिस्तान को तीनों जीत टी20 प्रारुप में मिली है। वनडे क्रिकेट में भारत का शत प्रतिशत रिकॉर्ड है, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच खेले गए सभी 11 मैच जीते हैं।

भारतीय टीम की नजरें नेट रनरेट बेहतर करने पर

भारत ने विश्व कप में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी। पाकिस्तानी बल्लेबाज स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों का सामना नहीं कर सके। सभी टीमें एक एक मैच खेल चुकी हैं और भारत चौथे स्थान पर है। भारतीय टीम की नजरें अब नेट रनरेट बेहतर करने पर लगी होंगी, जो टूर्नामेंट के आखिरी चरण में काफी अहम हो जाता है ।

- महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तमाम प्रारुपों में 27 मुकाबले हुए, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने 3 जीते
- वनडे क्रिकेट में भारत का शत प्रतिशत रिकॉर्ड, टीम इंडिया ने सभी 11 मैच जीते

भारत की ताकत बल्लेबाजी

हरमनप्रीत कौर की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मुकाबले में उतरेगी। पहले मैच में एक समय छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 47 ओवर में 250 रन से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ताकत उसकी बल्लेबाजी है लेकिन मजबूत टीमों के खिलाफ बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मैच में कोलंबो की पिच से काफी सीम मिल रही थी लिहाजा भारत तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को उतार सकता है, जो पिछले महीने आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के जरिए चोट के बाद लौटी है। वह हालांकि अभ्यास सत्र में लय में नहीं दिखी।

पाक को करना होगा चमत्कारिक प्रदर्शन

दूसरी ओर पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी है। पहले मैच में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया और पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन स्कोर ही बड़ा नहीं था । पाकिस्तान को सारे मैच एक ही मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा लेकिन भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उसे जीत के लिए चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। क्रिकेट के अलावा इस मैच को लेकर काफी तनाव भी है। अब वह दिन लद गए जब 2022 विश्व कप में पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बिस्माह मारुफ की बेटी के साथ भारतीय खिलाड़ियों को खेलते देखा गया था। पुरुष टीम की तरह भारतीय महिला टीम भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से शायद हाथ नहीं मिलाएगी।

संभावित टीमें

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

पाकिस्तान : फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी, आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमन फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार , सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सईदा आरुब शाह

खबर संक्षेप

बारिश के कारण श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया मैच में विलंब

कोलंबो। लगातार बारिश के कारण शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप ग्रुप चरण मुकाबला शुरू नहीं हो सका। मैदान कवर से ढका है जबकि विशाल स्कोरबोर्ड पर 'रेन रेन गो अवे' लिखा दिखाई दिया। हालांकि बारिश कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहा है। टॉस के समय से 15 मिनट पहले दोपहर 2.45 बजे बारिश रुकी, जिससे उम्मीद बंधी लेकिन जैसे ही टॉस का समय नजदीक आया। बारिश फिर शुरू हो गई और पूरा खेल मैदान कवर से ढक दिया गया। फिर दोपहर तीन बजे तक भारी बारिश होने लगी। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 89 रन से हराया था जबकि श्रीलंका को टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत के हाथों डकवर्थ लुईस पद्धति से 59 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

हमें अश्विन की कमी खलती है : जडेजा

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट मैच में अपने बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन कर मैन ऑफ द मैच चुने गए हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने लंबे समय तक

टीम में रहे अपने साथी दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की बात करते हुए कहा कि हर खिलाड़ी को एक दिन इस खेल को अलविदा कहना होता है। जडेजा से पूछा गया कि क्या आपको अश्विन की कमी खलती है तो उन्होंने कहा, 'बिलकुल, हमें उनकी कमी महसूस होती है। अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के लिए इतने सालों तक बहुत योगदान दिया है। जडेजा ने कहा, 'भारत में टेस्ट खेलना और अश्विन नहीं हों यह सोच कर अजीब लगता है।

टूटने के लिए बनते हैं रिकॉर्ड: फातिमा सना

कोलंबो। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने महिला वनडे विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को खेले जाने वाले मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा कि रिकॉर्ड तो टूटने के लिए ही बनते हैं। महिला वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान भारत से 0-11 से पिछड़ रहा है, लेकिन फातिमा ने कहा कि उनकी टीम अतीत की बजाय वर्तमान पर ध्यान दे रही है। फातिमा ने कहा, 'सबसे पहले तो भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी रिकॉर्ड है वो टूटने के लिए ही बने हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया

घरेलू मैदान पर शुभमन की बतौर कप्तान पहली जीत, जडेजा बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

उपकप्तान रविंद्र जडेजा के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढ़त बना ली थी। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 45.1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर 4 विकेट लिए। दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं बतौर टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की ये भारत में पहली जीत भी रही। भारत की इस बड़ी जीत में टीम के कई खिलाड़ियों को योगदान रहा, जिसमें केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। राहुल, ध्रुव और जडेजा ने इस मैच में शतक लगाया तो वहीं सिराज ने सबसे ज्यादा 7 विकेट लिए, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच जडेजा रहे।

जडेजा एक बार फिर चूके

जडेजा एक मैच में शतक और पारी के पांच विकेट लेने का कारनामा एक बार फिर अपने नाम करने से चूक गए। वह पहले दो बार यह कमाल कर चुके हैं। लंच के बाद सिराज ने जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वारिकन (0) को पवेलियन भेजा । वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने एलिक अथानाजे (38) का रिटर्न कैच लपका । कुलदीप ने जेडेन सील्स (22) का अपनी ही गेंद पर कैच पकड़ा ।

यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था : गिल

कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा,'यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था। तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग।' तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया। सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर 3 विकेट लिए। भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने 9 साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बनाकर नाबाद रहे। तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी।

सिराज ने किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

सिराज ने इस मैच में 61/7 के आंकड़े दर्ज किए। यह उनका भारतीय सरजमीं पर मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने वेस्टइंडीज की पहली पारी में तेजनाराण चंद्रपॉल (0), एलिक ऐथानेज (12), ब्रैंडन किंग (13) और कप्तान रोस्टन चेज (24) को आउट कर 40 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए थे। इसी तरह उन्होंने दूसरी पारी में चंद्रपॉल (8), जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वार्रिकन (0) को आउट करते हुए 31 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

चंद्रपॉल और कैंपबेल ने की सकारात्मक शुरुआत

सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरुआत की लेकिन आठवें ओवर में नितीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपककर भारत को पहली कामयाबी दिलाई। सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा। इसके बाद जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया। चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया। वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया। छठे नंबर पर आए शाइ होप ने जडेजा की गेंद पर कट शॉट खेला और यशस्वी जायसवाल ने शॉर्ट थर्डमैन पर अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया।

फेनेस्टा ओपन के चैंपियन बने मनीष और वैष्णवी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मनीष सुरेशकुमार और महाराष्ट्र की वैष्णवी अदकर ने फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब अपने नाम किए। पुरुष एकल फाइनल में मनीष ने कीर्तिवासन सुरेश को दो घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। वहीं महिला एकल में भी वैष्णवी ने आंकाक्षा निटुरे को 6-1, 6-2 से हराकर खिताब जीता। अंडर-18 वर्ग में हर्षिनी एन ने तीन घंटे तक चले बालिका एकल फाइनल में स्निग्धा कांता को 6-1, 2-6, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं बालकों के एकल फाइनल में तविश पहवा ने रुतिक कटाकम के चोटिल होने के कारण हटने से खिताब जीता। तविश 7-6, 1-0 से आगे चल रहे थे।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप..

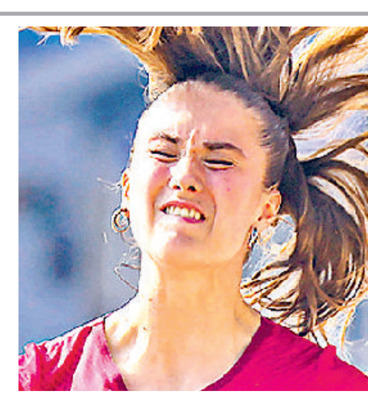

नई दिल्ली। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जा रहा है। इसमें शनिवार को महिलाओं की लंबी कूद टी47 फाइनल में डेनमार्क की ब्योर्क नोएरेमार्क (बाएं), फ्रांस की मैरी न्गूसौ-न्गूई (बीच में) और चीन की जिंग यान प्रतिस्पर्धा करती हुईं। इस दौरान उनकी हेयर स्टाइल बेहद चर्चा का विषय बनी।

सिडनी थंडर करेगी अश्विन की सुरक्षा का इंतजाम

सिडनी। रविचंद्रन अश्विन को बिग बैश लीग टीम सिडनी थंडर निजी सुरक्षा प्रदान करेगी चूंकि ओलंपिक एरेना मैदान पर टीम के अभ्यास सत्र के दौरान भारतवंशी क्रिकेटप्रेमियों के उमड़ने की संभावना है। समझा जाता है कि अश्विन अपने साथ निजी टीम भी लेकर आएंगे, जो उनके यूट्यूब चैनल के लिए सिडनी थंडर के साथ उनके बीबीएल के सफर को कैमरे में कैद करेंगे। पिछले साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडीलेड ओवल पर भारतीय टीम के अभ्यास सत्र को देखने के लिये करीब 5000 भारतीय प्रशंसक पहुंच गए थे, जिससे सुरक्षा का मसला खड़ा हो गया था। बीबीएल टीम इससे बचना चाहती है। 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' के अनुसार, 'भारत के अनुभवी स्पिनर के अभ्यास करने और खेलने के दौरान सुरक्षा का मसला हो सकता है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

चोट से परेशान पैरालंपिक स्वर्ण विजेता प्रवीण को कांस्य से संतोष करना पड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवीण कुमार के चेहरे पर ऊंची कूद में कांस्य पदक जीतने के बावजूद उदासी साफ झलक रही थी जबकि एकता भयाना शनिवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्लब थ्रो स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहने के बाद रजत पदक जीत कर खुश दिखी। भारत ने शनिवार को एक रजत और दो कांस्य पदक जीते जिससे उसके पदकों की संख्या 18 (6-7-5) हो गई। यह विश्व चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जबकि एक दिन का खेल अभी बाकी है। भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 कोबे (जापान) में था जहां टीम ने 17 पदक (6-5-6) जीते थे। ब्राज़ील 37 पदकों (12-18-7) के साथ तालिका में शीर्ष पर बना रहा। भारत को आज तीसरा पदक पुरुषों की शॉटपुट एफ57 श्रेणी में मिला जब सेना के 42 वर्षीय सोमन राणा ने 14.69 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता का सर्वश्रेष्ठ थ्रो चौथे प्रयास में आया। राणा का कांस्य पदक हालांकि रविवार को रजत पदक में तब्दील हो सकता है क्योंकि इस स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहने वाले ब्राजील के थियागो पॉलिनो डॉस सैंटोस के खिलाफ अपील दायर की गई है। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की वेबसाइट पर शनिवार देर शाम राणा के कांस्य पदक को रजत पदक के तौर पर दिखाया जाने लगा लेकिन आयोजकों में से एक ने कहा कि अंतिम सुनवाई ''रविवार को होगी और उसके बाद ही पदक बढ़ाने पर कोई फैसला लिया जाएगा।'' पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण पुरुषों की टी64 ऊंची कूद में शीर्ष स्थान के प्रबल दावेदार थे।

- भारत ने शनिवार को एक रजत और दो कांस्य जीते

अमांडा ने कोको को 58 मिनट में हराया, फाइनल में किया प्रवेश

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में अपना खिताब बचाने की उम्मीद शनिवार को हमवतन तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से सेमीफाइनल में मिली हार से टूट गई। इस साल अमेरिकी ओपन और विम्बलडन की उप विजेता अमांडा ने गॉफ को महज 58 मिनट में 6-1 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब अमांडा का सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रतीक अग्रवाल निवासी एस–206, पंचशील पार्क, नई दिल्ली–110017 और फार्म नंबर 16, डैफोडिल लेन, सतबरी, छतरपुर, दिल्ली–110074 ने Case No. 1429/2023 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रतीक अग्रवाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रतीक अग्रवाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **Case No. 1429/2023 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रतीक अग्रवाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री तन्मय बाथम
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (पश्चिम) (एनआई एक्ट)–03
कक्ष संख्या 103, सीबीए–II
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13401/OD/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद सद्दाम पुत्र मो. बारिक पता गली तांत वाली, मोतिया खान, सदर बाजार, दिल्ली और नसरुद्दीन तहसील कैथा, वार्ड नं.16, राजनगर, जिलाः मधुबनी बिहार ने एफआईआर सं. 26/2017 धारा 324/341/34 भा.द.स. के तहत** थानाः सदर बाजार, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सद्दाम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सद्दाम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 26/2017 धारा 324/341/34 भा.द.स. के तहत** थानाः सदर बाजार, दिल्ली **के उक्त मोहम्मद सद्दाम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
गौरव गोयल
न्यायिक मजिस्ट्रेट
प्रथम श्रेणी–06, केन्द्रीय जिला,
कमरा नं.247,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13235/N/2025

19 से 25 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगी तीन मैचों की वनडे सीरीज

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित की जगह गिल को बनाया कप्तान

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

एक बड़े बदलाव के तहत भारतीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को रोहित शर्मा को एक दिवसीय टीम की कप्तानी से हटाकर विश्व कप 2027 के मद्देनजर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आगामी आस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की कमान सौंपी है। इसे गिल को सभी प्रारुपों में कप्तानी सौंपने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है । रोहित और विराट कोहली को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है, जिसकी घोषणा शनिवार को बीसीसीआई ने की। श्रेयस अय्यर को तीन मैचों की श्रृंखला के लिए उपकप्तान बनाया गया है।

जायसवाल की वनडे टीम में वापसी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वनडे टीम में वापसी हुई है। वनडे मैच 19 से 25 अक्टूबर के बीच सिडनी, एडीलेड और मेलबर्न में खेले जायेंगे जिसके बाद पांच मैचों की टी20 श्रृंखला होनी है । चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने पुष्टि की कि रोहित को कप्तानी में बदलाव के बारे में बता दिया गया है लेकिन जब यह पूछा गया कि क्या विराट और रोहित विश्व कप 2027 खेलेंगे तो उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। अगरकर ने कहा,'वे अभी इसी प्रारुप में खेल रहे हैं और हमने उन्हें चुना है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल , यशस्वी जायसवाल ।

टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर ।

जडेजा-बुमराह को वनडे में नहीं मिली जगह

चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला रविंद्र जडेजा भले ही आस्ट्रेलिया दौरे के लिये टीम में नहीं हैं लेकिन वनडे प्रारुप में भारत की रणनीति का हिस्सा हैं। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत के लिए विजयी रन बनाने वाले जडेजा को आस्ट्रेलिया के हालात को ध्यान में रखते हुए तीन मैचों की वनडे श्रृंखला की टीम में जगह नहीं मिली है। अगरकर ने भारतीय टीम की घोषणा के बाद कहा,'आस्ट्रेलिया में दो स्पिनर ले जाना संभव नहीं है लेकिन वह रणनीति का हिस्सा है। टीम में जगह के लिए स्पर्धा तो होगी ही।' उन्होंने कहा,'वह चैंपियंस ट्रॉफी टीम में था क्योंकि हमें वहां के हालात में अतिरिक्त स्पिनर चाहिए था। अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ही नहीं बल्कि मोहम्मद सिराज के कार्यभार प्रबंधन का भी ध्यान रखा जाएगा। बुमराह को आस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला में आराम दिया गया है।

पीएम मोदी के मिशन 'सुदर्शन चक्र' लक्ष्य का हिस्सा

किसी भी तरह के हवाई खतरों से बेहतर सुरक्षा मिलेगी

भारत 6 नए एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदेगा

एक मिनट में 3000 राउंड फायर, 4 किमी की रेंज, पाकिस्तान सीमा पर होगी तैनाती

यह सिस्टम 30 मिमी मल्टी बैरल मोबाइल एयर डिफेंस गन होगा, जिसकी फायरिंग दर बहुत तेज है। इसका इस्तेमाल यूएवी, रॉकेट, आर्टिलरी और मोटरि जैसी खतरनाक हमलों से रक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा के पास प्रमुख आबादी और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर घोषित महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय सुरक्षा पहल मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदने के लिए स्टेट ओनड एडवांस्ड वेपन एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) को टेंडर जारी किया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना ने 6 एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम्स की खरीद के लिए रिक्वेस्ट ऑप प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है।

आबादी की सुरक्षा हो सकेगी

इसका इस्तेमाल यूएवी, रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार (यूआरएएम) जैसी खतरनाक हमलों से रक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा के पास प्रमुख आबादी और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा।

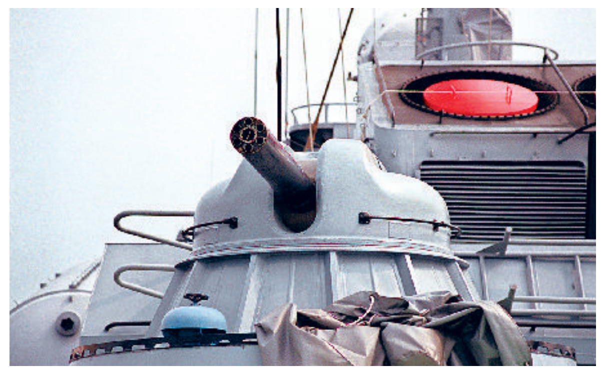

मई में हुआ था परीक्षण

सेना ने मई में एके-630 का आंतरिक परीक्षण किया था, जो पाकिस्तान के साथ संघर्ष के तुरंत बाद हुआ। परीक्षणों में सिस्टम ने प्रशिक्षण हवाई लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से नष्ट किया, हालांकि कुछ सुधार के क्षेत्रों की पहचान भी की गई। साल के चार दिवसीय सीमा पार संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में नागरिकों और धार्मिक स्थलों पर सीधे हमले किए थे।

आयरन डोम की तरह करेगा काम

मिशन सुदर्शन चक्र आंशिक रूप से इजरायल की प्रसिद्ध आयरन डोम की तरह मॉडल किया गया है। इसका उद्देश्य 2035 तक भारत के लिए एक व्यापक, बहु स्तरीय, स्वदेशी सुरक्षा ढाल तैयार करना है, जिसमें निगरानी, साइबर सुरक्षा और एयर डिफेंस सिस्टम को एकीकृत किया जाएगा।

हर मौसम में कारगर

यह गन सिस्टम ट्रेलर पर माउंट किया जाएगा और उच्च गतिशीलता वाले वाहन से टो किया जाएगा। सिस्टम में ऑल वेदर इलेक्ट्रो ऑप्टिकल फायर कंट्रोल सिस्टम के जरिए लक्ष्य का पता लगाने और उसे निशाना बनाने की क्षमता होगी। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, इन गन सिस्टम की जरूरत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महसूस हुई, जब पाकिस्तान सेना ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में नागरिकों और धार्मिक स्थलों पर सीधे हमले किए थे। अब इनकी तैनाती से इन इलाकों में हवाई खतरों से बेहतर सुरक्षा मिलेगी।

स्वदेशी सिस्टम का पहला परीक्षण पूरा

भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) के बनाए स्वदेशी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला परीक्षण कामयाब रहा था। यह टेस्ट 24 अगस्त को ओडिशा के तट पर किया गया था। आईएडीडब्ल्यूएस एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, ये दुश्मन के हवाई हमले नाकाम करेगा। इसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम), एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें (वीएसएचओआरएडीएस) और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) शामिल हैं।

खबर संक्षेप

प्रत्यर्पण से बचने नीरव ने ली कोर्ट की शरण

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी का आरोपी भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने कहा है कि अगर उसे भारत भेजा गया तो जांच एजेंसियां पूछताछ के दौरान टॉर्चर करेंगी। इसको लेकर उसने लंदन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में प्रत्यर्पण केस पर फिर से सुनवाई की मांग की है, जो 23 नवंबर को हो सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि हमने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अभी उससे पूछताछ की जरूरत नहीं है। हमारी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उसे सिर्फ मुकदमे का सामना करना है।

मांडविया ने मलेशिया में की साइकिलिंग

कुआलालम्पुर। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को मलेशिया के टिटिवांगसा पार्क में प्रवासी भारतीयों के साथ साइकिलिंग की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि टिटीवांग्सा पार्क में साइकिलिंग का आनंद लिया। भारत सरकार की ओर से 'सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ पुरस्कार 2025 प्राप्त करने के लिए मलेशिया दौरे पर हैं।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हवाई हमला

पैसेंजर ट्रेन और स्टेशन पर दागे बम, 30 लोग घायल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेन के उत्तरी क्षेत्र सुमी में रूस ने हवाई हमलों में एक पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाया गया है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव ने बताया कि रूसी हमले में रेलवे स्टेशन और कीव जा रही ट्रेन को टारगेट किया गया। ट्रेन को काफी नुकसान पहुंचा है। ओलेह ने कहा कि इस हमले में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं, राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि सुमी क्षेत्र के शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर एक क्रूर रूसी ड्रोन हमला हुआ।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने क्षतिग्रस्त, जलती हुई यात्री बोगी और अन्य बोगियों की खिड़कियां उड़ती हुई दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

जेलेंस्की ने कहा कि इस घटना में कई रेलकर्मी भी घायल हुए हैं। उन्होंने इसे आतंकवाद बताया जिसकी दुनिया को अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

गैस संयंत्रों को बनाया निशाना

एक दिन पहले शुक्रवार को रूस ने यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्टोगैज के ठिकानों पर 35 मिसाइलें और 381 ड्रोन दागे थे। ये हमले खारकीव और पोल्टावा क्षेत्रों में हुए थे। नाफ्टोगैज के सीईओ सर्जी कोरेत्स्की के अनुसार यह अब तक की सबसे बड़ी बमबारी थी जिससे गैस उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस हमले में करीब 8000 उपभोक्ताओं की बिजली कट गई। उन्होंने कहा कि हमारे कई प्लांट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कुछ जगहों पर नुकसान बहुत गंभीर है। इस हमले का कोई सैन्य औचित्य नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि उसकी सेनाओं ने यूक्रेन के गैस और ऊर्जा ढांचे पर बड़े पैमाने पर रातभर हमले किए। रूस ने दावा किया कि उसने सैन्य-औद्योगिक स्थलों को भी निशाना बनाया है। सर्दियों के करीब आते ही रूस ने यूक्रेन के एनर्जी स्ट्रक्चर पर हमले तेज कर दिए हैं।

पावर ग्रिड पर हमला, बिजली गुल

रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने शनिवार रात को यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हमला किया। हमले से रूसी सीमा के निकट उत्तरी शहर चेर्निहिव के पास ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं और ब्लैकआउट हो गया।

पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले टीआरएफ पर बड़ी कार्रवाई

यूएपीए की धारा 25 के तहत लिया एक्शन

श्रीनगर में सरगना सज्जाद गुल की 2 करोड़ रु. की 'संपत्ति' कुर्क

पुलिस के अनुसार यह कुर्की श्रीनगर पुलिस की आतंकवाद के वित्तीय, रसद और संचालन नेटवर्क को ध्वस्त करने की चल रही रणनीति का हिस्सा है। इसमें उनके सीमा पार प्रायोजक और समर्थक भी शामिल हैं। यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है कि आतंकवाद को सहायता देने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

पहलगाम टेरर अटैक को लेकर श्रीनगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादी समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के संस्थापक सज्जाद गुल की दो करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर दी।

सज्जाद पर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का आरोप है। इसमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टूवाला मारा गया था। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने रोज एवेन्यू, एचएमटी में स्थित 15 मरला जमीन (सर्वे संख्या 43 मिनट, एस्टेट खुशीपोरा) पर बने एक तीन मंजिला आवासीय मकान को कुर्क किया है। राजस्व रिकॉर्ड और तहसीलदार सेंट्रल श्रीनगर के अनुसार, लगभग 2 करोड़ रुपए मूल्य की यह संपत्ति गुलाम मोहम्मद शेख, पुत्र ख्वाजा अनवर शेख, नामित आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल के पिता के नाम दर्ज है।

कार्रवाई कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई

राष्ट्र विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने में शामिल रहा है

एफआईआर दर्ज की थी

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुर्की की कार्रवाई पुलिस स्टेशन परिमपोरा में दर्ज एफआईआर के तहत की गई है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 235/2022 के तहत की गई है, जो कि थाना परिमपोरा में यूएपीए की धाराएं 13, 38, 20 और ईआईएमसीओ एक्ट की धाराएं 2/3 के अंतर्गत दर्ज है। यह कार्यवाही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के तहत शुरू की गई थी। जो अधिकारियों को आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की गई या इस्तेमाल की जाने वाली संपत्तियों को कुर्क करने का अधिकार देती है।

पुलिस कार्रवाई ने दिया बड़ा संदेश

पुलिस के अनुसार, यह कुर्की श्रीनगर पुलिस की आतंकवाद के वित्तीय, रसद और संचालन नेटवर्क को ध्वस्त करने की चल रही रणनीति का हिस्सा है। इसमें उनके सीमा पार प्रायोजक और समर्थक भी शामिल हैं। पुलिस ने आगे कहा कि यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है सहायता देने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। इसमें अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त करना भी शामिल है। टीआरएफ अनुच्छेद 370 के बाद अस्तित्व में आया।

संपत्ति में सज्जाद हितधारक

यह कार्रवाई तहसीलदार सेंट्रल शालटेंग द्वारा सत्यापन के बाद कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी की गई। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि संपत्ति आतंकवादी के पिता के नाम पर पंजीकृत है, लेकिन सज्जाद गुल इसमें एक सक्रिय हितधारक है। सज्जाद आतंकवाद को बढ़ावा देने, राष्ट्र-विरोधी प्रचार करने और अलग-अलग ऑनलाइन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार के खिलाफ असंतोष भड़काने में शामिल है।

मृतक के परिजनों ने अपने बेटे के शव को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार से लगाई मदद की गुहार

अमेरिका के डलास में भारत के 28 वर्षीय युवा चंद्रशेखर पोले की गोली मारकर हत्या

पूर्व में इलाके में ही भारतीय मूल के एक मोटल मैनेजर चंद्रमौली नागमल्लैया की कुल्हाड़ी से सिर काटने की एक घटना हुई थी

बीते करीब एक महीने के अंदर डलास में हुई किसी भारतीय की हत्या की दूसरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ बढ़ते हिंसक आपराधिक मामलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अभी लोग कर्नाटक के रहने वाले भारतीय मूल के एक 50 वर्षीय मोटल मैनेजर चंद्रमौली नागमल्लैया की डलास में बेरहमी से सिर कलम करने की घटना को पूरी तरह से भूले भी नहीं थे कि अब एक बार फिर से डलास से ही एक और 28 वर्षीय युवा भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोले की हत्या का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बीते शुक्रवार को एक अज्ञात बंदूकधारी ने डलास के एक गैस स्टेशन पर पोले की गोली मारकर हत्या कर दी थी। चंद्रशेखर मूलरूप से हैदराबाद के रहने वाले थे। भारत में अपनी डेंटल सर्जरी की स्नातक शिक्षा पूरी करने के

बाद वह करीब दो साल पहले 2023 में उच्च-शिक्षा ग्रहण करने के लिए अमेरिका गए थे। मृतक के परिवार के सदस्यों ने अमेरिका से अपने बेटे की पार्थिव देह को वापस स्वदेश लाने के लिए केंद्र सरकार से मदद देने की मांग की है।

बीआरएस ने उठाया मामला

बीआरएस के विधायक और तेलंगाना में पूर्व मंत्री रहे टी. हरीश राव ने भी इस मामले का उठाया है। उन्होंने पार्टी के एक अन्य विधायक सुधीर रेड्डी के साथ मिलकर शनिवार को मृतक के परिजनों से हैदराबाद में उनके घर जाकर मुलाकात की है। इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए पोले के शव को उनके गृहनगर वापस लेने के लिए सरकार से तेजी से कदम उठाने का अनुरोध किया है। एक एक्स पोस्ट में राव ने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि अपने बेटे को लेकर यह देखना कि वो नई ऊंचाइयों को छुएगा। लेकिन अब वो इस दुनिया में नहीं है। यह देखना काफी हृदय विदारक है। बीआरएस की ओर से उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि वो चंद्रशेखर के शव को जल्द से जल्द अमेरिका से वापस लाने के लिए केंद्र सरकार से अपील करे।

गैस-स्टेशन में चल रही थी पार्ट-टाइम नौकरी

चंद्रशेखर पोले की अमेरिका में हाल ही में उच्च-शिक्षा पूरी हुई है। जिसके बाद वह डलास में ही एक गैस स्टेशन पर पार्ट टाइम काम कर रहा था और उसके साथ ही उसे अमेरिका में ही अपने लिए एक स्थायी नौकरी की भी तलाश थी। बताते चलें कि चंद्रशेखर से पहले डलास में की गई भारतवंशी चंद्रमौली नागमल्लैया की उनकी पत्नी और बेटे के सामने वाशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या कर दी गई थी। आरोपी की पहचान आपराधिक रिकॉर्ड वाले सहकर्मी यार्डनिस कोबोस मार्टिनेज के रूप में हुई थी। इस घटना के सामने आने के बाद अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय ने काफी नाराजगी व्यक्त की थी। जिसके बाद खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सामने आए थे और उन्होंने चंद्रमौली के हत्यारे को किसी भी सूरत में न बख्शने की घोषणा की थी। इसके अलावा यह भी कहा था कि अमेरिका में ऐसे अवैध अप्रवासी अपराधियों के खिलाफ अब नरमी बरतने की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है। मार्टिनेज पर प्रथम श्रेणी की हत्या का आरोप लगाकर कानून के तहत अधिकतम सजा दी जाएगी।

अमेरिका में शटडाउन जारी, डेमोक्रेट्स समर्थन देने को राजी नहीं

14 अक्टूबर तक शटडाउन रहने की आशंका

ट्रंप चौथी बार फंडिंग बिल पास कराने में फेल, गैरजरूरी सरकारी कामकाज 'ठप'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को लगातार चौथी बार फंडिंग बिल पास नहीं करा पाए। इस वजह से देश में लगातार चौथे दिन भी शटडाउन जारी है। संसद के ऊपरी सदन (सीनेट) में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के फंडिंग बिल को 54 वोट मिले, जबकि इसे 60 वोट की जरूरत थी। फंडिंग बिल पास न होने से गैरजरूरी सरकारी कामकाज ठप है। वोटिंग के बाद विपक्षी डेमोक्रेट्स सांसद हॉल छोड़कर चले गए। दरअसल, डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि कोविड के समय दी गई टैक्स क्रेडिट्स (हेल्थ केयर सब्सिडी) बढ़ाई जाए। जिससे लाखों अमेरिकियों को सस्ता स्वास्थ्य बीमा मिल सके।

सीनेट में 60 की जगह सिर्फ 54 वोट मिले 7 लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा गया

डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी

100 सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन और 47 डेमोक्रेट हैं। 2 निर्दलीय सांसद बिल का समर्थन कर चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी के लिए डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी है, लेकिन फिलहाल वे बिल के पक्ष में वोट देने को राजी नहीं हैं।

निचले सदन में भी वोटिंग रद्द

हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचला सदन) में भी 14 अक्टूबर तक के लिए रद्द हो चुकी है। यानी अब अमेरिका में 14 अक्टूबर तक शटडाउन जारी रहने की आशंका है। सरकार ने करीब साढ़े 7 लाख सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया है। इनमें से 3 लाख की छंटनी हो सकती है।

शटडाउन के लिए ट्रंप जिम्मेदार

वहीं डेमोक्रेट नेता चक शूमर कह चुके हैं कि ट्रंप अमेरिका के हेल्थ केयर प्रोग्राम को सिक्योर करने से इनकार कर रहे हैं और शटडाउन के लिए जिम्मेदार हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109